जबलपुर शनिवार 25 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ शुक्ल पक्ष एकादशी

वर्ष 32 अंक 30 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

अब हर रोज दर्पण ⏩ 3

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

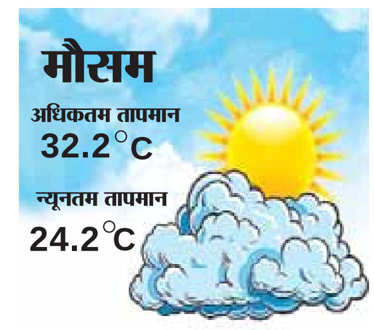

मौसम

अधिकतम तापमान 32.2°C

न्यूनतम तापमान 24.2°C

सूर्योदय - 5.38 | सूर्यास्त - 6.56

प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय समितियों बोर्ड ... ⏩ 4

'यादें' में टू-व्हीलर पर एंट्री को लेकर उत्साहित हैं ... ⏩ 7

विधायक संजय पाठक के प्रयासों के बाद कटनी नदी... ⏩ 9

मध्यप्रदेश के 4 महानगरों में प्रारंभ होंगे फास्ट ट्रैक कोर्टः डॉ. यादव

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को 210 करोड़ राशि का अंतरण

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी गौरवशाली संस्कृति और वसुधैव कुटुम्बकम के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए विश्व कल्याण के लिए प्रयास कर रहा है। हमारी संस्कृति में सबके कल्याण और मानवता से प्रेम करने की बात कही गई है। प्रधानमंत्री ने युवाओं के हित में उनकी शिक्षा और रोजगार से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की घोषणा की है। मध्यप्रदेश के चारों महानगरों- भोपाल, जबलपुर, इंदौर और ग्वालियर में इसी प्रकार के फास्ट ट्रैक कोर्ट स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अगले साल पन्ना मेडिकल कॉलेज का लोकार्पण किया जाएगा। नीट के अभ्यर्थियों को डॉक्टर बनने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव पन्ना में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के अंतर्गत 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को लगभग 210 करोड़ रुपए की राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण किया। उन्होंने प्रतीक स्वरूप विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के हितग्राहियों एवं आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कृषि कल्याण वर्ष के उपलक्ष्य में हल भेंट कर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बुंदेलखंड की धरती सर्वश्रेष्ठ है। यहां पन्ना में धरती के नीचे हीरा निकलता है, लेकिन धीरे-धीरे पानी की कमी होती गई। लोगों ने पलायन शुरू कर दिया, जिसे हमारी सरकार ने रोका। अब हमारी सरकार ने बुंदेलखंड की समृद्धि के लिए भारतरत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी के संकल्प के अनुसार अंतर्राज्यीय केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना की शुरुआत की है। केंद्र सरकार ने 1 लाख करोड़ की इस परियोजना के लिए 90 प्रतिशत राशि देने की स्वीकृति प्रदान की। नदी जोड़ो परियोजना किसानों के लिए समृद्धि लेकर आएगी।

ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट का लोकार्पण

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पन्ना के बृहस्पति कुंड पर 8 करोड़ लागत से सौंदर्यीकरण के अंतर्गत निर्मित ग्लास फ्लोर और व्यू प्वाइंट सहित अन्य विकास कार्यों का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुल 184.83 करोड़ रुपए की लागत के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि-पूजन किया। इन कार्यों में गुन्नौर और पवई के 74 करोड़ रुपए लागत के 2 सांदीपनि विद्यालय शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सांदीपनि विद्यालय देश में सबसे अच्छे विद्यालय हैं। प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालय बनाए गए हैं। यह विद्यालय भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता के प्रतीक हैं।

युवाओं को रोजगार से जोड़ रहे

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार से जोड़ना चाहती है। किसान पशुपालन और दूध उत्पादन के माध्यम से अपनी आय बढ़ा सकते हैं। राज्य में अभी 12 प्रतिशत दूध उत्पादन है, इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है। किसान खेती से लाभ कमाएं, दूध उत्पादन से आय बढ़ाएं और मछली उत्पादन से भी फायदा कमा सकते हैं। राज्य सरकार पर्यटन के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध करवा रही है। बुंदेलखंड में औद्योगिक गतिविधियां को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। सागर संभाग में ही बीना में रिफाइनरी के विस्तार का कार्य भी हुआ है।

बांग्लादेश के राष्ट्रपति ने दिया इस्तीफा

ढाका। बांग्लादेश के राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन ने इस्तीफा दे दिया है। यह जानकारी उनके सहयोगी ने दी। उनका कार्यकाल अभी लगभग दो साल बाकी थे, लेकिन पिछले कुछ दिनों में उनके इस्तीफे की चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया था। इस्तीफे के कारण के बारे में पूछे गए एक प्रश्न पर 76 वर्षीय नेता ने बताया कि वह स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं। राष्ट्रपति भवन के एक प्रवक्ता ने बताया कि शहाबुद्दीन के प्रतिनिधि ने उनका त्यागपत्र संसदीय अध्यक्ष हाफिजुद्दीन अहमद को सौंपा, जो बांग्लादेश के संविधान के अनुसार नए राष्ट्रपति के चुने जाने तक कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेंगे।

केंद्रीय रेल राज्यमंत्री बिट्टू का इस्तीफा

नई दिल्ली। केंद्रीय रेल और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बिट्टू का इस्तीफा मंजूर कर लिया। वे राज्यसभा सदस्य थे लेकिन 21 जून को उनका कार्यकाल खत्म हो गया। उन्हें भाजपा ने दूसरी बार राज्यसभा कैंडिडेट नहीं बनाया।

धर्मेंद्र प्रधान 'अपराधी' शिक्षा मंत्री

राहुल गांधी का दावा- प्रदर्शन में युवक पर चलाई गई पैलेट गन

नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि धर्मेंद्र प्रधान एक 'अपराधी' शिक्षा मंत्री हैं। उन्हें हटाया जाना चाहिए। वह हमारी शिक्षा व्यवस्था के पतन के प्रतीक हैं। उन्हें जाना होगा। राहुल गांधी ने कहा, हजारों लोग जो बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं, उसकी वजह वही हैं। उन्हें पद से हटना होगा। 10 जनपथ के बाहर मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, हमने अपनी स्थिति साफ कर दी है। छात्रों ने भी अपनी मांग स्पष्ट कर दी है। हम उनकी मांग दोहरा रहे हैं। इन छात्रों के माता-पिता ने अपनी मेहनत की कमाई से उन्हें पढ़ने और आगे बढ़ने का मौका दिया है। सरकार को झूठ बोलना बंद करना चाहिए। उसने देश के भविष्य पर हमला किया है। उन्होंने कहा कि युवाओं की सिर्फ तीन मांगें हैं। पहली मांग है कि शिक्षा मंत्री को पद से हटाया जाए, जिन्हें छात्र मौजूदा हालात, पेपर लीक और शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की स्थिति पैदा होने के लिए जिम्मेदार मानते हैं। दूसरी मांग है कि उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए, जिन्होंने इन युवाओं पर छर्रे वाली बंदूकें चलाईं और लाठीचार्ज किया। तीसरी मांग है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जो इस पूरी व्यवस्था के प्रमुख हैं, उन हजारों युवाओं से माफी मांगें, जिन्हें इस मामले की वजह से नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कई युवाओं को गंभीर शारीरिक चोटें आई हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, सरकार ने दावा किया है कि छर्रे वाली बंदूक का इस्तेमाल नहीं किया गया, लेकिन इसे देखिए, छर्रे वाली बंदूक से ऐसा होता है। इस व्यक्ति की आंख में चोट लगी है और उसकी एक आंख की रोशनी चली गई है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं यह भी निश्चित तौर पर नहीं कह सकता कि इस युवा व्यक्ति की आंखों की रोशनी बचाई जा सकेगी या नहीं। इसमें छात्रों की कोई गलती नहीं है। उन्होंने कहा, यही तीन मांगें हैं। हमारे छात्रों पर हमला करना बंद करें, उन्हें डराना बंद करें और इन मांगों को पूरा करें। राहुल गांधी ने कहा, ये युवा भारत का भविष्य हैं। हजारों युवाओं पर कथित तौर पर छर्रे वाली बंदूकें चलाई गईं, लाठीचार्ज किया गया, उन्हें पीटा गया और उनके साथ मारपीट की गई, जबकि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे।

सरकार के समक्ष सीजेपी ने रखी तीन मांगें

दिल्ली के वीपी हाउस में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह ने कॉकरोच जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास और राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका के साथ बैठक की। सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, सरकार से 10 मिनट बातचीत हुई। हमने सरकार के सामने तीन मांगें रखीं। मृत छात्रों के परिजनों को एक करोड़ रुपये मुआवजा मिले। प्रदर्शनकारियों पर दर्ज एफआईआर हटे। धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई समझौता नहीं हुआ। सरकार ने धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की हमारी मांग पर कल दोपहर तक का समय मांगा है। उम्मीद है कि सरकार उन्हें हटा देगी। सरकार ने मुआवजे और छात्रों के खिलाफ एफआईआर और कानूनी मामले वापस लेने की दो मांगों पर सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ही समाधान: दीपके

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष अभिजीत दीपके ने कहा, हमें केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे से कम कुछ भी मंजूर नहीं है। विरोध बंद नहीं किया जाएगा। यह विरोध देश के युवाओं का है और यह किसी सोनम वांगचुक या दीपके तक सीमित नहीं है। यह विरोध देश के युवाओं का है, विपक्षी दलों का नहीं। अगर सरकार विरोध का समाधान चाहती है, तो यह केवल धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा है। मुझे लगता है कि सरकार ने सोनम वांगचुक को हिरासत में रखा था। जेपी नड्डा उनसे मिल सकते थे, लेकिन कोई भी विपक्षी सांसद उनसे नहीं मिल सका। यहां तक कि हम भी उनसे नहीं मिल सके। मुझे बहुत खुशी है कि सोनम सर ने अपनी भूख हड़ताल खत्म कर दी है।

नहीं ठुकराई सीजेपी की याचिका: सीजेआई

चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सूर्यकांत ने शुक्रवार को कहा कि उन्होंने कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान लाठीचार्ज से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार नहीं किया था। उन्होंने साफ किया कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में कोई रिट याचिका दाखिल नहीं हुई थी। साथ ही उन्होंने उन मीडिया रिपोर्टों को गैर जिम्मेदार रिपोर्टिंग बताया, जिनमें दावा किया गया था कि सीजेपी के प्रदर्शन के दौरान कथित पुलिस ज्यादती से जुड़े मामले की सुनवाई से उन्होंने इनकार कर दिया था। उन्होंने कहा- मीडिया ने गलत रिपोर्ट किया कि मैंने मामले को सूचीबद्ध करने से इनकार कर दिया। पिछले दो दिनों से पूरी तरह गलत बात कही जा रही है कि मामला दाखिल किया गया था। जबकि एक भी पन्ना दाखिल नहीं हुआ था।

एनटीए के 47 अफसर बर्खास्त

नीट पेपर लीक पर सरकार की सबसे बड़ी सर्जिकल स्ट्राइक

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 47 अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह खबर दी। बर्खास्त अधिकारियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक यह कदम एनटीए में बड़े पैमाने पर हो रहे बदलाव के तहत उठाया गया है। एनटीए में सुधार के लिए जल्द ही और एक्शन लिए जाएंगे। एक दिन पहले सरकार ने गुरुवार को शिक्षा मंत्रालय के दो सचिवों को बदला था। पेपर लीक मामले में एनटीए की तरफ से अधिकारियों को हटाने की यह कार्रवाई पीएम मोदी के वीडियो मैसेज के 20 घंटे के अंदर की गई। दरअसल पीएम ने गुरुवार की रात 12 बजे के आसपास ढाई मिनट का वीडियो संदेश जारी किया था। शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि आने वाले दिनों में एजेंसी में सुधार से जुड़े और भी कई अहम कदम उठाए जाएंगे। गौरतलब है कि हाल के समय में पेपर लीक और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के आरोपों को लेकर एनटीए लगातार विवादों में रही है। ऐसे में एजेंसी के ढांचे और कार्यप्रणाली में व्यापक बदलाव की प्रक्रिया शुरू की गई है। शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, यह कार्रवाई एनटीए के संपूर्ण पुनर्गठन (ओवरहॉल) की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, ताकि परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी, विश्वसनीय और जवाबदेह बनाया जा सके।

पारदर्शिता और सुरक्षा पर रहेगा जोर

सूत्रों के अनुसार, सरकार के इस एक्शन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाना, पेपर लीक जैसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाना और उम्मीदवारों का भरोसा बहाल करना है। इसके तहत परीक्षा संचालन, प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, निगरानी व्यवस्था और जवाबदेही से जुड़े कई नए प्रावधान भी सामने आ सकते हैं। सरकार का मानना है कि मजबूत व्यवस्था के जरिए भविष्य में किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

टैक्सी पर टूटा पहाड़ 13 लोगों की मौत

उदयपुर। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में शुक्रवार को बड़ा हादसा हो गया। उदयपुर-किलाड़ सड़क मार्ग पर कडू नाला के पास अचानक पहाड़ी दरकने से कुल्लू से पांगी जा रही एक टैक्सी टाटा सूमो (एचपी-01एम-2210) मलबे में दब गई। हादसे में कुल 13 लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधीक्षक लाहौल स्पीति शिवानी मेहला ने इसकी पुष्टि की है। हादसे की सूचना मिलते ही तिंदी पुलिस, स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मौके के लिए रवाना हो गए। राहत एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार उदयपुर-किलाड़ सड़क मार्ग एक दिन पहले भूस्खलन के कारण बंद था। इसी वजह से टैक्सी में सवार सभी यात्री तिंदी में रुके हुए थे। शुक्रवार को सड़क बहाल होने के बाद वाहन पांगी की ओर रवाना हुआ, लेकिन कडू नाला के पास अचानक पहाड़ी का बड़ा हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा और टैक्सी उसकी चपेट में आ गई। हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने हादसे पर शोक जताया। उन्होंने ट्वीट किया, 'पांगी और लाहौल-स्पीति जिले के सीमावर्ती क्षेत्र कडू नाला में एक टाटा सूमो गाड़ी पर चट्टान गिरने से 13 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और दो लोगों के घायल होने का समाचार सुनकर मन अत्यंत व्यथित है।

10 साल की सजा, 10 करोड़ जुर्माना

पेपर लीक संशोधन बिल को मोदी कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। नीट पेपर लीक के प्रदर्शन के बीच कैबिनेट बैठक ने पेपर लीक संशोधन बिल को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट बैठक में पब्लिक एग्जामिनेशंस (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 को और सख्त बनाने के प्रस्ताव पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी दी गई। सरकार अगले सप्ताह में मानसून सत्र के दौरान इस संशोधित विधेयक को संसद में पेश करने की तैयारी में है। इस बिल में पेपर लीक माफियाओं के खिलाफ कड़े प्रावधान होंगे। बिल में पेपर लीक के मामलों में 10 की सजा और 10 करोड़ के जुर्माना का प्रावधान होगा। पेपर लीक विवाद और प्रदर्शन के बीच पीएम मोदी ने गुरुवार आधी रात 12 बजे छात्रों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। वहीं यह भी एलान किया था कि पेपर लीक रोकने के लिए अगले हफ्ते संसद में नया बिल पेश किया जाएगा। इसे जल्द से जल्द पास कराने की कोशिश की जाएगी। देश में पहले ही से लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) अधिनियम, 2024 लागू है। इसमें पेपर लीक करने पर 3 से 5 साल जेल और 10 लाख तक जुर्माना, गिरोह शामिल होने पर 5 से 10 साल जेल और 1 करोड़ तक जुर्माना, एजेंसी दोषी होने पर 1 करोड़ जुर्माना, परीक्षा की पूरी लागत वसूली और अगले 4 साल परीक्षा कराने पर बैन का प्रावधान है। इस कानून के तहत अपराध गैर जमानती है।

हम सरकार के कदम की निगरानी करेंगे

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और एनटीए से मांगा जवाबी हलफनामा

नई दिल्ली

नीट-यूजी पेपर लीक के बाद सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को परीक्षा सुधारों को लागू करने की दिशा में हुई प्रगति पर विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि हलफनामे में यह बताया जाना चाहिए कि सुधारों को स्थायी व्यवस्था के रूप में लागू करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं। केवल अस्थायी उपायों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। कोर्ट ने प्रस्तावित संचालन बोर्ड, विशेषज्ञों की अगुवाई वाली इकाइयों, संबंधित पक्षों के नामांकन और उच्च स्तरीय समिति की 10 क्षेत्रों में दी गई सिफारिशों को लागू करने की जानकारी मांगी है। इन क्षेत्रों में डिजिटल ढांचा, सुरक्षा, शोध और विकास, पारदर्शिता, प्रशासन और मानव संसाधन जैसे विषय शामिल हैं। शीर्ष कोर्ट ने केंद्र से यह भी बताने को कहा कि सुरक्षा, निगरानी और सतर्कता के लिए नियुक्त किए गए नए अतिरिक्त महानिदेशकों की क्या भूमिका है और इस दिशा में अब तक कितनी प्रगति हुई है। पीठ ने परीक्षा प्रक्रिया के हर चरण में किए जा रहे सुधारों की स्थिति रिपोर्ट भी मांगी है। इसमें परीक्षा से पहले, परीक्षा के दौरान और परीक्षा के बाद की व्यवस्था शामिल है। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि राज्य और जिला अधिकारियों के साथ परीक्षा प्रणाली में सुधार, कई चरणों में परीक्षा कराने की व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों, प्रश्न पत्रों की तैयारी, छपाई और उन्हें पहुंचाने की प्रक्रिया में कितनी प्रगति हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने कंप्यूटर आधारित परीक्षा प्रणाली अपनाने के प्रस्ताव और डाटा सुरक्षा के लिए किए जाने वाले उपायों की जानकारी भी मांगी है। जस्टिस नरसिम्हा ने कहा कि पेपर लीक के बाद प्रश्न पत्रों की सुरक्षित पहुंच के लिए भारतीय वायुसेना की मदद लेना केवल एक अस्थायी कदम था और इसे स्थायी समाधान नहीं बनाया जा सकता।

हम पूरे साल निगरानी करेंगे

कोर्ट ने केंद्र से उम्मीदवारों की पहचान की पुष्टि के लिए डिजीयात्रा जैसी तकनीकों के इस्तेमाल के प्रस्ताव पर भी जवाब मांगा है। पीठ ने कहा कि केंद्र के हलफनामे में इन मुद्दों का जवाब नहीं दिया गया है। इसके बाद सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को भरोसा दिया कि सरकार की ओर से नया हलफनामा दाखिल किया जाएगा। कोर्ट ने कहा, हम इस पर करीब से नजर रखेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि व्यवस्था को संस्थागत रूप दिया जाए। हम पूरे साल इसकी निगरानी करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई सोमवार के लिए तय की है।

वीडियो वायरल करने पर रोक

चीफ जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने अदालत की लाइव स्ट्रीमिंग और कार्यवाही के वीडियो सोशल मीडिया पर गलत इस्तेमाल से जुड़ी याचिका पर केंद्र सरकार और अन्य पक्षों से जवाब मांगा है। पीठ ने कहा, इस अदालत के महासचिव या संबंधित हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल की पूर्व अनुमति के बिना न्यायिक कार्यवाही की ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग को सोशल मीडिया या अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करना, दोबारा पोस्ट करना और अपलोड करना प्रतिबंधित रहेगा।

पत्नी और सौतेली बेटी के हत्यारे को फांसी की सजा

न्यायालय ने माना जघन्य अपराध, 13 माह में आया फैसला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जिला कोर्ट ने दोहरे हत्याकांड में 13 माह के भीतर दोषी युवक को फांसी की सजा सुनाई है। घटना बरगी थाना क्षेत्र में 6 जून 2025 की रात हुई थी। आरोपी ने अपनी पत्नी और नाबालिग सौतेली बेटी की धारदार हथियार से हत्या कर दी थी। इस दोहरे हत्याकांड को कोर्ट ने शुक्रवार को जघन्य अपराध मानते हुए हत्यारे रामजी भूमिया को फांसी की सजा से दंडित किया। खास बात यह है कि इस मामले में महज 13 माह में ही फास्ट ट्रायल कोर्ट में सुनवाई पूरी हुई और इसके बाद आरोपी को सजा सुनाई गई। 6 जून 2025 को फरियादी आशीष भूमिया उर्फ आसिफ खान ने बरगी थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि वह अपने परिवार के साथ बसंत नगर, बरगी में रहता है। रामजी भूमिया शराब पीकर आए दिन उसकी मां राधा भूमिया उर्फ अंजुम बानो और बहन महक भूमिया के साथ मारपीट करता था। घटना वाले दिन उसने दोनों की

धारदार हथियार से हत्या कर दी। आशीष भूमिया ने पुलिस को बताया कि रामजी ने अंजुम बानो उर्फ राधा भूमिया से दूसरी शादी की थी। मां और बहन उसके साथ रहती थीं। 10 से 12 साल पहले पिता राशिद शाह ने मां को छोड़ दिया था। इसके बाद मां ने बरगी निवासी रामजी भूमिया से शादी कर ली थी और उसके साथ रह रही थीं।

बहन ने फोन कर भाई को बुलाया

6 जून 2025 की रात करीब 9:30 बजे वह बाजार में था। इसी दौरान बहन महक का फोन आया कि भैया, जल्दी घर आओ, मम्मी-पापा लड़ रहे हैं। तब वह घर पहुंचा तो देखा कि मम्मी और रामजी के बीच लड़ाई चल रही थी। दोनों को समझाने के बाद आशीष घर के बाहर आ गया। कुछ ही देर बाद फिर महक के चिल्लाने की आवाज आई। वह दौड़कर अंदर पहुंचा तो देखा कि मम्मी और महक दोनों खून से लथपथ पड़ी थीं। रामजी हाथ में बका लिए खड़ा था। उसे देखकर वह मौके से भाग गया। घटना में राधा भूमिया के कान, सिर और गले में गंभीर चोटें थीं, वहीं महक के सिर में भी गंभीर चोट लगी थी। दोनों की मौके पर ही मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने किया आरोपी को गिरफ्तार

सूचना मिलने के बाद बरगी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोहरे हत्याकांड का मामला दर्ज कर रामजी भूमिया को गिरफ्तार कर लिया। उसके खिलाफ धारा 103 और 109 के तहत मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया। दोहरे हत्याकांड की विवेचना निरीक्षक कमलेश चौरैया और जितेंद्र पाटकर और बरगी चौकी प्रभारी रही एसआई सरिता पटेल ने की। जिला अभियोजन अधिकारी अभिषेक दीक्षित के मार्गदर्शन में बबीता कुल्हारा ने कोर्ट में सतत पैरवी करते हुए आरोपी को फांसी की सजा देने की मांग की, जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

स्वच्छ जबलपुर के लिए बल्क वेस्ट जनरेटर की बढ़ेगी जवाबदेही

भंवरताल गार्डन स्थित संस्कृति थिएटर में कार्यशाला आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत नगर निगम द्वारा शुक्रवार को भंवरताल गार्डन स्थित संस्कृति थिएटर में बल्क वेस्ट जनरेटर के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार सहित होटल, अस्पताल, मैरिज गार्डन और आवासीय सोसायटियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

स्वच्छता में जनभागीदारी जरूरी- महापौर जगत बहादुर सिंह ने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता सबसे महत्वपूर्ण है। जबलपुर जैसे बड़े शहर को स्वच्छ बनाए रखने में केवल नगर निगम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक और संस्थान की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नए नियमों के तहत बड़े कचरा उत्पादकों को अपने परिसर में कचरा प्रबंधन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और वर्षा जल संचयन जैसी व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके से कचरे के निस्तारण से ऊर्जा उत्पादन भी संभव है और शहर को लंबे समय तक कचरा निस्तारण की समस्या से राहत मिलेगी।

पंजीयन अनिवार्य, उल्लंघन पर होगी कार्रवाई- कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कहा कि 1 अप्रैल 2026 से लागू ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमों के तहत सभी बल्क वेस्ट जनरेटर के लिए ऑनलाइन पंजीयन अनिवार्य है। उन्होंने होटल, अस्पताल और अन्य संस्थानों से कचरे का स्रोत पर पृथक्करण, प्लास्टिक का कम उपयोग, रीयूज एवं रीसाइक्लिंग को बढ़ावा देने और जल संरक्षण अपनाने की अपील की। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि नियमों के अनुसार गीले, सूखे, सैनिटरी और घरेलू हानिकारक कचरे का अलग-अलग प्रबंधन करना होगा। उन्होंने कहा कि नियमों का पालन नहीं करने वालों के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी। कार्यशाला में सभी संबंधित संस्थानों से केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पोर्टल पर शीघ्र पंजीयन कराने का भी आग्रह किया गया।

पौधरोपण और ग्रीन टिफिन के साथ मनाया ग्रीन डे

एच.सी.ए. जोंसगंज स्कूल में नन्हे विद्यार्थियों ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, जोंसगंज में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक ग्रीन डे मनाया। इस अवसर पर बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया तथा हरियाली और प्रकृति के प्रति अपने प्रेम को अनूठे अंदाज में प्रस्तुत किया। विद्यार्थी हरे रंग की वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे और ग्रीन थीम पर आधारित पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक टिफिन लेकर आए, जिनमें हरी सब्जियां, फल एवं अन्य पौष्टिक खाद्य पदार्थ शामिल थे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों ने बच्चों को पेड़ों के महत्व, स्वच्छ पर्यावरण और हरियाली बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने की प्रेरणा दी।

बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेशों वाले आकर्षक पोस्टर भी प्रदर्शित किए और प्रकृति को बचाने का संकल्प लिया।

सामाजिक जिम्मेदारी जरूरी- विद्यालय की प्राचार्य अर्चना गुप्ता ने कहा कि शाला में ऐसे आयोजन बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता, स्वस्थ जीवनशैली और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं। शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों से अपने जीवन में अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प दिलाया। ग्रीन डे का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जागरूक बनाते हुए हरित एवं स्वच्छ भविष्य के निर्माण के लिए प्रेरित करना रहा। इस मौके पर उप प्राचार्य उम्मुल वरा सहित समस्त शिक्षिक, शिक्षिकाएं और स्टुडेंट्स उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के साथ संवाद और जन जागरूकता रैली का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र-शहपुरा के अंतर्गत राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एवं नशा-मुक्ति अभियान के तहत एक विशेष स्वास्थ्य शिविर तथा जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह पूरा आयोजन एसडीएम एम. एम. रघुवंशी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अभियान के दौरान स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टरों और अधिकारियों ने नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके साथ ही आम जनता को जागरूक करने के उद्देश्य से क्षेत्र में एक भव्य जन जागरूकता रैली भी निकाली गई इस अवसर पर जिला स्तर से आए नोडल अधिकारी डॉ. विद्यारतन वरकडे, सीबीएमओ डॉ. सी. के. अतरौलिया तथा ब्लॉक टीम से डॉ. अमित जैन, डॉ. पम्मी भदोरिया, बी. एस. चौहान और संतोष डहरिया समेत स्वास्थ्य विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अधिकारियों ने सभी से नशे से दूर रहने और एक स्वस्थ समाज के निर्माण में अपनी भूमिका निभाने की अपील की।

कांग्रेस जमीनी स्तर पर जनता और आदिवासियों के हक की लड़ेगी लड़ाई

आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कई मुद्दों पर सरकार को घेरा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ऑल इंडिया आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया ने देश के वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पर गहरा चिंता व्यक्त करते हुए बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज देश में जो परिस्थितियां बन चुकी हैं, उसमें आगामी लड़ाई महज किसी चुनाव में हार या जीत की नहीं है, बल्कि यह लड़ाई हमारे देश के संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष और विधायक विक्रांत भूरिया शहर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ कॉग्रेस के जिलाध्यक्ष सौरव नाटी शर्मा भी विशेष रूप से मौजूद रहे। पत्रकार वार्ता के दौरान विक्रांत भूरिया ने मुख्य रूप से संविधान की रक्षा और राज्यसभा चुनाव में मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को असंवैधानिक तरीके से निरस्त किए जाने के गंभीर मुद्दे को जोरशोर से उठाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले को लेकर जबलपुर हाईकोर्ट में व्यक्तिगत रूप से एक स्वतंत्र इलेक्शन पिटीशन दायर की गई है जिसे अदालत द्वारा स्वीकार भी कर लिया गया है। इसके अलावा उन्होंने केन-बेतवा जल परियोजना के सर्वे में भारी खामियों, विस्थापितों को मुआवजा न मिलने, ग्राम सभाओं की अनुमति के बिना कार्य होने और फर्जी अंगूठा निशान लगाने

जैसे संगीन मामलों पर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने दो टूक कहा कि यह लड़ाई सिर्फ एक चुनाव की नहीं बल्कि पूरे देश में लोकतंत्र और जनता के अधिकारों को बचाने की एक बहुत लंबी लड़ाई है जिसे हर स्तर पर लड़ा जाएगा। विक्रांत भूरिया ने चर्चा करते हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान मीनाक्षी नटराजन के नामांकन को पूरी तरह से असंवैधानिक तरीके से खारिज किए जाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि निर्वाचन प्रक्रिया में इस प्रकार की मनमानी लोकतांत्रिक व्यवस्था की जड़ों पर सीधा हमला है। इस अन्याय के खिलाफ कानूनी और संवैधानिक उपाय अपनाते हुए जबलपुर हाईकोर्ट में व्यक्तिगत रूप से एक स्वतंत्र इलेक्शन पिटीशन दाखिल कर दी गई है जिस पर अदालत ने सुनवाई के लिए सहमति दे दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि न्यायपालिका के माध्यम से इस मामले में सच्चाई सामने आएगी और लोकतंत्र के साथ होने वाले खिलवाड़ का पर्दाफाश होगा।

मासिक बैठक में लाभार्थियों के हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर गहन मंथन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

केंद्रीय सरकारी स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) की मासिक सलाहकार समिति की बैठक में लाभार्थियों की सुविधाओं, चिकित्सा व्यवस्था तथा दवा उपलब्धता से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर 4 डिस्पेंसरी के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ आर पी रावत से विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में विभिन्न संगठनों के सलाहकार प्रतिनिधि सुरेश चंद तिवारी, मृगेंद नारायण सिंह, गुरमुख दास तलरेजा,अनिल शुक्ला, नरेंद्र कोचर, श्रीप्रसाद उपाध्याय, राजेश सोनी, एस बोस,कंधी लाल विश्वकर्मा ने बताया कि आयुर्वेदिक उपचार हेतु पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार अधिकृत संस्थान है, किंतु उपचार पूर्णत: कैशलेस नहीं होने के कारण कुछ मदों में लाभार्थियों को स्वयं राशि का भुगतान करना पड़ता है। प्रतिनिधियों ने इस व्यवस्था को पूर्णत: कैशलेस बनाए जाने या भुगतान राशि का रियम्बर्समेंट करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया, जिससे पेंशनभोगियों एवं वरिष्ठ नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ न पड़े। सुरेश चंद तिवारी ने

बताया कि बाजार में फर्जी दवाओं की बढ़ती आशंकाओं को देखते हुए दवाओं के प्रमाणीकरण एवं गुणवत्ता की नियमित जांच पर विशेष जोर दिया, ताकि मरीजों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण औषधियां मिल सकें। इस पर डॉ आर पी रावत ने कहा कि यह गम्भीर विषय जबलपुर मुख्यालय प्रमुख डॉ ए के सुधांशु, अपर निदेशक के संज्ञान में लाया जाएगा। लाभार्थियों की सुविधा के लिए चिकित्सकों द्वारा आवश्यकता के अनुसार दो से तीन माह तक की दवाएं उपलब्ध कराए जाने के निर्णय की सभी ने सराहना की ।

भक्ति, संगीत और रामनाम के बीच संपन्न हुई श्रीराम कथा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गुप्त नवरात्र में सार्वजनिक श्री दुर्गा हनुमान मंदिर सरस्वती कॉलोनी में चल रही श्रीराम कथा के विश्राम दिवस पर पूज्या किशोरी साक्षी दीदी ने भगवान की अमृतमयी कथा को श्रवण पान कराते हुए बताया कि शबरी का प्रेम पाकर भगवान श्री राम अपने भाई लक्ष्मण के साथ ऋष्यमूक पर्वत पर पहुंचे। जहां हनुमान जी ने सुग्रीव और भगवान की मित्रता कराई सुंदरकांड का प्रवचन दीदी ने बड़े ही रोचक रूप में प्रस्तुत किया। जिसे सुनकर श्रोता आनंद में डूब गए। कथा को आगे बढ़ाते हुए दीदी ने बताया कि भगवान श्रीराम ने रावण का वध करके अधर्म पर धर्म की विजय,असत्य पर सत्य की विजय को रेखांकित किया है दीदी ने कहा कि रामकथा केवल सुनने के लिए नहीं , बल्कि जीवन में उतारने के लिए है । यदि हर व्यक्ति प्रभु राम के आदर्शों,उनके त्याग और मर्यादा को अपने आचरण में अपना ले,तो समाज से सभी बुराइयों का अंत हो जाएगा। दीदी ने कहा जब भगवान अपने 14 वर्ष के वन की यात्रा को पूरी करके अयोध्या वापस लौटे तो सभी अयोध्या वासियों ने घर घर दीप जलाएं,रंगोली डाली और खूब आनंद किया,कथा के माध्यम से राज्याभिषेक के प्रसंग के दौरान सभी भक्तों ने जय श्रीराम और राजा श्रीरामचंद्र भगवान की जय के जयकारे लगाए जिससे पूरा मंदिर प्रांगण आनंद में झूम उठा। कथा के यजमान श्री दुर्गा हनुमान मंदिर के अध्यक्ष देवेंद्र नेमा ने सपत्नी सरिता नेमा के साथ यजमान रूप में कथा का श्रवण पान कर पुण्यलाभ प्राप्त किया साथ ही मंदिर समिति की ओर से सभी भक्तों के लिए परमात्मा से आनंदमय जीवन के लिए प्रार्थना की। दीदी ने कथा के विश्राम पर सभी का धन्यवाद करते हुए कहा कि उन्हें सभी कथाओं का संगीत का अध्ययन उनके परम पूज्य पं.राजेश गुरुजी के सानिध्य में प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर पं.वसुदेव शास्त्री,रघुराज सिंह ठाकुर,पं.वीरेंद्र दुबे, ई.राजेंद्र नेमा,नरेंद्र साहू,मोहित तिवारी,राजेंद्र ब्यौहार,उर्मिला अग्रवाल,साधना साहू,सावित्री शुक्ला,प्रभा शर्मा,संगीता ब्यौहार,श्वेता गुप्ता,आदि अनेक मातृ शक्ति भक्तजन उपस्थित रहे।

गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए प्रभावी संचार और सहानुभूति अनिवार्य

जिनसार में गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए संचार दक्षता पर विशेषज्ञ व्याख्यान संपन्न

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

जबलपुर इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंसेज़ एंड रिसर्च द्वारा शुक्रवार को मानव मूल्य विकास कार्यक्रम के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण रोगी देखभाल के लिए संचार दक्षता विषय पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 3 बजे संस्थान के सभागार में किया गया, जिसमें बी.एससी. नर्सिंग के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता कर्नल अनिला एस., प्रिंसिपल मैट्रन, मिलिट्री हॉस्पिटल, जबलपुर थीं।

उन्होंने बेहतर समझ, सशक्त संबंध एवं सुरक्षित रोगी देखभाल के लिए प्रभावी संचार कौशल विषय पर व्याख्यान देते हुए बताया कि गुणवत्तापूर्ण नर्सिंग सेवाओं के लिए प्रभावी संवाद, सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार तथा सक्रिय श्रवण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावी संचार न केवल रोगी एवं नर्स के बीच विश्वास स्थापित करता है, बल्कि रोगी सुरक्षा, उपचार की गुणवत्ता तथा स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता को भी बढ़ाता है।

विशेषज्ञों ने दिए प्रश्नों के उत्तर

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में रोगियों, उनके परिजनों एवं स्वास्थ्य टीम के साथ प्रभावी मौखिक, अमौखिक एवं लिखित संचार कौशल का विकास करना, सम्मानजनक एवं रोगी-केंद्रित संवाद के माध्यम से विश्वास एवं सहयोग की भावना विकसित करना, रोगियों की आवश्यकताओं एवं चिंताओं को सक्रिय रूप से सुनकर समझना तथा रोगी की समझ के अनुरूप चिकित्सा संबंधी जानकारी स्पष्ट एवं सरल भाषा में संप्रेषित करने की क्षमता विकसित करना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की तथा विशेषज्ञ से अपने प्रश्नों के उत्तर प्राप्त किए। यह व्याख्यान विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं व्यावसायिक दक्षता को सुदृढ़ करने में अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रभारी प्रो. डॉ. प्रिंसी शाजी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. डॉ. सुरभि केहरी (आईक्यूएसी) एवं सुश्री शुभांगी केवट, नर्सिंग ट्यूटर द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने रोगी देखभाल में प्रभावी संचार कौशल को अपनाने का संकल्प लिया।

संगीत शिक्षा: बच्चों के सर्वांगीण विकास की आधारशिला

कला मनुष्य के अंतर्मन की सहज अभिव्यक्ति है। गीत, संगीत, नृत्य, चित्रकला और अभिनय जैसे माध्यम न केवल रचनात्मकता को विकसित करते हैं, बल्कि मनोवैज्ञानिक दृष्टि से मानसिक एवं भावनात्मक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनमें संगीत का स्थान सबसे प्रभावशाली माना जाता है।

संगीत, जीवन की पहली सीख

संगीत का परिचय शिशु को जन्म के साथ ही मिल जाता है। मां की लोरी की मधुर स्वर-लहरियां बच्चे के मन और मस्तिष्क पर सकारात्मक प्रभाव डालती हैं। यही कारण है कि संगीत भावनात्मक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाता है।

अनुभव से मिली सीख

संगीत प्रशिक्षक के रूप में 20 वर्षों के अनुभव में विभिन्न आयु वर्ग तथा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों में भी संगीत के माध्यम से सकारात्मक व्यवहारिक परिवर्तन देखने को मिले। इससे स्पष्ट होता है कि संगीत केवल कला नहीं, बल्कि व्यक्तित्व विकास का प्रभावी साधन है।

आज के समय में संगीत शिक्षा का महत्व

बढ़ते तनाव, डिजिटल जीवनशैली और प्रतिस्पर्धा के दौर में संगीत शिक्षा बच्चों को मानसिक संतुलन, संवेदनशीलता और सकारात्मक सोच प्रदान करती है। इसलिए प्रत्येक बच्चे को किसी न किसी रूप में संगीत से अवश्य जोड़ना चाहिए, ताकि वह एक संतुलित, संस्कारित और आत्मविश्वासी नागरिक बन सके।

बच्चों के व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव

संगीत मस्तिष्क, चेतना और व्यवहार पर अनुकूल प्रभाव डालता है। नियमित संगीत प्रशिक्षण से बच्चों में एकाग्रता, स्मरण शक्ति, अनुशासन, आत्मविश्वास, धैर्य और समूह में कार्य करने की भावना विकसित होती है। यह उन्हें अपनी कमियों को स्वीकार कर निरंतर सुधार करने की प्रेरणा भी देता है।

डॉ. शिप्रा सुल्हेरे
संगीत अनुदेशक
संभागीय बाल भवन, जबलपुर

समय, जीवन की सबसे अनमोल पूंजी

समय मनुष्य के जीवन की सबसे अमूल्य संपत्ति है। धन, वस्तुएँ और अन्य साधन खो जाने पर पुनः प्राप्त किए जा सकते हैं, लेकिन बीता हुआ समय कभी वापस नहीं आता। इसलिए कहा जाता है कि समय का सदुपयोग ही सफलता की कुंजी है। जो व्यक्ति समय का सम्मान करता है, वही अपने जीवन में निरंतर प्रगति करते हुए अपने लक्ष्य तक पहुँचता है।

प्रकृति से समय की सीख

प्रकृति स्वयं हमें समय का महत्व सिखाती है। सूर्य प्रतिदिन निश्चित समय पर उदय और अस्त होता है। ऋतुओं का परिवर्तन भी समयानुसार होता है। यदि प्रकृति समय का पालन न करे, तो संपूर्ण जीवन-चक्र अस्त-व्यस्त हो जाए। यही कारण है कि मनुष्य को भी समय का पाबंद और अनुशासित होना चाहिए।

विद्यार्थी जीवन में समय का महत्व

विद्यार्थी जीवन में समय का विशेष महत्व है। नियमित अध्ययन, समय पर गृहकार्य तथा योजनाबद्ध परीक्षा-तैयारी से विद्यार्थी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। इसके विपरीत, जो विद्यार्थी समय को व्यर्थ गंवाते हैं, उन्हें भविष्य में कठिनाइयों और असफलताओं का सामना करना पड़ता है।

समय का संतुलित सदुपयोग

समय का सदुपयोग केवल पढ़ाई या कार्य तक ही सीमित नहीं है। हमें अपने स्वास्थ्य, व्यायाम, परिवार, विश्राम, आत्मविकास और सामाजिक दायित्वों के लिए भी उचित समय निकालना चाहिए। समय का संतुलित प्रबंधन जीवन को सुखी, स्वस्थ और सफल बनाता है।

उर्मिला विश्वकर्मा
शिक्षक
आदर्श हितकारिणी चिल्ड्रन एकेडमी, गोविंदगंज, जबलपुर।

बरसात में मक्के का ढोकला

मानसून का मौसम आते ही बाजारों में ताज़े मक्के की भरमार हो जाती है। ऐसे में मक्के से बनने वाले कई पारंपरिक व्यंजन घरों में तैयार किए जाते हैं। उन्हीं में से एक है मक्के का ढोकला। यह गुजरात के ढोकले से अलग होता है और मध्य भारत के कुछ क्षेत्रों में ताज़े मक्के के दानों या मक्के के आटे से बनाया जाता है। भाप में पकने के कारण यह हल्का, स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन माना जाता है।

सामग्री (4 लोगों के लिए)

- ताज़े मक्के के दाने, 2 कप (या 2 कप मक्के का आटा)
- सूजी आधा कप
- दही 1 कप
- अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट 1 बड़ा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- हल्दी आधा छोटा चम्मच
- चीनी 1 छोटा चम्मच (वैकल्पिक)
- बेकिंग सोडा या ईनो 1 छोटा चम्मच
- तेल 2 बड़े चम्मच

तड़के के लिए

- राई 1 छोटा चम्मच
- सफेद तिल 1 छोटा चम्मच
- हरी मिर्च 2 (लंबाई में कटी)
- करी पत्ते 8 से 10
- तेल 1 बड़ा चम्मच
- हरा धनिया और कसा हुआ नारियल, सजावट के लिए

बनाने की विधि

यदि ताज़े मक्के के दाने हैं, तो उन्हें हल्का पीसकर दरदरा पेस्ट बना लें। इसमें सूजी, दही, नमक, हल्दी, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट और थोड़ा पानी मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार करें। घोल को 15 से 20 मिनट ढककर रख दें। स्टीमर तैयार करें और ढोकला प्लेट को हल्का तेल लगाकर चिकना कर लें। घोल में अंत में ईनो डालें और तुरंत हल्के हाथ से मिलाएँ। मिश्रण को प्लेट में डालकर 20 से 25 मिनट तक भाप में पकाएँ। टूथपिक डालकर जाँच लें; यदि साफ निकले तो ढोकला तैयार है।

तड़के के लिए तेल गरम करें, राई, तिल, करी पत्ता और हरी मिर्च डालें। यह तड़का ढोकले पर डाल दें। हरे धनिये और कसे हुए नारियल से सजाकर हरी चटनी के साथ परोसें।

शेफटिप्स

- ताज़े और मीठे मक्के का उपयोग करें।
- ईनो डालने के बाद घोल को अधिक देर तक न रखें।
- स्टीमर पहले से गरम होना चाहिए।
- ढोकला ठंडा होने पर ही टुकड़ों में काटें, इससे वह टूटेगा नहीं।

मानसून के दौरान बच्चों को क्या पहनाएं?

अभिभावकों के लिए कपड़ों की आसान गाइड

भारत में मानसून अपने साथ बारिश की खुशियाँ और कुछ चुनौतियाँ भी लेकर आता है। गीले कपड़े, उमस और त्वचा संबंधी समस्याओं से बचाने के लिए बच्चों के कपड़ों का सही चुनाव बेहद जरूरी है। जून से सितंबर तक चलने वाले इस मौसम में हल्के, आरामदायक और जल्दी सूखने वाले कपड़े सबसे बेहतर रहते हैं।

बरसात के मौसम के लिए सबसे अच्छा कपड़ा- मानसून में सूती (कॉटन) कपड़े सबसे उपयुक्त माने जाते हैं। ये मुलायम, हवादार और पसीना सोखने वाले होते हैं, जिससे बच्चे पूरे दिन आरामदायक महसूस करते हैं। संवेदनशील त्वचा वाले बच्चों के लिए भी कॉटन बेहतर विकल्प है।

मानसून में बच्चों को क्या पहनाएं?

हल्के सूती टॉप और शर्ट

ढीले और हल्के सूती टॉप या शर्ट जल्दी सूखते हैं और हवा का अच्छा संचार बनाए रखते हैं, जिससे उमस कम महसूस होती है।

शॉर्ट्स, स्कर्ट और आरामदायक पैंट

लंबे और भारी कपड़ों की बजाय शॉर्ट्स, स्कर्ट या हल्की पैंट अधिक सुविधाजनक रहती हैं। ये जल्दी सूख जाती हैं और बच्चों को खेलने-कूदने में आसानी होती है।

आसानी से धुलने वाले कपड़े

मानसून में ऐसे कपड़े चुनें जिन्हें बार-बार धोना आसान हो और जो जल्दी सूख जाएँ। पहले से धुले, मुलायम और टिकाऊ कॉटन के कपड़े इस मौसम के लिए सबसे उपयोगी साबित होते हैं। मानसून में बच्चों के लिए ऐसे कपड़े चुनें जो हल्के, सूती, आरामदायक और जल्दी सूखने वाले हों। सही कपड़ों का चयन बच्चों को बारिश का आनंद लेने के साथ-साथ स्वस्थ और सुरक्षित भी रखता है।

जानिए भारत के फुटबॉल क्लबों की गौरवशाली गाथा

फीफा वर्ल्ड कप का रोमांच पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में ले लेता है। भारत भले ही अभी तक फीफा विश्व कप के मुख्य दौर में नहीं पहुंचा है, लेकिन देश में फुटबॉल के करोड़ों प्रशंसक हैं। इंडियन सुपर लीग और अन्य घरेलू प्रतियोगिताओं ने भारतीय क्लब फुटबॉल को नई पहचान दी है। भारत का फुटबॉल इतिहास भी काफी समृद्ध है और कई क्लब सौ साल से भी अधिक पुराने हैं।

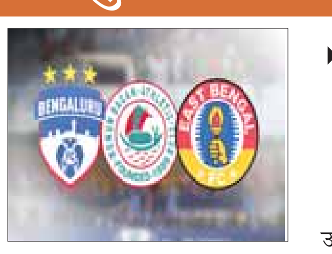

1. मोहन बागान सुपर जायंट

स्थापना- 1889
मुख्यालय- कोलकाता, पश्चिम बंगाल
उपनाम- द मैरिनर्स

मोहन बागान एशिया के सबसे पुराने फुटबॉल क्लबों में से एक है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि 1911 में आई, जब इसने ब्रिटिश सेना की ईस्ट यॉर्कशायर रेजिमेंट को हराकर आईएफए शील्ड जीता। यह जीत केवल खेल नहीं, बल्कि भारतीय आत्मसम्मान और स्वतंत्रता आंदोलन की भावना का भी प्रतीक बन गई।

पहचान
- हरे और मैरून रंग की जर्सी।
- लाखों समर्थक, विशेषकर पश्चिम बंगाल में।
- कोलकाता डर्बी का सबसे बड़ा प्रतिद्वंद्वी ईस्ट बंगाल।

2. ईस्ट बंगाल एफसी

स्थापना- 1920
मुख्यालय- कोलकाता

ईस्ट बंगाल क्लब की स्थापना उन लोगों ने की थी जिनकी जड़ें तत्कालीन पूर्वी बंगाल (अब बांग्लादेश) से जुड़ी थीं। यही कारण है कि यह क्लब बंगाल की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया।

पहचान
- लाल और पीले रंग की जर्सी।
- समर्थकों को रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड कहा जाता है।
- मोहन बागान के साथ इसकी प्रतिद्वंद्विता भारतीय फुटबॉल की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विताओं में गिनी जाती है।

3. बेंगलुरु एफसी

स्थापना- 2013

कम समय में यह भारत का सबसे सफल आधुनिक क्लब बन गया। क्लब ने आई-लीग और इंडियन सुपर लीग दोनों में सफलता हासिल की तथा एएफसी कप के फाइनल तक पहुँचने वाला पहला भारतीय क्लब बना।

पहचान
- नीला, लाल और सफेद रंग की जर्सी।
- मजबूत युवा अकादमी।
- अनुशासित और तेज़ खेल शैली।
- दक्षिण भारत में फुटबॉल को नई पहचान दिलाई।

शब्द पहेली - 8931

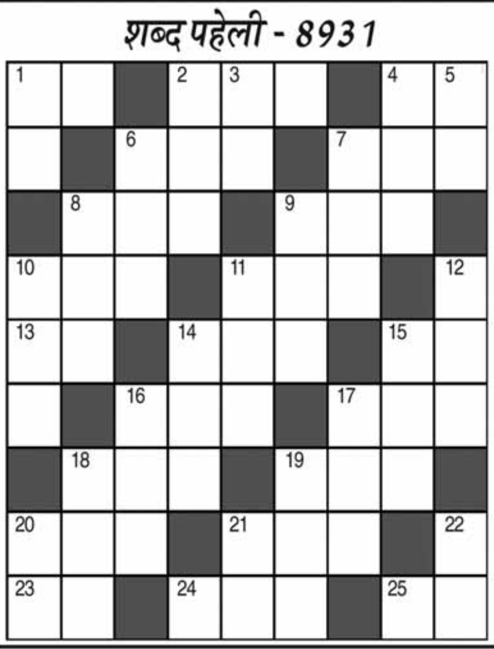

बाएँ से दाएँ

1.घ्राणेंद्रिय-2
2.लंबी गर्दन वाला पशु-3
4.आफ्त,मुसीबत-2
6.लाचार-3
7.आसरा,मदद-3
8.आश्रय,शरण-3
9.राज कपूर की पोती-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.दासत्व,गुलामी-3
13.आर्टिकल-2
14.इच्छा,लालसा-3
15.दुगना,दोगुना-2
16.भार-3
17.टेसू के फूल-3
18.राजा का भवन-3
19.चौकसी-2
20.प्रेमी,साजन-3
21.कैनाल,उपनदी-3
23.जीवन सत्व,प्राण-2
24.प्रहार,आक्रमण-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.अभिमान-2
2.मारना,वध करना-2
3.नृत्य,कृष्णलीला-2
4.अपव्यय करना-3
5.वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6.अज्ञात,अनाम-3
7.नदी,दरिया-3
8.जांच,परीक्षण-3
9.परीक्षा करना-3
10.जिगर-3
11.आंचल-3
12.नाश,विध्वंस-3
14.अंजन,नेत्रांजन-3
15.लाडला-3
16.शक,संदेह-3
17.तीन घंटे का समय-3
18.चिंतन-3
19.प्रथम-3
20.दंड,शिक्षा-2
21.आंशिक भीगा हुआ-2
22.प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8930 का हल

ह	क	■	सा	ग	र	■	म	जा
द	म	न	■	म	वा	ली	■	म
■	र	म	ल	■	ना	प	ना	■
स	■	क	ह	र	■	ना	का	म
ली	न	■	जा	त	क	■	रा	जा
का	र	क	■	न	ह	र	■	क
■	म	म	ता	■	वा	च	न	■
ना	■	ल	क	वा	■	ना	य	क
व	र	■	त	र	फ	■	न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

Under the aegis of Hitkarini Sabha
Nurturing Excellence in Education Since 1868
HITKARINI
CHILDREN'S ACADEMY
PRIMARY MIDDLE | HIGHER SECONDARY
English Medium Schools at Jabalpur
Educating Since 1868
From learning to PERFORMING our children excel in All Fields!
ADMISSION OPEN 2026-27

EXPERIENCED & DEDICATED FACULTY Nurturing Young Minds
MODERN INFRASTRUCTURE Learning with Innovation
FOCUS ON ACADEMICS, SPORTS, VALUES Shaping Future Leaders

JONESGANJ (Nursery to XII, Commerce) Phone: 0761- 4129816 Website: www.kchca.hitkarini.edu.in
GORAKHPUR (Nursery to IX) Phone: 0761- 4129812 Website: www.hssg.hitkarini.edu.in
DIXITPURA (Nursery to XII, Science / Commerce / Arts) Phone: 0761-4129808 Website: www.bmd.hitkarini.edu.in
GOVINDGANJ (Nursery to XII, Science / Commerce) Phone: 0761- 4129809 Website: www.hggs.hitkarini.edu.in
SAHAJPUR (Nursery to VIII) Mobile: 7389997882 Website: www.hcasahajpur.hitkarini.edu.in
DUMNA ROAD (Nursery to X) Mobile: 9755719306 Website: www.hcadumna.hitkarini.edu.in
DEVTAL, GARHA (Nursery to VIII) Phone: 0761- 4129814 Website: www.hgb.hitkarini.edu.in
B.T. TIRAHA, GARHA (Nursery to I) Phone: 0761- 4129811 Website: www.hgg.hitkarini.edu.in

Head Office
Jonesganj, Jabalpur (M.P.) 0761-2410270, 2410578
www.hitkarini.com sabha@hitkarini.com
Scan to know more about us

देवी तालाब मामले में एनजीटी सख्त..!

अवमानना याचिका पर कलेक्टर समेत अधिकारियों को नोटिस

बालाघाट(स्वतंत्र मत)

बालाघाट शहर के हृदयस्थल में स्थित शासकीय देवी तालाब को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त कराने के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) भोपाल ने आदेशों के कथित पालन नहीं होने पर सख्त रुख अपनाया है। एनजीटी ने अवमानना (निष्पादन) याचिका पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर बालाघाट मृणाल मीणा सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। इस कार्रवाई के बाद बालाघाट भी उन जिलों की सूची में शामिल हो गया है, जहां एनजीटी के आदेशों की अवमानना को लेकर न्यायाधिकरण ने संज्ञान लिया है।

जानकारी के अनुसार, बालाघाट निवासी द्वारका नाथ चौधरी एवं प्रदीप परांजपे द्वारा देवी तालाब को अतिक्रमण और प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए एनजीटी भोपाल में याचिका दायर की गई थी। इस मामले में एनजीटी ने 27 अप्रैल 2026 को अंतिम आदेश पारित करते हुए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों को वेटलैंड नियम, 2017 के तहत तालाब संरक्षण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि आदेश पारित होने के कई महीने बाद भी उसका प्रभावी पालन नहीं किया गया, जिसके चलते उन्हें न्यायाधिकरण में अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी।याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर निष्पादन याचिका क्रमांक 13/2026 पर 24 जुलाई 2026 को सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान एनजीटी ने सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी करते हुए छह सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मामले में याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता धरमवीर शर्मा ने पैरवी की। अवमानना याचिका में प्रमुख सचिव, वन मंत्रालय भोपाल, कलेक्टर बालाघाट, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बालाघाट, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगरपालिका परिषद बालाघाट तथा संभागीय अधिकारी, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, जबलपुर को प्रतिवादी बनाया गया है। एनजीटी के अंतिम आदेशों में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया था कि जिला प्रशासन वेटलैंड नियम, 2017 की धारा-4 का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे। इसके तहत तालाब का सीमांकन, बाड़बंदी, सूचना एवं चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं तथा प्रतिबंधित क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को हटाया जाए। इसके अलावा नगरपालिका परिषद को समयबद्ध योजना बनाकर तालाब की सफाई, प्लास्टिक एवं ठोस कचरे की रोकथाम तथा वैज्ञानिक तरीके से खरपतवार हटाने के निर्देश दिए गए थे। वहीं वन विभाग और नगरपालिका को संयुक्त रूप से तालाब की परिधि में स्थानीय प्रजातियों के पौधों का सघन वृक्षारोपण करने तथा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को समय-समय पर जल गुणवत्ता की निगरानी करने के निर्देश भी दिए गए थे।

वेटलैंड नियम, 2017 की धारा-4 के अनुसार किसी भी तालाब या आर्द्रभूमि में मिट्टी, मुरुम अथवा ठोस अपशिष्ट डालकर उसे भरने का प्रयास अतिक्रमण की श्रेणी में आता है और ऐसे किसी भी गैर-आर्द्रभूमि उपयोग को प्रतिबंधित किया गया है। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि देवी तालाब के जलीय क्षेत्र में किए गए ऐसे अतिक्रमण अब तक नहीं हटाए गए हैं।

याचिका में यह भी उल्लेख किया गया है कि कलेक्टर द्वारा कार्रवाई के लिए अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) को अधिकृत किया गया था, लेकिन राजस्व विभाग द्वारा तालाब क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इसके कारण नगरपालिका परिषद और वन विभाग भी एनजीटी के निर्देशानुसार आगे की संरक्षण संबंधी कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। मामले में वन विभाग की भूमिका का भी उल्लेख किया गया है। एनजीटी के निर्देशों के बाद 29 जून 2026 को उपवनमंडल अधिकारी और वन परिक्षेत्र अधिकारी ने नगरपालिका के अधिकारियों के साथ देवी तालाब का निरीक्षण किया था। इसके बाद 4 जुलाई 2026 को वन परिक्षेत्र अधिकारी ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी, एसडीएम और तहसीलदार को पत्र भेजकर राजस्व विभाग से तत्काल सीमांकन कराने तथा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने का अनुरोध किया था, ताकि तालाब अतिक्रमण मुक्त होने के बाद संयुक्त रूप से वृक्षारोपण की कार्ययोजना लागू की जा सके। हालांकि, याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इस पत्राचार के बावजूद राजस्व विभाग द्वारा अपेक्षित कार्रवाई नहीं की गई। अब एनजीटी द्वारा जारी नोटिस के बाद सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि संबंधित विभाग न्यायाधिकरण के समक्ष क्या जवाब प्रस्तुत करते हैं और देवी तालाब को अतिक्रमण एवं प्रदूषण से मुक्त कराने के लिए आगे क्या ठोस कदम उठाए जाते हैं। न्यायाधिकरण की आगामी सुनवाई में इस मामले की प्रगति पर महत्वपूर्ण निर्णय होने की संभावना है।

सीआईए किन्ही में आज गूंजेगा लोकतंत्र का उत्सव, छात्र चुनेंगे अपने हेड बॉय और हेड गर्ल

बालाघाट (स्वतंत्र मत)। जिले के खैरलांजी तहसील स्थित क्रिएटिव इंटरनेशनल एकेडमी (सीआईए), किन्ही में शनिवार, 25 जुलाई को लोकतंत्र का अनूठा उत्सव देखने को मिलेगा। विद्यालय में छात्र परिषद के हेड बॉय और हेड गर्ल पद के लिए पूरी तरह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव आयोजित किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को मतदान के महत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार नेतृत्व चयन की प्रक्रिया से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना है। विद्यालय के प्राचार्य तुलमोहन भोयर ने बताया कि यह चुनाव केवल छात्र नेताओं के चयन तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य के जागरूक और जिम्मेदार मतदाताओं के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल देश के मतदाता बनेंगे, इसलिए उन्हें अभी से निष्पक्ष चुनाव, मतदान की शक्ति और लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ देना आवश्यक है। विद्यालय में चुनाव की पूरी प्रक्रिया वास्तविक आम चुनावों की तर्ज पर आयोजित की जा रही है। इसमें उम्मीदवारों के नामांकन से लेकर चुनाव प्रचार और गुप्त मतदान (सीक्रेट बैलेट) तक सभी चरण शामिल हैं। छात्र-छात्राएं अपने मताधिकार का प्रयोग कर योग्य प्रतिनिधियों का चयन करेंगे। चुनाव को लेकर पूरे विद्यालय में उत्साह का माहौल है। छात्र अपने पसंदीदा उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार कर रहे हैं, वहीं शिक्षक निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने में जुटे हैं। मतदान संपन्न होने के बाद मतगणना कर परिणाम घोषित किए जाएंगे तथा विजेता हेड बॉय और हेड गर्ल को शपथ दिलाई जाएगी। विद्यालय प्रबंधन का मानना है कि इस तरह की गतिविधियां विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, जिम्मेदारी, अनुशासन और लोकतांत्रिक सोच विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर सर्व ब्राह्मण समाज ने किया माल्यार्पण, राष्ट्रसेवा का लिया संकल्प

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। अमर शहीद एवं महान क्रांतिकारी पंडित चंद्रशेखर आजाद (तिवारी) की जयंती के अवसर पर गुरुवार को हनुमान चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर सर्व ब्राह्मण समाज द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्व ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित राजेश पाठक के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों एवं विप्र बंधुओं ने माल्यार्पण कर आजाद के अद्वितीय साहस, राष्ट्रभक्ति और बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं थे, बल्कि वे भारतीय युवाओं के लिए साहस, स्वाभिमान और राष्ट्रप्रेम के प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए समर्पित कर दिया और अंतिम सांस तक अंग्रेजी हुकूमत के सामने झुकने के बजाय वीरगति को स्वीकार किया। उनका जीवन आज भी हर भारतीय को मातृभूमि के प्रति समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश देता है। इस अवसर पर वक्ताओं ने चंद्रशेखर आजाद के विचारों को याद करते हुए कहा कि उनका प्रसिद्ध कथन, मैं ऐसे धर्म को मानता हूँ जो स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे को सिखाता है, आज भी समाज को एकता, सामाजिक समरसता और राष्ट्रहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को आजाद के आदर्शों को अपनाकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी सदस्यों ने महान क्रांतिकारी के बताए मार्ग पर चलने तथा राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में आपसी सद्भाव, एकता और भाईचारे को मजबूत करने का संकल्प लिया।

कटंगी पुलिस की सराहनीय पहल : नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत जारी हुई सामाजिक लघु फिल्म

कटंगी (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा 15 से 30 जुलाई तक चलाए जा रहे विशेष नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत बालाघाट पुलिस एवं थाना कटंगी द्वारा नागरिकों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए निरंतर विशेष पहल की जा रही है। इसी क्रम में कटंगी पुलिस के मार्गदर्शन में स्थानीय कंटेंट क्रिएटर अविल भारद्वाज, गोल्डी हटवार एवं अनुराग धारवाल ने सामाजिक संदेश पर आधारित एक लघु फिल्म नशा ङ्क एक अंधा मोड़ पार्ट 2 का निर्माण किया है, जो नशे की लत से समाज पर पड़ने वाले गंभीर दुष्परिणामों को दर्शाते हुए नशामुक्त समाज का एक सशक्त संदेश देती है। इस सराहनीय पहल में माननीय एसडीओपी श्री विवेक कुमार, थाना प्रभारी श्री धर्मेंद्र कुशराम, शिवम बघेल, नीरज सनोडिया एवं थाना कटंगी का विशेष सहयोग रहा, जिसके लिए पूरी निर्माण टीम ने पुलिस प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। फिल्म में अविल भारद्वाज, गोल्डी हटवार, अनुराग धारवाल, मुस्कान तांबे, मिष्ठी, शिवम मिश्रा, प्रज्ज्वल, शशांक रामटेके, मिहिर, लक्ष्य, राजा एवं भाव्या बोथरा ने मुख्य भूमिकाएँ निभाई हैं। उपलब्ध इस फिल्म को अधिक से अधिक देखकर साझा करने तथा अभियान को सफल बनाने की अपील कटंगी पुलिस एवं पूरी टीम द्वारा की गई है।

आबादी भूमि की रजिस्ट्री पर नहीं लगेगा कर, लाखों परिवारों को मिलेगा उनका मालिकाना हक : गौरव सिंह पारधी

बालाघाट (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश विधानसभा में मध्यप्रदेश उपकर अधिनियम, 1981 में संशोधन पर चर्चा के दौरान कटंगी-खैरलांजी विधायक गौरव सिंह पारधी ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व वाली सरकार एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा का आभार व्यक्त किया और कहा की राज्य सरकार ग्रामीण परिवारों को उनकी आबादी की जमीन का कानूनी मालिकाना हक दिलाने का काम कर रही है। मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में मध्यप्रदेश उपकर अधिनियम, 1981 में संशोधन किया गया। इस संशोधन के तहत स्वामित्व योजना में ग्रामीण क्षेत्रों की आबादी की जमीन की रजिस्ट्री पर लगने वाला सेस (उपकर) पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। अब गांवों के लाखों परिवार बिना इस अतिरिक्त शुल्क के अपनी जमीन की रजिस्ट्री करा सकेंगे। इससे उन्हें आर्थिक राहत मिलेगी और अपनी भूमि का कानूनी मालिकाना हक प्राप्त करने का रास्ता भी आसान होगा। विधायक श्री पारधी ने बताया कि स्वामित्व योजना के तहत गांवों में लोगों को उनकी आबादी की जमीन की रजिस्ट्री कराई जा रही है। पहले इस रजिस्ट्री पर सेस (उपकर) देना पड़ता था, लेकिन अब सरकार ने इसे पूरी तरह खत्म कर दिया है। इससे

ग्रामीण परिवारों को सीधा आर्थिक लाभ मिलेगा और वे बिना अतिरिक्त बोझ के अपनी जमीन की रजिस्ट्री करा सकेंगे। उन्होंने कहा कि जिन परिवारों के पास वर्षों से जमीन थी, लेकिन उसके वैध दस्तावेज नहीं थे, उन्हें अब कानूनी स्वामित्व मिलेगा। इससे भविष्य में जमीन से जुड़े विवाद कम होंगे और ग्रामीणों को अपनी संपत्ति पर पूरा अधिकार मिलेगा। उन्होंने सभी ग्रामीण नागरिकों को इस महत्वपूर्ण फैसले पर बधाई देते हुए कहा कि सरकार गांव के लोगों के जीवन को आसान और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार काम कर रही है।

प्रभारी मंत्री ने जिला स्तरीय समितियों बोर्ड में किया अशासकीय सदस्य नामांकित

उमरिया (स्वतंत्र मत)

प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण एवं जिला प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने 9 विभागों में 17 अशासकीय सदस्यों को नमांकित किया है। जारी आदेश अनुसार उद्यानिकी विभाग में एकीकृत बागवानी विकास समिति के लिए अशोक तिवारी,जेल विभाग केन्द्रीय जेल में अशासकीय संदर्शक समिति के लिए अरविंद बंसल, नारेंद्र गिरी गोस्वामी, बहादुर सिंह, राम सुशील मिश्रा, राजेन्द्र तिवारी, जेल विभाग में विजिटर बोर्ड समिति के लिए मिथिलेश मिश्रा, राजेश मिश्रा, रामनारायण पयासी, पुष्पेन्द्र गौतम, पशु चिकित्सा सेवा विभाग में जिला पशु रोगी कल्याण समिति के लिए अरविंद प्रसाद चतुर्वेदी, अमीश तिवारी, स्कूल शिक्षा विभाग में जिला स्तरीय नियुक्ति समिति के लिए अनुजा पटेल, ओम नारायण सिंह, ज्ञानेन्द्र शुक्ला, जिला स्तरीय अनुदान समिति के लिए उमेश मिश्रा, अर्जुन त्रिपाठी, विजय रजक, जिला स्तरीय निर्माण समिति के लिए विपिन विश्वकर्मा, आदित्य छादा, जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र में जिला स्तरीय टास्क

फोर्स प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत गठित् समिति के लिए बेला सिंह, सावित्री सिंह, सुश्री मीना सिंह शामिल है। इसी तरह लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग में रोगी कल्याण समिति के लिए मनीष सिंह, सरजू अग्रवाल, जिला टीवी फोरम के लिए सुमित गौतम, कैलाश व्दिवेदी, आदिम जाति कल्याण समिति में अनुसूचित जाति, जन जाति जिला स्तरीय सतर्कता एवं मानीटरिंग समिति के लिए मनोज सिंह, देवीदीन आमाडोगरी, नत्थू सिंह, पुरूर्षोत्तम कोल, लोकनाथ सिंह, रामा कोल, गोरे सिंह, ओमशंकर बैगा, जिला स्तरीय सतर्कता समिति के लिए विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह, विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग में जिला उपभोक्ता फोरम क्रमांक 1 के लिए सावित्री चौधरी, मीना सिंह, जिला उपभोक्ता क्रमांक 2 के लिए द्रोपती कोल, शैलेंद्र सिंह, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग में नगर स्तरीय समिति नगर पालिका के लिए केशव यादव, अतुल जैन, रानी बर्मन, शंकर बर्मन, धमेन्द्र गुप्ता, कपूरिया बाई, राकेश दर्दवंशी, आदि उपस्थित रहे।

पैरालीगत वालेटियर्स के दक्षता संवर्धन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

उमरिया (स्वतंत्र मत)

पैरालीगत वालेटियर्स के दक्षता संवर्धन हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में किया गया। प्रशिक्षण में पैरालीगल वालेंटियर्स स्वयं डिजिटली साक्षर करना, जरूरतमंद व्यक्तियो की मदद करना, उनके प्रकरणों की तारीख व स्तर देखना, अपने दस्तावेज या प्रतिलिपि ऑनलाईन कैसे लिए जाने के साथ ही साइबर फ्राड से बचने के संबंध में बताया गया। कार्यक्रम में मोहन डावर, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया, दीपक कुमार अग्रवाल, मुख्य न्यायाधीश मजिस्ट्रेट, श्रीमती वीणा खलको, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, आशीष धुर्वे, तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, शुभांशु सोनी, प्रशिक्षु न्यायाधीश, संदीप सिंह, साइबर सेल उमरिया, सुवेद जायसवाल,जूनियर सिस्टम एनालिस्ट जिला न्यायालय उमरिया, समस्त पैरा लीगल वालंटियर्स, पत्रकार बंधु, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उमरिया के कर्मचारीगण आदि उपस्थित रहे। उक्त कार्यक्रम की प्रथम पंक्ति में संदीप सिंह,

साइबर सेल उमरिया द्वारा सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000, आई टी एक्ट 2000 में सम्मिलित कुल 94 धारा, रेंस इंतम, पहचान की चोरी, मैलवेयर हमले, ऑनलाइन धोखाधड़ी एवं घोटाले के बारे में अपने वक्तव्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम की दूसरी पंक्ति में सुवेद जायसवाल, जूनियर सिस्टम एनालिस्ट जिला न्यायालय उमरिया द्वारा सीआईएस की उपयोगिता, सी आई एस सिस्टम संचालन, सीआईएस मानक, सर्वोत्तम कार्यप्रणाली एवं दिशा निर्देश, सीआईएस रक्षा, आव्रजन नीतियों, पर्यावरण संरक्षण और कानून प्रवर्तन से संबंधित नीतियां, सीआईएस के कार्य आदि के बारे में विस्तार से पैरालीगल वालंटियर्स को बताया गया।

कुएं में मिला युवक का शव

उमरिया

जिले के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मझगंवा में 22 वर्षीय युवक का शव कुएँ में मिला है घटना की जानकारी के बाद पुलिस और जाँच अधिकारी मौके पर पंहुचे। बताया गया है की मृतक बीते एक दिन से घर से लापता था जिसका आज गुरुवार को शव मिला है,इस मामले में परिजनों ने हत्या कर मृतक सिद्धार्थ मिश्रा पिता हरिहर प्रसाद मिश्रा उम्र 22 वर्ष का शव कुएँ में फेंके जाने का आरोप लगाया है हालांकि मौत की असल वजह पीएम रिपोर्ट और पुलिस की जाँच के बाद सामने आ सकेगा।

माय भारत की पहल....नशा मुक्त के विरूध्द जन जागरूकता के उद्देश्य से पत्रकारवार्ता आयोजित

उमरिया (स्वतंत्र मत)

देश मे युवाओं को रचनात्मक कार्यो से जोड़ने और उनके बीच मादक द्रव्यों के सेवन के विरूध्द जन जागरूकता फैलानें हेतु विकसित भारत के लिए नशा मुक्त राष्ट्रीय अभियान का क्रियान्वयन किया जा रहा है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय भारत सरकार के तत्वाधान में मेरा युवा भारत व्दारा जिले में 15 से 29 आयु वर्ग के युवाओं के लिए जिला स्तर पर 8 विधाओं में प्रतिस्पर्ध्दात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। गुरुवार 23 जुलाई को जिला युवा अधिकारी उमाशंकर त्रिवेदी ने जिला पंचायत में आयोजित पत्रकारवार्ता में बताया कि जिले के युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति व्यापक सोच विकसित करनें और इस अभियान को बड़े आंदोलन का रूप देने के लिए सभी

की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने बताया कि 24 जुलाई को जिला स्तर पर 8 विधाओ में प्रतिस्पार्धात्मक गतिविधियों का आयोजन होगा। पीएमश्री रणविजय प्रताप सिंह महाविद्यालय में सुबह 11 बजे से प्रतियोगिताएं आयोजित होगी । इस दौरान पोर्टल इंट्री, चित्रकला, वाद विवाद, संगीत, नृत्य, नुक्कड नाटक, मूक अभिनय, काव्य पाठ तथा पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम होगा। जिला स्तरीय विजेताओं में प्रथम, व्दितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा। जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए नामित होंगे तथा उन्हें राष्ट्रीय युवा कान्क्लेव नई दिल्ली मे भाग लेने का ऐतिहासिक अवसर भी प्राप्त हो सकता है। उन्होने बताया कि 28 जुलाई से 5 अगस्त तक राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं, राज्य जूरी व्दारा विजेताओ का चयन, 2 अगस्त को प्रधानमंत्री जी का राष्ट्र के नाम संदेश एवं नशा मुक्ति संकल्प तथा 14 अगस्त को नई दिल्ली मे राष्ट्रीय नशा मुक्त युवा सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

जिला शिक्षा अधिकारी ने अमरपुर एवं भरेवा विद्यालयों का किया निरीक्षण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले के शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय अमरपुर एवं शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भरेवा का जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के नामांकन की स्थिति, पाठ्यपुस्तकों के वितरण, साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति योजना के क्रियान्वयन, शिक्षकों की दैनिक डायरी के संधारण तथा संचालित शैक्षणिक गतिविधियों का विस्तार से अवलोकन किया गया। उन्होंने कक्षाओं में पहुंचकर शिक्षण व्यवस्था का जायजा लिया तथा विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी अध्ययन संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। जिला शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय के समस्त शिक्षकों

को निर्देशित किया कि शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को समय पर पाठ्यपुस्तक साइकिल एवं छात्रवृत्ति का लाभ उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने दैनिक डायरी का नियमित एवं व्यवस्थित संधारण करने, शिक्षण कार्य को रुचिकर एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने तथा विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता में निरंतर सुधार लाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए अभिभावकों से सतत संपर्क बनाए रखें तथा बेहतर परीक्षा परिणाम प्राप्त करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से अध्ययन-अध्यापन कराया जाए। साथ ही शासन द्वारा जारी सभी निर्देशों का पूर्ण पालन करते हुए विद्यालयों में अनुशासित, गुणवत्तापूर्ण एवं छात्र-केंद्रित शैक्षणिक वातावरण विकसित करने के निर्देश दिए।

सरकारी जमीन बेचने के लिए कई घरों के निस्तार का पानी दीवार खड़ा कर रोक दिया

उमरिया (स्वतंत्र मत)

प्रशासन चाहे अतिक्रमण रोकने के लाख दावे करे लेकिन धरातल पर इसके विपरीत ही दिख रहा है.! जिला मुख्यालय के नगर पालिका कार्यालय के सामने भटटी मोहल्ला फजीलगंज में 40 वर्षो से घरों के निस्तार का गंदा पानी बह रहा है जिसमे नाली निर्माण के लिए कई बार नगर पालिका में आवेदन दिया गया था और नगर पालिका द्वारा इसका मुआयना कर नाली निर्माण का अस्वाशन भी दिया गया लेकिन आज तक नाली निर्माण नही हुआ जिससे भूमाफियाओं की नजर बराबर इस शासकीय जमीन पर गड़ी हुई है और कई बार इस जमीन पर कब्जा करने की कोशिश भी की गई लेकिन जिन घरों के निस्तार का पानी कई वर्षों से जा रहा था उनके विरोध के कारण असफल हुए। इस बार फिर से प्रयास कर बगल में रह रहे भूरा कुशवाहा ने पुराना पड़ाव निवासी किसी सिंधी को लाखो रुपये में बेच दी और बहने बाले पानी को दीवाल खड़ा कर बंद कर दिया जिससे कई घरों का बहने वाला गंदा पानी एकत्रित हो गया और उससे बदबू मार रहा है और मच्छर पैदा हो रहे हैं जो कई बीमारियों को ला रहा है और जब इसे रोकने से मना किया गया तो भूरा कुशवाहा द्वारा गाली गलौज और मारपीट की धमकी

दी जा रही हैं। 40 वर्षो से अधिक समय से कई घरों का गंदा पानी उतार होने के कारण जाकर पास के नाले में समा जाता है। बरसात का समय चल रहा है घरों के निस्तार के पानी के साथ साथ बरसात का भी पानी इसी रास्ते से नाले तक जाता है लेकिन सरकारी जमीन को अपनी बपौती समझने वाले इसे बेच दिया और कई घरों का गंदा पानी रोक दिया। प्रशासन जल्द ही इसका निराकरण कर अवैध कब्जे को हटाए और सरकारी जमीन को कब्जा से मुक्त कराकर इसे बेचने और खरीदने वालों पर अर्थदंड लगाये। वही यदि किसी सरकारी जमीन को बेचने या कब्जा दिलाने के लिए 40 वर्षों से कई घरों का निस्तार (बरसाती या घरेलू निकासी) का पानी दीवार बनाकर रोक दिया गया है, तो यह गंभीर प्रशासनिक और कानूनी मुद्दा हो सकता है। यदि इससे जलभराव, आवागमन में बाधा या संपत्ति को नुकसान हो रहा है।

किसी ने खींचा रथ तो किसी लगाई झाडू, पुष्पवर्षा के साथ भव्य स्वागत

भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा में उमड़ा जनसैलाब

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

24 जुलाई को मंडला में भगवान जगन्नाथ स्वामी की रथ यात्रा भव्यता से निकाली गई। अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ(इस्कॉन) के द्वारा आयोजित इस रथ यात्रा में सैकड़ो की संख्या में धर्मप्रेमियों ने शामिल होकर भगवान जगन्नाथ स्वामी का रथ खींचा और नगर भ्रमण कराया। रथ यात्रा के पूर्व

सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान जगन्नाथ भगवान बलदेव, बहन सुभद्रा की विधि विधान से स्थापना की गई और यहां पर महाआरती के साथ भगवान जगन्नाथ स्वामी को 56 भोग अर्पण किए गए। मातृशक्तियों ने विभिन्न प्रकार के पकवान मिष्ठान तैयार किए और भगवान जगन्नाथ स्वामी को अर्पित किए। इस दौरान हरे कृष्णा राधे कृष्णा के भजन के साथ धर्मप्रेमियों ने भगवान जगन्नाथ स्वामी से अपने दुख हरने की कामना मांगी और भगवान जगन्नाथ स्वामी को रथ में विराजमान कराया गया। प्रेम अवतार दास स्वामी जी ने विधि विधान से पूजन करते हुए महाआरती की वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, वरिष्ठ समाजसेवी गणेश जसवानी, सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल, वरिष्ठ भाजपा नेता विनय मिश्रा और सामाजिक कार्यकर्ता सुधीर कांसकार, उमाशंकर गुड्डू सिंधिया ने नारियल कपूर से पूजन कर नालियल फोड़कर रथ की डोर खेंची जैसे ही रथ आगे बढ़ा तो पुष्पवर्षा के साथ रिमझिम फूहार से भक्तीमय वातावरण बना और जय जगन्नाथ के जयघोष से पूरा नगर गूंज उठा। रथ यात्रा उदय चौंक बड़ चौराहा, चिलमन चौंक, बस स्टैंड, लालीपुर, बिंझिया, नेहरू स्मारक, बैगाबैगी चौक से कलेक्ट्रेट होते हुए कार्यक्रम स्थल इस्कॉन सेंटर जगन्नाथ हाई स्कूल के सामने पहुंची जहां पर पूजन पाठ के साथ महाप्रसादी का वितरण हुआ। रथ महोत्सव में नगर के विभिन्न स्थानो में सामाजिक संगठनों के द्वारा स्वागत किया गया और धर्मप्रेमियो ने भगवान जगन्नाथ स्वामी की जगह-जगह आरती करते हुए जयघोष के साथ जय जगन्नाथ के नारे लगाए। इस्कॉन उज्जैन के चेयरमैन एवं दीक्षा गुरु पूज्य श्रीमद भक्तिप्रेम स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में इस वर्ष मध्यप्रदेश के लगभग 70 स्थानों पर भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की रथयात्रा का आयोजन किया गया है। प्रेम अवतार दास स्वामी जी ने बताया कि अन्तर्राष्ट्रीय कृष्णाभावनामृत संघ इस्कॉन के तत्वाधान में आयोजित की गई है। वहीं मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग एवं श्रीकृष्ण पाथेन्यास एवं महाराजा विक्रमादित्य शोध पीठ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित है। इस रथयात्रा में भगवान जगन्नाथ जो कि भगवान कृष्ण हैं व उनके बड़े भाई बलभद्र जो बलराम जी हैं और बहन सुभद्रा जो कि अर्जुन की पत्नी हैं के साथ बड़े शान से सौंदर्य तरीके से सजाये गये सुसज्जित रथ के साथ मंडला के निवासियों पर अपनी कृपा कटाक्ष बरसाते हुए आए हैं।

शास्त्रों में कहा गया है कि भगवान के रथ-दर्शन से करोड़ों जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं और यह रथयात्रा उसी कृपा का विस्तार है। वरिष्ठ समाजसेवी गणेश जसवानी ने बताया कि यह दो किलोमीटर लंबी रथयात्रा दोपहर 2 बजे सराफा बाजार स्थित श्रीराम मंदिर से निकाली गई। मंडला की इस विशाल रथ यात्रा जो कि नगर में आकृर्षण और चर्चा का विषय बन गई जिसकी मुख्य वजह ऐसा रथ जो 15 फीट ऊंचा विशेष रथ जिसमें 10 फीट ऊंचा समायोज्य गुंबद भी रहा है। जो उज्जैन से मंडला लाया गया था। पूरे मार्ग में 20 से अधिक स्वागत स्थलों पर भगवान की आरती छप्पन भोग पुष्पमाला के साथ जोरदार स्वागत धर्मप्रेमी सामाजिक संगठनों ने किया। इस शोभायात्रा में विशेष आकर्षण के रूप में आदिवासी सांस्कृतिक दल शामिल रहा जिससे आदिवासी सांस्कृति की झलक दिखाई दी। बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। रथयात्रा में भक्तों की टोली ने पूरे मार्ग में हरिनाम संकीर्तन करती हुई वातावरण को भक्तिमय बना दिया। सामाजिक कार्यकर्ता नीरज अग्रवाल ने कहा कि रथ का खींचना जीवन की आध्यात्मिक यात्रा को दर्शाता है जो आत्मा को भौतिक बंधनों से मुक्त कर ईश्वर की ओर ले जाती है। सैकड़ो भक्तों का एक साथ रथ खींचना सामूहिक भक्ति, एकता, और सहयोग की शक्ति को प्रकट करता है। यह उत्सव विनम्रता का पाठ पढ़ाता है। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज फागवानी, अनिल वीरानी, सुरेन्द्र पमनानी, सुधीर कांसकार, गणेश जसवानी, कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ अशोक मर्सकोले, नगर पालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, भाजपा नेता पारस असरानी, राजेश क्षत्री, रोहित बघेल, मुकेश सोनी, अनमोल अग्रवाल, पार्षद सुधीर मिश्रा, सुनील मिश्रा, इन्द्रेश बब्बल खरया, रोचीराम गुरवानी, अंकित नामदेव, रेनू कछवाहा, गुड्डू सिंधिया, किशोर रजक, दिनेश दुबे, आकाश क्षत्री, रंजीत कछवाहा, मुकेश पांडे, आरती राजपूत, संतोष सोनू भलावी उपस्थित रहे।

प्राचार्य की प्रताड़ना छात्रों ने किया चक्काजाम

मण्डला (स्वतंत्र मत)। सांदीपनी विद्यालय कालपी के छात्रों का आक्रोश सड़कों पर फूट पड़ा। प्राचार्य की मनमानी और प्रताड़ना से नाराज दर्जनों छात्रों ने नेशनल हाईवे 30 पर चक्काजाम कर दिया जिससे हाईवे पर यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। छात्रों का सीधा आरोप है कि विद्यालय की प्राचार्य संगीता श्रीवास्तव द्वारा उन्हें लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। आक्रोशित छात्रों ने बताया कि विद्यालय में किसी अन्य की गलती की सजा भी अक्सर उन्हें ही भुगतनी पड़ती है। छात्रों का आरोप है कि उन्हें दिन भर पढ़ाई से वंचित कर घुटना टेकने को मजबूर किया जाता है। शुक्रवार को भी प्राचार्य संगीता श्रीवास्तव ने कथित तौर पर उन पर बेबुनियाद इल्जाम लगाते हुए डंडे से मारपीट की और करीब 2 घंटे तक घुटने टिकवाए। इसके बाद भी जब प्राचार्य का गुस्सा शांत नहीं हुआ ो करीब 30-40 बच्चों को स्कूल से भगा दिया गया और टीसी काटकर घर भेजने की धमकी दी गई। इसी तानाशाही से त्रस्त होकर छात्रों ने हाईवे जाम करने का कड़ा कदम उठाया। छात्रों ने चेतावनी दी है कि यदि प्राचार्य को जल्द से जल्द नहीं हटाया गया तो वे एक बड़ा उग्र आंदोलन करेंगे। हाईवे पर जाम लगने की सूचना स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं ने तत्काल क्षेत्रीय सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते को दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद कुलस्ते ने फोन के माध्यम से प्रदर्शनकारी छात्रों से बात की। उन्होंने छात्रों को समझाइश देते हुए उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण करने और प्राचार्य को जल्द हटाने का ठोस आश्वासन दिया। सांसद के इस आश्वासन के बाद आक्रोशित छात्र मान गए और उन्होंने जाम समाप्त कर दिया। प्रदर्शन कर रहे बच्चों को समझाइश देने और स्थिति को नियंत्रण में करने के दौरान प्रशासनिक और राजनीतिक जनप्रतिनिधि मौके पर मौजूद रहे। जिसमें नायब तहसीलदार आलोक सोनी, थाना बीजाडांडी का पुलिस स्टाफ, भाजपा मंडल अध्यक्ष डूमारी लाल कुम्हरे, मंडल महामंत्री अजीत श्रीवास्तव और पूर्व जिला मंत्री संदीप नामदेव मुख्य रूप से उपस्थित थे।

हाईस्कूल का आकस्मिक निरीक्षण

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती मुन्नी वरकड़े द्वारा शासकीय हाई स्कूल किंद्री एवं शासकीय हाई स्कूल गाजीपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था तथा शासन की विभिन्न छात्रहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई इस दौरान विद्यालयों में नामांकन की स्थिति, पाठ्यपुस्तकों का वितरण, साइकिल वितरण, छात्रवृत्ति वितरण, विद्यार्थियों की प्रोफाइल अपडेट करने तथा अपार आईडी निर्माण एवं अद्यतन की प्रगति का अवलोकन किया गया।

बीएलबीसी बैठक संपन्न

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिले के मोहगांव एवं घुघरी विकासखंडों में ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति की बैठक आयोजित कर केंद्र एवं राज्य शासन की विभिन्न स्वरोजगार ऋण एवं वित्तीय समावेशन योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठकों की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने की जनपद पंचायत मोहगांव के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में विकासखंड के सभी बैंक शाखा प्रबंधक, विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बैंक सखियां उपस्थित रहीं।

28 को युवा संगम मेला

मण्डला (स्वतंत्र मत)। जिला प्रशासन के निर्देशन में आगामी 28 जुलाई को नगर पालिका टाउनहॉल में युवा संगम मेले का आयोजन किया जाएगा। मेला प्रातः 11 बजे से अपराह्न 3 बजे तक आयोजित होगा जिसमें विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियां भाग लेकर जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएंगी। मेले में 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई स्नातक एवं डिप्लोमा उत्तीर्ण अभ्यर्थी, जिनकी आयु 18 से 35 वर्ष के बीच है भाग ले सकते हैं।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ

मण्डला (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग के मार्गदर्शन में अशासकीय हायरसेकेंडरी स्कूल बड़ी खैरी में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को जेंडर संवेदनशीलता, समाज में लड़के एवं लड़कियों की समानता तथा भेदभाव समाप्त करने का संदेश दिया गया। साथ ही स्वास्थ्य विभाग एवं वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली सहायता एवं सेवाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

केहरपुर में वृक्षारोपण कर लिया संकल्प

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के उद्देश्य से ग्राम पंचायत केहरपुर स्थित शासकीय एकीकृत हाईस्कूल परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सरपंच सतवंत सिंह उलारी प्रभारी प्राचार्य धनीराम मरावी समाजसेवी राजेश भांवरे तथा विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सरपंच श्री उलारी एवं प्रभारी प्राचार्य श्री मरावी ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण को शुद्ध नहीं करते बल्कि आने वाली पीढियों के लिए सुरक्षित और स्वस्थ जीवन का आधार भी हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रतिवर्ष अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने का आह्वान किया इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अपने गांव के सार्वजनिक स्थल स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से वृक्षारोपण करने तथा लोगों को जागरूक करने का संकल्प लिया।

प्रशिक्षणार्थियों को किया प्रेरित

मण्डला (स्वतंत्र मत)। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में लीड डिस्ट्रिक्ट मैनेजर द्वारा प्रशिक्षण परिसर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण कक्षों उपलब्ध संसाधनों एवं प्रशिक्षण की गुणवत्ता का अवलोकन किया। साथ ही प्रशिक्षणार्थियों से संवाद कर उनके अनुभव, सुझाव एवं प्रशिक्षण से प्राप्त हो रहे लाभ की जानकारी ली। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक राजेश कुमार रॉय, कार्यक्रम समन्वयक राजीव शर्मा, वित्तीय साक्षरता एवं परामर्श केंद्र के अधिकारी के.के. अवस्थी, कार्यालय सहायक यश मोहन उसराठे तथा अमित यादव सहित संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

रेड ब्रिज कॉन्वेंट स्कूल की मनमानी

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

नया शिक्षा सत्र शुरू होते ही निजी स्कूलों की मनमानी एक बार फिर सामने आने लगी है। क्षेत्र के रेड ब्रिज कॉन्वेंट स्कूल पर शासन के निर्देशों की खुलेआम अनदेखी करने और अभिभावकों का आर्थिक शोषण करने के गंभीर आरोप लगे हैं। जानकारी अनुसार शासन के स्पष्ट निर्देश हैं कि स्कूलों में पाठ्य पुस्तक निगम की किताबें पढ़ाई जाएं जिसमें कक्षा 4 की किताब मात्र 289 रूपए की है लेकिन स्कूल प्रबंधन द्वारा 1400 से 1500 रूपए तक की निजी प्रकाशकों की किताबें चलाई जा रही हैं। अभिभावकों को स्कूल ड्रेस टाई बेल्ट और कॉपी किताबें एक ही चुनिंदा दुकान से खरीदने के लिए बाध्य किया जा रहा है। इसके अलावा हर साल प्रकाशक

बदल दिए जाते हैं जिससे एक से अधिक बच्चों वाले परिवारों पर भारी आर्थिक बोझ पड़ रहा है। स्कूल एक खेत के बीच में स्थित है और वहां तक पहुंचने का रास्ता पूरी तरह दलदल में तब्दील हो चुका है। इसी जोखिम भरे रास्ते से छोटे बच्चे स्कूल जाने को मजबूर हैं। इसके अलावा स्कूल परिसर में खेल के मैदान और पीने के साफ पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं का भी भारी अभाव है। अभिभावकों का कहना है कि बीईओ और बीआरसी से शिकायत के बाद जांच में कई अनियमितताएं पाई गई थीं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। नतीजतन स्कूल प्रिंसिपल की मनमानी बदस्तूर जारी है। परेशान अभिभावकों ने अब उच्चाधिकारियों से अपील की है कि इस मामले में तत्काल संज्ञान लेकर स्कूल प्रबंधन के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता 27 को

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत द्वारा संचालित नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान के तहत जिले में 27 जुलाई संभावित तिथि को जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा चयनित प्रतिभागियों को राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंडला जिले का प्रतिनिधित्व करने का अवसर प्राप्त होगा अभियान के अंतर्गत वाद-विवाद, स्लोगन लेखन, चित्रकला, रील एवं लघु फिल्म निर्माण, संगीत एवं रैप, स्लैम पोएट्री, विषय आधारित नृत्य तथा नुक्कड़ नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इनका उद्देश्य युवाओं में नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा कला, साहित्य, संगीत, रंगमंच एवं डिजिटल माध्यमों के जरिए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली को बढ़ावा देना है 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यक्तिगत अथवा समूह के रूप में भाग ले सकते हैं। सभी प्रविष्टियाँ मौलिक होनी चाहिए तथा उनमें किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक, अश्लील, राजनीतिक या भेदभावपूर्ण सामग्री नहीं होनी चाहिए प्रतियोगिताओं के संबंध में विस्तृत जानकारी, पात्रता, पंजीयन प्रक्रिया एवं जिला-विशिष्ट पंजीयन लिंक प्राप्त करने के लिए इच्छुक प्रतिभागी रघुनंदन झारिया 7086136113 अथवा अनुराग राय 9977137801 से संपर्क कर सकते हैं।

धारणाधिकार का लाभ दिलाने ज्ञापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

नगरपालिका क्षेत्र के उपनगर महाराजपुर के पात्र परिवारों को धारणाधिकार योजना का लाभ दिलाने की मांग को लेकर नगर भाजपा के सोशल मीडिया प्रभारी वेद प्रकाश दुबे ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने योजना के लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को मालिकाना हक दिलाने मांग की। वेद प्रकाश दुबे ने बताया कि मंडला नगर और महाराजपुर के आबादी क्षेत्र में रहने वाले लगभग 2 से 3 हजार परिवार ऐसे हैं जिनके पास अब तक अपने मकानों का मालिकाना अधिकार नहीं है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में उन्होंने पूर्व में स्वयं मुख्यमंत्री से मुलाकात कर

धारणाधिकार योजना को पुनः प्रारंभ करने का अनुरोध किया था। इसके बाद मुख्यमंत्री द्वारा तत्कालीन मंडला कलेक्टर को निर्देश दिए गए थे कि योजना के तहत सभी पात्र परिवारों को लाभान्वित किया जाए।

उन्होंने कहा कि पात्र परिवारों द्वारा योजना के लिए आवेदन भी जमा किए जा चुके हैं लेकिन उनकी फाइलें लंबे समय से राजस्व कार्यालय में लंबित पड़ी हैं जिसके कारण हितग्राहियों को योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपते हुए लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने मांग की। इस पर कलेक्टर ने मामले में शीघ्र कार्रवाई कर पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने का आश्वासन दिया।

ग्राम खटोला के एक घर में घुसा तेंदुआ, हुआ रेस्क्यू

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन वनमंडल अंतर्गत सिझोरा परिक्षेत्र के ग्राम खटोला में एक तेंदुए के घर में घुस जाने से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए और क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और सुरक्षा इंतजामों के बीच तेंदुए का सफलता पूर्वक रेस्क्यू किया रेस्क्यू के दौरान वन अधिकारियों ने पाया कि तेंदुआ घायल अवस्था में था और उसके शरीर पर चोट के निशान थे वन्यजीव स्वास्थ्य अधिकारी ने मौके पर ही उसका प्राथमिक उपचार किया इसके बाद घायल तेंदुए को बेहतर उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष रेस्क्यू वाहन से कान्हा टाइगर रिजर्व के मुक्की स्थित वन्यजीव चिकित्सालय भेजा गया जहां विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका इलाज किया जाएगा कान्हा टाइगर रिजर्व के सहायक संचालक आशीष पाण्डेय ने बताया कि ग्राम खटोला के एक मकान में तेंदुआ घुसने की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सुरक्षित रेस्क्यू अभियान चलाया उन्होंने बताया कि तेंदुआ घायल मिला था इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उसे मुक्की वन्यजीव चिकित्सालय भेजा गया है।

पात्र हितग्राहियों के ऋण आवेदन शीघ्र बैंक शाखाओं तक पहुंचाने के निर्देश

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। ब्लॉक स्तरीय बैंकर्स समिति (बीएलबीसी) की जून तिमाही समीक्षा बैठक में सरकारी प्रायोजित ऋण योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित मामलों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। बैठक की अध्यक्षता अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने की। इसमें नैनपुर विकासखंड के सभी बैंक शाखा प्रबंधक और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जानकारी के अनुसार बैठक में जिन योजनाओं की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं मिली उनमें पात्र हितग्राहियों के ऋण आवेदन शीघ्र बैंक शाखाओं तक पहुंचाने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए। वहीं बैंक प्रबंधकों से संभावित हितग्राहियों की पहचान कर उनका विवरण विभागों को उपलब्ध कराने को कहा गया ताकि अधिक से अधिक युवाओं और पात्र लोगों को स्वरोजगार से जोड़ा जा सके। इसी दौरान बैठक में सभी बैंक प्रबंधकों और विभागीय अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि पूर्व में रही कमियों को अगले 10 से 15 दिनों में दूर कर योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की शत-प्रतिशत पूर्ति का प्रयास किया जाएगा। समीक्षा बैठक के दौरान सीएम हेल्पलाइन, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना समेत अन्य बैंकिंग और जनकल्याणकारी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैंकों के क्रेडिट डिपॉजिट रेशियो बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का त्वरित गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए।

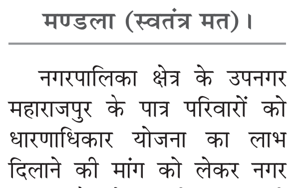

नानक रसोई का शुभारंभ

नैनपुर।

नगर में पूज्य सिंधी पंचायत के द्वारा गत दिनों निर्माण लेकर नगर में भ्रमण कर रहे निशक्त निधन बेसहारा विक्षिप्त महिला पुरुषो को नानक रसोई से भोजन बनाकर वितरण करने का निर्णय लिया गया। जानकारी अनुसार प्रतिदिन सिंधी गुरूद्वारा में भोजन बनाकर पंचायत द्वारा सुबह 10 बजे निशक्त निधन बेसहारा विक्षिप्त महिला पुरुषो को नानक रसोई का भोजन वितरण करने का कार्य किया जा रहा है ।

राहुल गांधी की गिरफ्तारी व छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में नैनपुर में कांग्रेस का प्रदर्शन

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग

नैनपुर (स्वतंत्र मत) । नगर व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं कांग्रेस परिवार के विभिन्न मोर्चा संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में जोरदार विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्य मार्ग पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया। साथ ही दिल्ली में अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से एकत्रित हुए छात्रों

पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज एवं दुर्व्यवहार किए जाने की घटना की भी कड़ी निंदा की गई। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि छात्रों के साथ हुआ यह व्यवहार लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध है। उन्होंने केंद्र सरकार पर दमनात्मक रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग की। इस अवसर पर नगर कांग्रेस कमेटी, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई सहित कांग्रेस परिवार के विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, लेकिन कार्यकर्ताओं के बीच सरकार के खिलाफ गहरा रोष स्पष्ट रूप से देखने को मिला।

संपादकीय

जवाब कौन देगा?

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के आईआरजीसी ने लगता है कि 1949 की जिनेवा अंतरराष्ट्रीय सन्धियों के प्रति आंखें मूंद ली हैं। विध्वंस, विस्फोट और अंतत: विनाश जारी है। कोई वैश्विक संस्थान अथवा मंच या राष्ट्र-समूह नहीं है, जो इन बौखलाए और संहारी जंगियों को समझा सकें या रोक लगा सकें। संयुक्त राष्ट्र अब एक लुंज-पुंज संस्थान बन कर भाषण पेलने का ही मंच रह गया है, लिहाजा उस पर ढक्कन बंद कर देना चाहिए। युद्ध के अलावा, अब यह संस्थान विस्थापन, शरण, भोजन, पानी, स्वास्थ्य, संरक्षण और जलवायु-परिवर्तन तक किसी भी लिहाज से सशक्त मंच नहीं रहा है, क्योंकि अब कोई भी देश उसकी अपील या आह्वान की परवाह तक नहीं करता। वीटो वाले देशों के अपने गिरोह, षड्यंत्र और कूटनीतिक हित हैं। अब विश्व के असंख्य करदाताओं के अरबों डॉलर (या रुपए) फूंकना बेमानी है। बहरहाल जिनेवा सन्धि के अनुच्छेद 52 में स्पष्ट प्रावधान है कि युद्ध के दौरान नागरिकों, स्कूलों, अस्पतालों, नागरिक व्यवस्थाओं पर हमले नहीं किए जाएंगे। अनुच्छेद 54 में उल्लेख है कि पानी, खाद्य और अन्य नागरिक सुविधाओं पर हमला करना या उन्हें नष्ट करना प्रतिबंधित है। यह चेतावनी भी जोड़ी गई है कि यदि नागरिकों की जान का खतरा है, तो इन सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर हमले पूरी तरह निषिद्ध हैं। ये चार सन्धियां खुद दुनिया के बड़े देशों ने, आपसी विमर्श के बाद, पारित की थीं, हस्ताक्षर किए थे, लेकिन युद्ध कोई भी हो, इन सन्धियों की धज्जियां उड़ाई जाती रही हैं। मौजूदा ईरान युद्ध हो अथवा साढ़े चार साल से जारी रूस-यूक्रेन युद्ध हो, ये सन्धियां चीत्कार करती रही हैं। ऐसा आभास होता है मानो जिनेवा सन्धियों के खिलाफ ही जंग जारी हैं! अमरीका ने तो ईरान युद्ध की शुरुआत में ही एक स्कूल पर हमला कर 168 बच्चियों का सामूहिक नरसंहार कर दिया था। अमरीका के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं, कोई दंडात्मक फैसला नहीं, महज बयान से क्या होता है? अमरीकी लड़ाकू विमान बीती 11 रातों से ईरान पर लगातार मिसाइल हमले, बमबारी कर रहे हैं, हमले होर्मुज तट से राजधानी तेहरान तक विनाश की कहानियां लिख रहे हैं, त्रासदियां कितनी हुईं, फिलहाल इनका कोई डाटा सामने नहीं है। नुकसान अकल्पनीय है। हमले बिजलीघरों, पानी के संयंत्रों, पुलों, इमारतों, परमाणु स्थलों के करीब किए जा रहे हैं, लेकिन विश्व में जिनेवा सन्धियों को लेकर कोई हस्तक्षेप या बयान सामने नहीं आया है। दुनिया के सबसे बड़े गुंडे के खिलाफ बोलने की हिमाकत कौन कर सकता है? ईरान में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की जानकारी के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। उसमें 45 फीसदी लोग युद्ध के कारण खौफजदा सामने आए, करीब 49 फीसदी ने युद्ध बढ़ने का डर जताया, 44.3 फीसदी ने युद्धविराम की इच्छा जताई, 81 फीसदी से अधिक ऐसे थे, जिन तक बुनियादी सुविधाओं और सामान की पहुंच नहीं थी, करीब 63 फीसदी लोगों में युद्ध के कारण गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ा है और 50 फीसदी से अधिक लोगों में किसी बेहतर सुधार की उम्मीद नजर नहीं आई। साफ है कि ईरान युद्ध में जिनेवा सन्धियां चीत्कार कर रही हैं। लोगों की सुनने वाला कोई नहीं है। अमरीका भी यही चाहता है कि ईरान का अवाम मौजूदा हुकूमत के खिलाफ विद्रोह पर उतर आए। यही अमरीका की असल सामरिक कामयाबी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश हैं कि ईरान में 'नरक' के दरवाजे खोल दिए जाएं। पलटवार में ईरान ने जॉर्डन को विनाशक हमलों का 'एपिसेंटर' बना दिया है। जॉर्डन के साथ-साथ बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, सीरिया में भी हमलों ने तबाही मचा रखी है। अमरीकी सैनिक भी मारे गए हैं। अमरीका में जन-विरोध उभरता जा रहा है। सीनेट में भी सवाल पूछे गए कि ट्रंप कब तक यह युद्ध जारी रखेंगे? जवाब कौन देगा?

हरित ऊर्जा का महाकुंभ

निवेश, नवाचार और प्रेरणा का वैश्विक संगम

विनोद कुमार सिंह तकियावाला

इक्कीसवीं सदी की वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था और औद्योगिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण आधार यदि कोई है तो वह ऊर्जा है। ऊर्जा अब केवल बिजली उत्पादन का विषय नहीं रह गई है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक आत्मनिर्भरता, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा, पर्यावरण संरक्षण और वैश्विक नेतृत्व का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना बन चुकी है।यही कारण है कि आज पूरी दुनिया जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम कर स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ रही है। जलवायु परिवर्तन की बढ़ती चुनौती, कार्बन उत्सर्जन में कमी की वैश्विक प्रतिबद्धताएँ और ऊर्जा सुरक्षा की नई आवश्यकताओं ने विश्व समुदाय को ऊर्जा संक्रमण (एनर्जी ट्रांजिशन) के ऐसे दौर में पहुँचा दिया है, जहाँ नवाचार ही भविष्य की दिशा तय करेगा। भारत ने भी इस परिवर्तन को समय रहते समझा और पिछले एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र में अनेक ऐतिहासिक कदम उठाए। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, ऊर्जा भंडारण, विद्युत गतिशीलता तथा हरित परिवहन के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों ने उसे विश्व के अग्रणी देशों की श्रेणी में खड़ा कर दिया है। आज भारत केवल अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा परिवर्तन का सक्रिय भागीदार और भविष्य का नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। इसी व्यापक परिप्रेक्ष्य में नई दिल्ली के भारत मंडपम में 2 से 5 नवम्बर, 2026 तक आयोजित होने जा रहा भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। निवेश, नवाचार और प्रेरणा की थीम पर आधारित यह आयोजन केवल एक औद्योगिक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य का वैश्विक चिंतन-मंथन है। इसमें विभिन्न देशों के नीति-निर्माता, ऊर्जा मंत्री, वैज्ञानिक, उद्योगपति, निवेशक, स्टार्टअप, शोध संस्थान तथा अंतरराष्ट्रीय संगठन एक मंच पर एकत्र होकर आने वाले दशकों की ऊर्जा दिशा पर विचार करेंगे। भारत के लिए यह सम्मेलन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण है। एक ओर यह देश की बढ़ती आर्थिक शक्ति और वैश्विक प्रतिष्ठा का परिचायक है, तो दूसरी ओर यह दुनिया को भारत की ऊर्जा क्षमता, निवेश संभावनाओं और तकनीकी नवाचार से परिचित कराने का सशक्त अवसर भी है। जिस प्रकार जी-20 शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत मंडपम वैश्विक कूटनीति का प्रतीक बना था, उसी प्रकार यह आयोजन भारत को हरित ऊर्जा क्षेत्र के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव सिद्ध हो सकता है। विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी तथा संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएँ लगातार यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले वर्षों में वैश्विक ऊर्जा निवेश का बड़ा हिस्सा नवीकरणीय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित होगा। इस परिवर्तन में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि यहाँ विशाल ऊर्जा बाज़ार, अनुकूल नीतियाँ, युवा तकनीकी प्रतिभा, तीव्र औद्योगिक विकास और व्यापक निवेश संभावनाएँ उपलब्ध हैं।यही कारण है कि विश्व की अनेक अग्रणी ऊर्जा कंपनियाँ भारत को भविष्य के सबसे आकर्षक ऊर्जा निवेश गंतव्यों में शामिल कर रही हैं।आज भारत विश्व की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। विकसित भारत-2047 का लक्ष्य तभी साकार हो सकता है, जब देश की ऊर्जा व्यवस्था स्वच्छ, सुलभ, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बने। ऊर्जा आत्मनिर्भरता का अर्थ केवल तेल और गैस के आयात में कमी नहीं है, बल्कि ऐसी ऊर्जा व्यवस्था का निर्माण है जो पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ उद्योग, कृषि, परिवहन और आम नागरिक की आवश्यकताओं को भी समान रूप से पूरा कर सके। पिछले कुछ वर्षों में भारत ने नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय विस्तार किया है। सौर ऊर्जा पार्कों की स्थापना, रूफटॉप सोलर कार्यक्रम, पवन ऊर्जा परियोजनाएँ, हरित हाइड्रोजन मिशन, बैटरी ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा तथा एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम ने ऊर्जा क्षेत्र में एक नई क्रांति का मार्ग प्रशस्त किया है। भारतीय रेलवे भी हाइड्रोजन ईंधन आधारित रेल और हरित ऊर्जा के उपयोग की दिशा में ऐतिहासिक कदम बढ़ा चुका है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति का हिस्सा है। भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 का मूल संदेश भी यही है कि ऊर्जा का भविष्य केवल उत्पादन बढ़ाने में नहीं, बल्कि निवेश, अनुसंधान, नवाचार और वैश्विक सहयोग के माध्यम से नई तकनीकों को अपनाने में निहित है। सम्मेलन में सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, बायो-एनर्जी, ऊर्जा दक्षता, स्मार्ट ग्रिड, बैटरी निर्माण, ग्रीन फाइनेंस, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित ऊर्जा प्रबंधन और ऊर्जा भंडारण जैसी अत्याधुनिक तकनीकों पर व्यापक चर्चा होने की संभावना है। इसके साथ ही स्टार्टअप्स और नवाचार आधारित उद्यमों को भी अपनी तकनीकों का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। भारत के लिए यह सम्मेलन केवल निवेश आकर्षित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत

और विकसित भारतङ्क2047 के संकल्प को गति देने वाला एक प्रभावी मंच भी है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में होने वाला प्रत्येक नया निवेश रोजगार सृजन, विनिर्माण क्षमता, तकनीकी अनुसंधान और निर्यात वृद्धि के नए अवसर लेकर आएगा। यही कारण है कि यह आयोजन उद्योग जगत के साथ-साथ नीति-निर्माताओं, शिक्षाविदों और युवा उद्यमियों के लिए भी समान रूप से महत्वपूर्ण है। भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह केवल तकनीकी उपलब्धियों के प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऊर्जा क्षेत्र में वैश्विक साझेदारी और निवेश के नए अध्याय भी खोलेगा। निवेश, नवाचार और प्रेरणा की थीम अपने आप में यह संदेश देती है कि आने वाले वर्षों की ऊर्जा क्रांति केवल सरकारों के प्रयासों से नहीं, बल्कि उद्योग, अनुसंधान संस्थानों, स्टार्टअप, वित्तीय संस्थाओं और वैश्विक सहयोग की संयुक्त भागीदारी से आगे बढ़ेगी। भारत इस साझेदारी का स्वाभाविक केंद्र बनने की क्षमता रखता है। वर्तमान समय में विश्व ऊर्जा क्षेत्र एक निर्णायक परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया में तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान और जीवाश्म ईंधनों की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा सुरक्षा अब केवल आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्रीय रणनीति का अनिवार्य हिस्सा बन चुकी है। ऐसे समय में जिन देशों ने नवीकरणीय ऊर्जा में समय रहते निवेश किया है, वे अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित स्थिति में दिखाई दे रहे हैं। भारत भी इसी दिशा में दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ रहा है। आज भारत सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जैव ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और विद्युत गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में तेज़ी से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है। विशेष रूप से राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन भारत को भविष्य की स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था में अग्रणी स्थान दिलाने की क्षमता रखता है। उर्वरक, इस्पात, रिफाइनरी, भारी उद्योग और परिवहन जैसे क्षेत्रों में हरित हाइड्रोजन का उपयोग कार्बन उत्सर्जन कम करने के साथ-साथ ऊर्जा आयात पर निर्भरता घटाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारतीय रेलवे द्वारा हाइड्रोजन ईंधन आधारित ट्रेन के सफल परीक्षण, रेलवे स्टेशनों और उत्पादन इकाइयों में सौर ऊर्जा के बढ़ते उपयोग तथा हरित ऊर्जा आधारित अधोसंरचना का विकास यह संकेत देता है कि भारत ऊर्जा परिवर्तन को केवल नीति दस्तावेज़ों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि उसे व्यवहारिक रूप से धरातल पर उतार रहा है। यही दृष्टिकोण भारत रिन्यूएबल एनर्जी समिट एवं एक्सपो-2026 के विमर्श का भी प्रमुख आधार बनेगा। भारत के लिए इस सम्मेलन का एक बड़ा उद्देश्य विदेशी निवेश को आकर्षित करना भी है। ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक निवेश केवल बिजली उत्पादन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उससे विनिर्माण, अनुसंधान, कौशल विकास, रोजगार, निर्यात और स्थानीय उद्योगों को भी नई गति मिलती है। भारत का विशाल उपभोक्ता बाज़ार, स्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था, तेज़ी से विकसित होता बुनियादी ढाँचा और सुधारोन्मुख नीतियाँ वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी हैं। इसलिए यह सम्मेलन भारत को विश्व की हरित ऊर्जा राजधानी के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालाँकि चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। ऊर्जा संक्रमण के लिए बड़े निवेश, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी, कुशल मानव संसाधन, मजबूत विद्युत ग्रिड, ऊर्जा भंडारण क्षमता और अनुसंधान पर निरंतर ध्यान देना होगा। नवीकरणीय ऊर्जा की अनियमित उपलब्धता, बैटरी तकनीक की लागत, महत्वपूर्ण खनिजों की उपलब्धता और वित्तीय संसाधनों की व्यवस्था जैसे प्रश्न आने वाले वर्षों में नीति-निर्माताओं के सामने रहेंगे। इसलिए यह सम्मेलन केवल उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि चुनौतियों के समाधान का भी मंच होना चाहिए। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा प्रतिभा, वैज्ञानिक क्षमता और नवाचार की संस्कृति है। यदि विश्वविद्यालयों, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को एक साझा मंच पर प्रभावी रूप से जोड़ा जाए, तो भारत केवल स्वच्छ ऊर्जा का बड़ा बाज़ार ही नहीं, बल्कि नई ऊर्जा प्रौद्योगिकियों का वैश्विक नवाचार केंद्र भी बन सकता है। इनवेस्ट, इनोवेट, इन्सपायर का मूल संदेश भी यही है कि निवेश नई संभावनाएँ पैदा करता है, नवाचार उन्हें गति देता है और प्रेरणा उन्हें जन-आंदोलन में बदल देती है। नई दिल्ली का भारत मंडपम एक बार फिर विश्व समुदाय के स्वागत के लिए तैयार है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

अब आगे क्या? इस्तीफ़ा या पेपर लीक पर संसद में बहस?

सौरभ वार्ष्णेय

देश की संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंच है, जहां जनता से जुड़े गंभीर मुद्दों पर चर्चा, जवाबदेही और समाधान की अपेक्षा की जाती है। लेकिन मानसून सत्र के शुरुआती तीन दिन जिस प्रकार लगातार हंगामे और स्थगन की भेंट चढ़े हैं, उसने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि क्या संसद जनहित के मुद्दों के समाधान का मंच बनेगी या केवल राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बनकर रह जाएगी?

वर्तमान गतिरोध का सबसे बड़ा कारण देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के कथित पेपर लीक की घटनाएं हैं। इन घटनाओं ने लाखों छात्रों के भविष्य, उनकी वर्षों की मेहनत और पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा दिया है। विपक्ष इस मुद्दे को केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि सरकार की जवाबदेही का विषय मानते हुए शिक्षा मंत्री के इस्तीफ़े की मांग पर अड़ा हुआ है। दूसरी ओर सरकार का कहना है कि वह इस मुद्दे पर संसद में विस्तृत चर्चा कराने के लिए तैयार है और दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई भी की जा रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी मंत्री का इस्तीफ़ा केवल राजनीतिक दबाव का परिणाम नहीं होना चाहिए, बल्कि उसकी जिम्मेदारी तय होने और नैतिक उत्तरदायित्व के आधार पर होना चाहिए। वहीं विपक्ष का यह तर्क भी पूरी तरह निराधार नहीं कहा जा सकता कि जब सरकार उपलब्धियों का श्रेय स्वयं लेती है, तो गंभीर प्रशासनिक विफलताओं की नैतिक जिम्मेदारी भी उसे स्वीकार करनी चाहिए। यही कारण है कि इस्तीफ़े की मांग राजनीतिक बहस का केंद्र बन गई है। दूसरी ओर यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि संसद में इस पूरे प्रकरण पर गंभीर, तथ्यात्मक और व्यापक चर्चा हो। केवल नारेबाज़ी या सदन को बाधित करने से न तो छात्रों का भविष्य सुरक्षित होगा और न ही परीक्षा प्रणाली में सुधार आएगा। देश यह जानना चाहता है कि आखिर बार-बार पेपर लीक क्यों हो रहे हैं? सुरक्षा व्यवस्था में चूक कहां है? कौन-से संगठित गिरोह इस पूरे नेटवर्क को चला रहे हैं? अब तक कितनों पर कार्रवाई हुई? भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सरकार की ठोस रणनीति क्या है? संसद में यदि इन सभी प्रश्नों पर विस्तृत बहस होती है तो यह लोकतंत्र और

छात्रों-दोनों के हित में होगा। बहस से जवाबदेही भी तय होगी और सुधार की दिशा भी स्पष्ट होगी। लेकिन यदि बहस से पहले केवल इस्तीफ़े की मांग और सरकार की ओर से केवल राजनीतिक प्रतिरोध चलता रहा, तो सबसे बड़ा नुकसान उन लाखों युवाओं का होगा, जिनका भविष्य इस पूरे विवाद के बीच अधर में लटका हुआ है।

इस बीच राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों का आंदोलन लगातार व्यापक होता दिखाई दे रहा है। विभिन्न राज्यों से छात्र वहां पहुंच रहे हैं और निष्पक्ष जांच, दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई तथा परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार की मांग कर रहे हैं। कुछ समय पहले सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को उनके आंदोलन के दौरान हिरासत में लिए जाने के बाद यह माना जा रहा था कि विरोध प्रदर्शनों की धार कमजोर पड़ जाएगी। लेकिन वर्तमान छात्र आंदोलन यह संकेत देता है कि युवाओं का आक्रोश केवल किसी एक व्यक्ति या संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यवस्था के प्रति गहराते अविश्वास का प्रतीक बन चुका है।

सरकार ने संकेत दिए हैं कि वह पेपर लीक पर संसद में चर्चा करने और आंदोलनरत छात्रों से संवाद के लिए भी तैयार है। यदि ऐसा है, तो यह स्वागतयोग्य पहल हो सकती है। लोकतंत्र में संवाद ही किसी भी संकट का सबसे प्रभावी समाधान माना जाता है। लेकिन संवाद तभी सार्थक होगा जब उसके साथ ठोस निर्णय, समयबद्ध कार्रवाई और पारदर्शिता भी जुड़ी हो।

आज देश का छात्र केवल न्याय नहीं, बल्कि भरोसा मांग रहा है। वह यह विश्वास चाहता है कि उसकी वर्षों की मेहनत कुछ लोगों के भ्रष्टाचार और लापरवाही की भेंट नहीं चढ़ेगी। यह केवल एक परीक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि देश की प्रतिभा, शिक्षा व्यवस्था और भविष्य की विश्वसनीयता का प्रश्न है।

सरकार और विपक्ष-दोनों की जिम्मेदारी है कि वे इस संवेदनशील विषय को राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने के बजाय राष्ट्रीय हित के दृष्टिकोण से देखें। यदि शिक्षा मंत्री के इस्तीफ़े से जवाबदेही तय होती है तो उस पर भी विचार होना चाहिए, और यदि संसद में गंभीर बहस से बेहतर समाधान निकल सकता है तो उसे प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दोनों विकल्प एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जवाबदेही की प्रक्रिया का हिस्सा हो सकते हैं।

प्रश्न केवल इतना नहीं है कि इस्तीफ़ा होगा या संसद में बहस। असली प्रश्न यह है कि क्या देश के करोड़ों छात्रों का विश्वास फिर से बहाल हो पाएगा? क्योंकि लोकतंत्र की सबसे बड़ी परीक्षा संसद में नहीं, बल्कि युवाओं के विश्वास को बचाने में है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

क्या हम अवसरों से तेज़ गति से स्नातक तैयार कर रहे हैं?

डिग्रियों का देश... इंतज़ार करती पीढ़ी

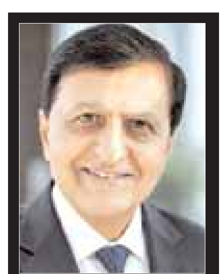

पवन शर्मा

भारत @ 2047 : राष्ट्र संवाद

सुबह के पाँच बजे हैं। शहर अभी पूरी तरह जागा भी नहीं है, लेकिन परीक्षा केंद्र के बाहर सैकड़ों माता-पिता खड़े हैं। किसी के हाथ में पानी की बोतल है, किसी के हाथ में प्रवेश पत्र की फोटोकॉपी, कोई मंदिर से लौटकर बेटे के माथे पर तिलक लगा रहा है, तो कोई चुपचाप आँखें बंद कर प्रार्थना कर रहा है। भीतर बच्चे प्रश्नपत्र हल कर रहे हैं, लेकिन बाहर खड़ा हर माता-पिता अपने पूरे जीवन की कमाई, अपने संघर्ष, अपनी उम्मीदों और अपने सपनों का हिसाब लगा रहा है।

यह दृश्य किसी एक शहर का नहीं है। यह हर वर्ष देश के हजारों परीक्षा केंद्रों के बाहर दिखाई देता है। बस परीक्षा का नाम बदल जाता है।

कहीं राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) है। कहीं संयुक्त प्रवेश परीक्षा (जेईई) है। कहीं कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) है। कहीं संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा है। कहीं कर्मचारी चयन आयोग की भर्ती परीक्षा है। कहीं बैंकिंग सेवा की भर्ती परीक्षा है। कहीं रेलवे की भर्ती परीक्षा है। कहीं राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षा है।

लेकिन एक चीज़ कभी नहीं बदलती। परीक्षा केंद्र के बाहर खड़ी उम्मीदें। आज भारत में शायद ही कोई ऐसा परिवार होगा जिसके घर में कोई प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी न कर रहा हो। लाखों युवा अपनी सबसे ऊर्जावान उम्र किताबों, कोचिंग संस्थानों, मॉक टेस्ट, परिणामों और प्रतीक्षा के बीच बिताते हैं। वर्षों की मेहनत के बाद भी सफलता निश्चित नहीं होती। प्रश्न यह नहीं है कि वे मेहनत नहीं कर रहे। प्रश्न यह है कि क्या हम उन्हें ऐसे भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं जहाँ उनके लिए पर्याप्त अवसर भी मौजूद हों? यहीं से भारत का सबसे बड़ा प्रश्न शुरू होता है।

हर वर्ष हमारे विश्वविद्यालय लाखों नई डिग्रियाँ बाँटते हैं। दीक्षांत समारोहों में तालियाँ बजती हैं, कैमरों की फ्लैश चमकती हैं, माता-पिता गर्व से मुस्कुराते हैं और युवा अपने सपनों के साथ जीवन की नई शुरुआत करने निकल पड़ते हैं। लेकिन कुछ ही दिनों बाद वही युवा एक नई कतार में दिखाई देता है-रोज़गार की कतार में।

क्या हमने कभी ठहरकर यह प्रश्न पूछा है कि हम हर वर्ष जितने स्नातक तैयार कर रहे हैं, क्या उतने ही अवसर भी तैयार कर रहे हैं?

यदि उत्तर नहीं है, तो यह केवल बेरोज़गारी का प्रश्न नहीं है। यह हमारी शिक्षा व्यवस्था, हमारी आर्थिक नीति, हमारे सामाजिक दृष्टिकोण और हमारे भविष्य की योजना-सभी पर एक साथ खड़ा हुआ प्रश्न है।

आज भारत दुनिया की सबसे युवा आबादी वाला देश बनने की ओर अग्रसर है। इसे हमारी सबसे बड़ी ताकत कहा जाता है। लेकिन यही युवा शक्ति तब चिंता का विषय बन जाती है जब डिग्रियाँ अवसरों से आगे निकल जाती हैं। एक ओर विश्वविद्यालयों से लाखों स्नातक निकल रहे हैं, दूसरी ओर प्रतियोगी परीक्षाओं में अभूतपूर्व भीड़ बढ़ती जा रही है। लाखों अभ्यर्थी कुछ हज़ार सीटों के लिए वर्षों तक संघर्ष करते हैं। अनेक युवा अपनी उम्र का सबसे रचनात्मक समय केवल अगली परीक्षा की तैयारी में बिताते हैं। यह केवल प्रतियोगिता नहीं है। यह उस व्यवस्था का संकेत है जिसमें सफलता के रास्ते बहुत कम और उस तक पहुँचने वाले यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है। हमने अपने बच्चों को बचपन से सिखाया कि सफल होना है तो डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो, प्रशासनिक अधिकारी बनो या वकील बनो। इन पेशों का सम्मान होना चाहिए, लेकिन क्या केवल यही भारत के भविष्य का रास्ता हैं? क्या 140 करोड़ लोगों का देश चार या पाँच पारंपरिक व्यवसायों के सहारे विकसित राष्ट्र बन सकता है?

शायद नहीं।

फिर प्रश्न उठता है कि हमारे विद्यालयों और विश्वविद्यालयों में भविष्य की नई दिशाएँ कहाँ हैं? कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, हरित ऊर्जा, खेल विज्ञान, डिज़ाइन, एग्री-टेक, डिजिटल निर्माण, वृद्धजन देखभाल, समुद्री अर्थव्यवस्था और रचनात्मक उद्योग जैसे क्षेत्रों पर हमारी शिक्षा व्यवस्था उतनी गंभीर क्यों नहीं दिखती, जितनी आज की दुनिया अपेक्षा करती है? क्या हम युवाओं को भविष्य के लिए तैयार कर रहे हैं। या अभी भी उन्हें बीते हुए कल की नौकरियों के लिए पढ़ा रहे हैं?

तत्काल स्वास्थ्य लाभ के चक्कर में डॉक्टर शॉपिंग का नया चलन

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

समय के साथ सोच में एक बड़ा बदलाव तेजी से यह देखने में आ रहा है कि यदि जुखाम, बुखार, खांसी जैसी सामान्य बीमारी में भी डॉक्टर की दवा से तत्काल राहत नहीं मिलती तो अब डॉक्टर बदलने में कोई गुरेज नहीं होता। देखा जाएं तो तुरंत स्वास्थ्य लाभ की प्रवृति के कारण डॉक्टर के ईलाज पर विश्वास में कहीं ना कहीं कमी देखने में आने लगी है और इसके परिणाम स्वरुप महानगरों में डॉक्टर शापिंग का नया ही चलन चलने लगा है। खासतौर से मरीज से मिलने-मिलाने वाले चिकित्सक बदलने की सलाह देने में किसी तरह का कोई गुरेज नहीं करते। चिकित्सक बदलने में कोई बुराई नहीं है पर जिस चिकित्सक से ईलाज करवा रहे हैं उससे बीमारी ठीक होने की संभावना के संबंध में चर्चा करना पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अन्य चिकित्सक की सलाह लेना और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करके चलना होगा। बीच ईलाज ही बार बार डाक्टर बदलने के कई साइड इफेक्ट से भी दो चार होना पड़ता है और कई बार तो डॉक्टर बदलने का यह प्रयोग ईलाज पर विपरीत प्रभाव और गंभीर संकट में डाल देता है। मिसाल के तौर पर सामान्य खांसी की बीमारी या पेट में गड़बड़ या वाइरल बुखार होने पर जब डॉक्टर द्वारा दवा का जो कोर्स दिया जाता है उसके पूरा होने के पहले ही यानी की मान लो पांच दिन का कोर्स दिया है तो तीसरे दिन ही अधीर होकर दूसरे डॉक्टर की शरण में जाना आम होता जा रहा है। हांलाकि यह प्रवृति कुछ ही लोगों में है पर महानगरों और बड़े शहरों में इस तरह की प्रवृति जिस तेजी से बढ़ती जा रही है वह गंभीर चिंता का सबब बनती जा रही है। चिकित्सकीय भाषा में कहा जाए तो यह प्रवृति शापिंग का एक नया रुप डॉक्टर शापिंग के रुप में तेजी से फैलती जा रही है। हो यह रहा है कि इसके साइड इफेक्ट से अनजान होकर आगे बढ़ रहे है।

डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बीसवीं सदी में नशीली दवाओं की प्राप्ति के लिए किये जाने वाले प्रयासों के लिए चलन में आया था। नशीली दवाओं के आदतन लोग एक से दूसरे डॉक्टर के पास परचा लिखवाने इसलिए जाते थे ताकि नशीली दवाओं का संग्रह कर सके। क्योंकि नशीली दवा एक सीमा तक ही मिलती थी और बिना चिकित्सक के परचे के मिलना लगभग मुश्किल होता था। यही कारण है कि देश और विदेश में नित नए डॉक्टर से परचा लिखवाना और केमिस्ट से दवा प्राप्त करना आम होता जा रहा था। खासतौर से रोक

वाली दवाओं को लेकर के यह प्रक्रिया अपनाई जा रही थी। हांलाकि इस प्रवृति को रोकने के लिए कई देशों में कानूनी प्रयास किये गए और कुछ हद तक इस पर अंकुश भी लग सका। अमेरिका जैसे देश में इसके लिए डॉक्टर शापिंग लॉ जैसी व्यवस्था की गई। खैर अब चिकित्सा सुविधा के विस्तार और सहजता के साथ ही डॉक्टर शापिंग का कंसेप्ट बदलता जा रहा है।

हो यह रहा है कि जब कोई मरीज यह महसूस करता है कि चिकित्सक की दवा से उसकी बीमारी में तेजी से सुधार नहीं हो रहा तो वह ईलाज के बीच ही दूसरे डॉक्टर की शरण में चले जाता है। खासतौर से यह प्रवृति महानगरों और बड़े शहरों में अधिक तेजी से फैल रही है। इसका कारण यह है कि आज सलाहकारों की लंबी फौज होने के साथ ही रोगी या रोगी के परिजन मैजिक टच की सोच रखने लगे हैं। दूसरा यह कि अब चिकित्सा सुविधा का भी तेजी से विस्तार हुआ है। निजी और सरकारी क्षेत्र में चिकित्सा सुविधा की सहज उपलब्धता होने के साथ ही मेडिक्लेम जैसी सुविधाएं प्राप्त होने लगी है। सरकारी और निजी विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता के कारण भी यह होने लगा है। बीमारी चाहे सामान्य हो या गंभीर तत्काल सुधार नहीं दिखने पर दूसरे डॉक्टर को दिखाने चले जाते हैं और डाक्टर बदलने का तत्काल जो प्रभाव पड़ता है वह रीसेट बटन होता है यानी कि दूसरा डॉक्टर फिर अपने तरीके से पहले जॉचों का सिलसिला आरंभ करते हैं क्योंकि पहले की डॉक्टर द्वारा कराई गई जांचों में किसी ना किसी तरह की कमी या अन्य कारण बता कर दुबारा से जांचें करवानी पड़ती है। इसके लिए रक्त जांच से लेकर रोग के अनुसार एक्सरे, एमआरआई या अन्य तरह की जांचें भी हो सकती है। इससे बार बार जांच और एक्सरे किरणों से दो चार होने के साथ ही रुपये पैसे का भार भी पड़ता है। एक तरह से बीमारी के पहचान की नए सिरे से प्रक्रिया आरंभ होती है। दवा का नया सिलसिला आरंभ होता है और पूर्व में चल रही एंटिबायोटिक या अन्य दवाओं के स्थान पर जेनेरिक दवाओं के ही दूसरे ब्राण्ड की दवा दी जाती है व कई बार तो पॉली फार्मेसी जैसी स्थिति हो जाती है। दवाओं के असर पर विपरीत प्रभाव की संभावनाओं से भी नहीं नकारा जा सकता। ऐसे में सुधार के स्थान पर जटिलताओं की संभावनाओं से नहीं नकारा जा सकता।

डॉक्टर शापिंग के इस दौर में अन्य चिकित्सक की विशेषज्ञ सलाह लेने और चिकित्सक बदलने में हमें अंतर करना होगा। अन्य विशेषज्ञ की सलाह को तो ईलाज कर रहे चिकित्सक को विश्वास में लेकर लेने से ईलाज में और अधिक सकारात्मकता आती है पर बार बार चिकित्सक बदलना उचित नहीं माना जा सकता। होना यह चाहिए कि जिस चिकित्सक का ईलाज चल रहा है उससे ईलाज के संबंध में स्वयं रोगी या परिजनों द्वारा बीमारी और उसके ईलाज को लेकर विस्तार से चर्चा की जानी चाहिए। यह भी मालूम कर लेना चाहिए कि दवा का असर किस तरह का और कितने समय में दवा असर दिखाना शुरु कर देगी। चिकित्सक को भी मरीज को विश्वास में लेकर आवश्यक सभी जानकारी दे देनी चाहिए, जिससे ईलाज को लेकर किसी तरह के भ्रम के हालात ना रहे। अन्य चिकित्सक से प्राप्त की गई विशेषज्ञ सलाह को भी ईलाज कर रहे चिकित्सक से साझा कर लेना चाहिए।

ईलाज कर रहे चिकित्सक की सलाह या रेफर करने पर ही अन्य चिकित्सक की और रुख करना चाहिए। नए चिकित्सक को भी रोगी का रोग कार्ड से पूरी तरह अवगत होते हुए क्या दवा चल रही है? कब से चल रही है? और रोगी के रोग का इतिहास से अवगत कराना चाहिए। डॉक्टर शापिंग को फैशन के रुप में नहीं लिया जाना चाहिए अन्यथा अनावश्यक जांचों, दवाओं, डाक्टरों की नित नई फीस आदि का नुकसान तो उठाना पड़ता ही है। इसके साथ ही अन्य दुष्परिणामों से नहीं नकारा जा सकता।

भविष्य में लैब में जीवन बनाने का खुल सकता है रास्ता?

न्यूयॉर्क

लंबे समय से वैज्ञानिकों के लिए एक सवाल शोध का विषय बना हुआ है, वह सवाल है क्या प्रयोगशाला में कृत्रिम तरीके से जीवन की शुरुआत संभव है? इस दिशा में अमेरिका के मिनेसोटा विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। वैज्ञानिकों ने स्पडसेल नामक एक सिंथेटिक कोशिका विकसित की है, जो पोषक तत्वों का उपयोग कर सकती है, अपना डीएनए कॉपी कर सकती है और कई पीढ़ियों तक अपनी गतिविधियां जारी रखने में सक्षम है। हालाँकि अमेरिकी वैज्ञानिकों ने इसे प्रयोगशाला में इंसान बनाने की दिशा में उपलब्धि नहीं बताया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह कृत्रिम जीवन की कार्यप्रणाली को समझने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। शोधकर्ताओं के अनुसार स्पडसेल एक रासायनिक रूप से परिभाषित कृत्रिम कोशिका है। इसका अर्थ है कि इसके प्रत्येक घटक और उसे तैयार करने की पूरी प्रक्रिया वैज्ञानिकों के नियंत्रण में है। यही विशेषता इसे पहले विकसित की गई कई सिंथेटिक कोशिकाओं से अलग बनाती है। स्पडसेल पूरी तरह प्रयोगशाला में तैयार की गई एक कृत्रिम कोशिका है। इसकी बाहरी परत वसा से बनी एक झिल्ली होती है, जिसे लिपोसोम कहा जाता है। यह झिल्ली प्राकृतिक कोशिकाओं की तरह भीतर और बाहर

के वातावरण के बीच अवरोध का कार्य करती है।

इसके अंदर वैज्ञानिकों ने एक छोटा डीएनए जीनोम रखा है, जो आवश्यक प्रोटीन बनाने के निर्देश देता है। यह किसी जीवित जीव से ली गई कोशिका नहीं है, बल्कि विभिन्न रासायनिक घटकों को जोड़कर बनाई गई एक प्रयोगात्मक प्रणाली है। इस शोध की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें किसी जीवित कोशिका को आधार नहीं बनाया गया। अब तक अधिकांश सिंथेटिक कोशिका प्रयोगों में पहले से मौजूद जीवित कोशिकाओं के जीन हटाकर न्यूनतम जीवन प्रणाली को समझने का प्रयास किया जाता था। इसके विपरीत, स्पडसेल को पूरी तरह कृत्रिम रूप से तैयार किया गया है और इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह कोशिका जैसी मूलभूत गतिविधियां कर सके। हालांकि स्पडसेल स्वयं भोजन खोजकर ग्रहण नहीं कर सकती। वैज्ञानिक समय-समय पर इसे विशेष पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं, जिनकी मदद से यह प्रोटीन बनाती है और धीरे-धीरे आकार में बढ़ती है। इसके बाद यह अपना डीएनए कॉपी करती है और दो हिस्सों में विभाजित हो जाती है। शोधकर्ताओं के अनुसार यह प्रक्रिया लगातार पांच पीढ़ियों तक सफलतापूर्वक दोहराई गई, जिससे पता चलता है कि यह केवल एक बार होने वाली प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि नियंत्रित परिस्थितियों में स्वयं को दोहराने वाली प्रणाली है। इसके बावजूद वैज्ञानिक इसे जीवित कोशिका मानने से इनकार करते हैं।

उनका कहना है कि स्पडसेल अभी पूरी तरह स्वतंत्र नहीं है। इसके संचालन के लिए नियंत्रित प्रयोगशाला वातावरण, बाहरी पोषक तत्व और वैज्ञानिकों की लगातार निगरानी आवश्यक है। इसलिए इसे जीवित जीव नहीं, बल्कि जीवन की मूलभूत प्रक्रियाओं को समझने के लिए विकसित किया गया एक उन्नत वैज्ञानिक मॉडल माना जा रहा है। कृत्रिम कोशिकाओं पर शोध नया नहीं है। वर्ष 1957 में कनाडाई वैज्ञानिक थॉमस मिंग स्वी चांग ने पहली कृत्रिम कोशिकाओं का विकास किया था। इसके बाद वर्ष 2010 में जे. क्रेग वेंटर संस्थान ने सिंथेटिक बैक्टीरियल कोशिका तैयार कर इस क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि हासिल की थी।

ईरान से दो-दो हाथ करेगा पाकिस्तान सऊदी अरब के समर्थन का ऐलान

इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब और लाल सागर में व्यावसायिक जहाजों के खिलाफ दी गई हालिया धमकियों की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश कार्यालय द्वारा जारी आधिकारिक बयान में इन धमकियों को अंतरराष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन करार दिया गया है। पाकिस्तान ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि वह सऊदी अरब के साथ होने वाले व्यापार या वाणिज्यिक नौवहन को निशाना बनाने वाली किसी भी हरकत को बर्दाश्त नहीं करेगा। यह बयान हूतियों की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने सऊदी अरब पर तत्काल समुद्री नाकाबंदी लगाने की धमकी दी थी।

विदेश कार्यालय ने साफ किया कि सऊदी अरब के बंदरगाहों तक पहुंच रोकने की कोई भी कोशिश क्षेत्रीय सुरक्षा, नौवहन की स्वतंत्रता और वैश्विक व्यापार के लिए बड़ा खतरा है। पाकिस्तान ने कहा कि उसके ध्वजवाहक जहाजों या समुद्री हितों के खिलाफ किसी भी कदम को राष्ट्रीय सुरक्षा पर गंभीर संकट माना जाएगा। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी समुद्री परिसंपत्तियों और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए आत्मरक्षा सहित सभी आवश्यक कदम उठाने का अधिकार सुरक्षित रखा है। पाकिस्तान ने सऊदी अरब की सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता दोहराई है। गौरतलब है कि दोनों देशों के बीच सितंबर 2025 में हुए सामरिक सहयोग और पारस्परिक रक्षा समझौते के तहत किसी एक देश पर हमला दोनों पर हमला माना जाएगा। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ भी हाल ही में सऊदी अरब पर हुए हूती मिसाइल हमलों की निंदा कर चुके हैं। हालांकि, अमेरिका-ईरान तनाव के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे पाकिस्तान के लिए इस संघर्ष में तटस्थ रहना चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। यमन के हूतियों को ईरान का प्रत्यक्ष समर्थन हासिल है, ऐसे में हूतियों पर पाकिस्तान की किसी भी संभावित कार्रवाई का सीधा असर ईरान के साथ उसके संबंधों पर पड़ सकता है। इस बीच, हूतियों की धमकियों के चलते लाल सागर में सुरक्षा चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। सऊदी क्रूड तेल ले जा रहे तीन टैंकरों को लाल सागर में मार्ग बदलकर स्वेज नहर की ओर रुख करना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी चेतावनी दी है कि यदि हूती नाकाबंदी लागू करते हैं, तो अमेरिका सख्त कदम उठाएगा। इन घटनाक्रमों से मध्य-पूर्व में तनाव और गहरा गया है।

श्रीलंका में मच्छरों से निपटने के लिए सेना ने तैनात किए ड्रोन

कोलंबो। 2016 में मलेरिया मुक्त घोषित हो चुके श्रीलंका में इस समय डेंगू मच्छर का भयानक प्रकोप देखने को मिल रहा है। जनवरी से अब तक देश भर में 76,000 से अधिक डेंगू के मामले सामने आ चुके हैं, जबकि 53 लोगों की जान जा चुकी है। स्थिति इतनी विकट हो चुकी है कि राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके की सरकार ने मच्छरों के प्रजनन स्थलों का पता लगाने के लिए वायुसेना के सैन्य ड्रोनों को मैदान में उतार दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, सबसे अधिक मामले राजधानी कोलंबो में दर्ज किए गए हैं।जुलाई के शुरुआती दो हफ्तों में ही 18,000 से अधिक नए मरीज सामने आए हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस नए प्रकोप के लिए डेंगू के सबसे घातक वैरिएंट डीईएनवी-2 को जिम्मेदार ठहराया है, जो लगभग 75 प्रतिशत मामलों में पाया गया। चक्रवाती तूफानों के बाद हुए जलभराव से एडीज मच्छरों के पनपने की अनुकूल स्थितियाँ हैं। हालात पर काबू पाने वायुसेना के ड्रोन छतों और दुर्गम स्थानों पर जमा पानी की निगरानी कर रहे हैं। वहीं पुलिस और सार्वजनिक स्वास्थ्य कर्मचारियों की टीमें घरों, स्कूलों और व्यावसायिक परिसरों का गहन निरीक्षण कर रही हैं।

ओडिशा सरकार पुरी की जगन्नाथ मंदिर की 60 हजार एकड़ जमीन लेगी वापस

भुवनेश्वर

ओडिशा सरकार ने भगवान जगन्नाथ की सालों से अतिक्रमण या कानूनी विवादों में फंसी भूमि को वापस लेने और उसका निपटारा करने के लिए एक बड़ी पहल की है। राज्य सरकार ने ओडिशा और छह अन्य राज्यों में मौजूद जगन्नाथ मंदिर, पुरी की 60,426 एकड़ से ज्यादा भूमि की पहचान की है। इसमें से करीब 395.252 एकड़ भूमि राज्य के बाहर मौजूद हैं। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राजस्व बोर्ड, राजस्व मंडल आयुक्तों और जिला प्रशासनों को निर्देश दिया है कि जगन्नाथ मंदिर प्रशासन द्वारा कई तहसीलों में दायर 11,675 राजस्व मामलों का तेजी से निपटारा सुनिश्चित करें ताकि भूमि को वापस लिया जा सके। राजस्व विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अरविंद कुमार पाढ़ी ने अधिकारियों से कहा कि खुर्दा, पुरी, जगतसिंहपुर, बालासोर, भद्रक, जाजपुर, गंजम, कटक और केंद्रपाड़ा जिलों में काफी समय से लंबित राजस्व मामलों के शीघ्र निपटान को पहली प्राथमिकता दी जाए।

अतिक्रमण या कानूनी विवादों में फंसी भूमि निपटारा करने एक बड़ी पहल

पाढ़ी ने अधिकारियों को लिखे एक पत्र में कहा, 'भगवान जगन्नाथ की भूमि के संरक्षण और प्रबंधन से संबंधित तमाम मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि जिला प्रशासन उन संपत्तियों की सुरक्षा के लिए तुरंत हस्तक्षेप करे और कानून के मुताबिक उचित सुरक्षा सुनिश्चित करे। सरकार उन मामलों में एक वैकल्पिक दृष्टिकोण अपनाने पर भी विचार कर रही है जहां मंदिर की भूमि कई सालों से निजी कब्जे में है। प्रस्तावित ढांचे के तहत जिन लोगों ने मंदिर की भूमि का लंबे समय से अतिक्रमण कर रखा है उन्हें तय जुर्माना एवं देय राशि के भुगतान के साथ कानूनी स्वामित्व हासिल करने की अनुमति दी जा सकती है।

अधिकारियों ने कहा कि अतिक्रमण वाले हर भूखंड को भौतिक तौर पर दोबारा हासिल करना मुश्किल हो सकता है। ऐसा खास तौर पर उन मामलो में हो सकता है जहां निजी इमारतें और बस्तियां लंबे समय से बनी हुई हैं। इसलिए जुर्माना एवं अन्य शुल्क के जरिये स्वामित्व हस्तांतरित करने की योजनाएं हैं। आवश्यक भुगतान और कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद औपचारिक तौर पर कब्जाधारियों के नाम पर भूमि दर्ज कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह निपटान मॉडल लंबे समय से कब्जाधारियों को बेदखल करने में शामिल व्यावहारिक कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए प्रस्तावित किया गया है। मूल्यवान भूमि को लंबे समय से चले आ रहे मुकदमेबाजी या अतिक्रमण विवादों में फंसाए रखने के बजाय सरकार कानूनी रूप से विनियमित प्रक्रिया के जरिये संपत्तियों का मुद्रीकरण करने की योजना बना रही है।

बंगाल के मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भ्रष्टाचार के खिलाफ दी चेतावनी

कोलकाता, (वार्ता)

पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले में एक ट्रक ड्राइवर से कथित तौर पर रिश्वत मांगने के आरोप में दो मोटर वाहन निरीक्षकों को निलंबित किए जाने के बाद के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को सरकारी अधिकारियों को भ्रष्टाचार और उत्पीड़न के खिलाफ चेतावनी दी। मुख्यमंत्री अधिकारी ने दोनों अधिकारियों का निलंबन आदेश सोशल मीडिया पर जारी करते हुए लिखा, भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस- कानून से ऊपर कोई नहीं है। मुख्यमंत्री के अनुसार, ट्रक मालिक और चालक ने शिकायत

की थी कि सर्विसिंग के बाद गैरेज लौट रहे वाहन को पश्चिम वर्धमान के रामपुर चेकपोस्ट पर दो निरीक्षकों ने रोक लिया और उनसे कथित तौर पर रिश्वत मांगी गई। मना करने पर अधिकारियों ने ट्रक को जब्त कर लिया और 22,000 रुपये के भुगतान की मांग की। शिकायत मिलने के बाद, परिवहन विभाग ने रामपुर चेकपोस्ट पर तैनात दोनों निरीक्षकों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। अधिकारी ने निलंबित अधिकारियों की पहचान नाजिमुल हक और अनुपम बनर्जी के रूप में की।

मुख्यमंत्री के पोस्ट के अनुसार, आपराधिक जांच और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए शिकायतों को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भी भेज दिया गया है।

गलत तरीके से रोके गए वाहनों को छोड़ने के निर्देश जारी किए गए हैं, जबकि सरकार ने अधिकारियों को ट्रांसपोर्टरों को परेशान न करने की चेतावनी दी गयी है।

2000 साल पुराने 18 मकबरे से मिली 24 सोने की जीभें, वैज्ञानिक हैरान

काहिरा

मिस्र के पर्यटन और पुरातत्व मंत्रालय ने अलेक्जेंड्रिया के पास मरीना अल-अलामीन में 18 प्राचीन मकबरों की खोज की है। इस खुदाई में सबसे हैरान करने वाली खोज 24 सोने की जीभें हैं। इन्हें देखकर पुरातत्वविद भी अचंभित रह गए, क्योंकि प्राचीन मिस्र में इन्हें केवल सजावट नहीं, बल्कि परलोक से जुड़ी एक विशेष मान्यता का हिस्सा माना जाता था। ये मकबरे टॉलेमिक (322 से 30 ईसा पूर्व) और रोमन काल (30 ईसा पूर्व से 395 ईस्वी) के बताए जा रहे हैं, जो प्राचीन सभ्यताओं के बारे में नई जानकारी प्रदान करते हैं। प्राचीन मिस्रवासी सोने को देवताओं का शरीर मानते थे और उनका विश्वास था कि यदि मृतक (ममी) के मुंह में सोने की जीभ रख दी जाए, तो वे परलोक में देवताओं से संवाद करने में सक्षम होंगे। ये सोने की जीभें एक प्रकार का ताबीज मानी जाती थीं, जो मृतकों को अगली दुनिया में संवाद करने में मदद करती थीं।

दिलचस्प बात यह है कि हाल ही में मिली सोने की जीभों में से एक का आकार होरस की आँख जैसा है, जिसे बुराई को दूर करने का प्रतीक माना जाता था। होरस बाज के सिर वाला एक देवता था, जिसका संबंध आकाश और युद्ध से था, और उसकी आँख के आकार की कलाकृतियाँ अक्सर मिस्र में बुराई को भगाने के लिए उपयोग की जाती थीं। हालांकि, पुरातत्वविदों का मानना है कि इन कलाकृतियों में से कुछ वास्तव में सोने की जीभें हैं

या नहीं, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। केवल सोने की जीभ ही नहीं, खोज के दौरान 8.2 फुट (2.5 मीटर) लंबा एक विशाल ग्रेनाइट का ताबूत भी मिला है, जिसका ढक्कन सदियों बाद भी बंद था। इसे खोलने के बाद विशेषज्ञ अब अंदर मिले अवशेषों की बारीकी से जांच कर रहे हैं। इसके अलावा, प्रेम और सौंदर्य की यूनानी देवी एफ्रोडाइट की एक अधूरी मूर्ति भी प्राप्त हुई है, जो उस समय के मिस्र में ग्रीक संस्कृति के गहरे प्रभाव को उजागर करती है। मरीना अल-अलामीन में काम करने वाली पोलिश-मिस्र पुरातात्विक मिशन की निदेशक डोरोटा ने बताया कि यह स्थान एक बहुत ही विविध समुदाय का था, जहाँ मिस्र की पारंपरिक रस्में और ग्रीको-रोमन परंपराएँ आपस में मिली हुई थीं।

मकबरों के पास नकली दरवाजे और वेदी का मिलना इस बात का प्रमाण है कि लोग उस समय भी मृत्यु के बाद के जीवन को लेकर कितने गंभीर और धार्मिक थे। हालांकि यह खोज बेहद रोमांचक है, लेकिन कुछ विशेषज्ञों का मानना है किकलाकृतियों का और अधिक विश्लेषण आवश्यक है। इटली के वेरोना विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर एटिलियो मास्ट्रोसिंके का कहना है कि कुछ वस्तुएं सोने की जीभ के बजाय गेहूं की बाली जैसी दिखती हैं, जो उस समय उर्वरता का प्रतीक मानी जाती थीं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

मनोज कुमार ने देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण फिल्मों के जरिये दर्शकों के दिलों पर राज किया

भारतीय सिनेमा जगत में मनोज कुमार का नाम ऐसे फिल्मकार-अभिनेता के रूप में याद किया जाता है, जिन्होंने देशभक्ति की भावना से परिपूर्ण फिल्मों के जरिये दर्शकों के दिलों पर राज किया। 24 जुलाई 1937 को जन्मे मनोज कुमार ने अपने सशक्त अभिनय और देशभक्ति से ओतप्रोत फिल्मों के बल पर भारतीय सिनेमा में एक विशिष्ट स्थान बनाया। अपने फिल्मी सफर में उन्होंने ऐसी कई यादगार फिल्मों का निर्माण और निर्देशन किया, जिन्होंने उन्हें 'भारत कुमार' के नाम से अमर कर दिया। मनोज कुमार का मूल नाम हरिकिशन गिरी गोस्वामी था। उनका जन्म तत्कालीन अविभाजित भारत के एबटाबाद (अब पाकिस्तान) में हुआ था। देश के विभाजन के बाद उनका परिवार राजस्थान के हनुमानगढ़ होते हुए दिल्ली में आकर बस गया। बचपन के दिनों में उन्होंने दिलीप कुमार अभिनीत फिल्म 'शबनम' देखी थी। फिल्म में दिलीप कुमार के निभाए किरदार 'मनोज' से वह इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अपना नाम मनोज कुमार रख लिया और अभिनेता बनने का सपना संजो लिया।

मनोज कुमार ने दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदू कॉलेज से स्नातक की शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद वह अभिनेता बनने का सपना लेकर मुंबई पहुंचे। बतौर अभिनेता उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1957 में प्रदर्शित फिल्म 'फैशन' से की, जिसमें उनकी छोटी-सी भूमिका थी। शुरुआती वर्षों में उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। 1957 से 1962 के बीच उन्होंने 'कांच की गुड़िया', 'रेशमी रूमाल', 'सहारा', 'पंचायत', 'सुहाग सिंदूर', 'हनीमून' और 'पिया मिलन की आस' जैसी फिल्मों में काम किया, लेकिन इनमें से कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उल्लेखनीय सफलता हासिल नहीं कर सकी। मनोज कुमार के अभिनय का सितारा 1962 में प्रदर्शित निर्माता-निर्देशक विजय भट्ट की फिल्म 'हरियाली

और रास्ता' से चमका। फिल्म में उनके साथ माला सिन्हा थीं और दोनों की जोड़ी को दर्शकों ने बेहद पसंद किया। इसके बाद 1964 में प्रदर्शित रहस्य-रोमांच से भरपूर फिल्म 'वह कौन थी' ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ा दिया। इस फिल्म में साधना के साथ उनकी जोड़ी दर्शकों को खूब पसंद आई। 1965 मनोज कुमार के करियर का बेहद महत्वपूर्ण साबित हुआ। इस दौरान उनकी फिल्में 'गुमनाम', 'हिमालय की गोद में' और 'शहीद' प्रदर्शित हुईं। 'शहीद' में उन्होंने शहीद-ए-आजम भगत सिंह की भूमिका को बड़े प्रभावशाली ढंग से निभाया। देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत इस फिल्म के गीत और संवाद आज भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हैं। 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने 'जय जवान, जय किसान' का नारा दिया और मनोज कुमार को इस विषय पर फिल्म बनाने की प्रेरणा दी। इसके परिणामस्वरूप 1967 में फिल्म 'उपकार' बनी। इस फिल्म में मनोज कुमार ने किसान और जवान दोनों की भूमिका निभाई। उनके किरदार 'भारत' को इतनी लोकप्रियता मिली कि वह आगे चलकर 'भारत कुमार' के नाम से प्रसिद्ध हो गए। 1970 में मनोज कुमार के निर्माण और निर्देशन में बनी फिल्म 'पूरब और पश्चिम' प्रदर्शित हुई। इस फिल्म में उन्होंने भारतीय संस्कृति और पश्चिमी जीवन शैली के बीच के अंतर को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसके बाद 1972 में 'शोर' और 1974 में 'रोटी कपड़ा और मकान' जैसी फिल्मों के माध्यम से उन्होंने सामाजिक और आर्थिक मुद्दों को बड़े पर्दे पर उठाया। 'रोटी कपड़ा और मकान' को भारतीय समाज की ज्वलंत समस्याओं को चित्रित करने वाली महत्वपूर्ण फिल्मों में गिना जाता है। 1976 में प्रदर्शित फिल्म 'दस नंबरी' की सफलता के बाद मनोज कुमार ने कुछ समय के लिए फिल्मों से दूरी बना ली। 1981 में उन्होंने 'क्रांति' के जरिए शानदार वापसी की। इस फिल्म में उनके साथ उनके आदर्श अभिनेता दिलीप कुमार भी नजर आए। देशभक्ति से ओतप्रोत इस फिल्म को जबरदस्त सफलता मिली और यह उस दौर की सबसे सफल फिल्मों में शामिल हुई।

1983 में उन्होंने अपने पुत्र कुणाल गोस्वामी को फिल्म उद्योग में स्थापित करने के उद्देश्य से 'पेंटर बाबू' का निर्माण किया, लेकिन फिल्म सफल नहीं हो सकी। इसके बाद 1989 में उन्होंने 'क्लर्क' का निर्माण और निर्देशन किया, किंतु यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पाई। 1999 में प्रदर्शित 'जय हिंद' बतौर निर्माता-निर्देशक उनकी अंतिम फिल्म साबित हुई। मनोज कुमार को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। उन्हें सात फिल्मफेयर पुरस्कार प्राप्त हुए। भारत सरकार ने 1992 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया। इसके अलावा उन्हें 2016 में भारतीय सिनेमा के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से भी नवाजा गया।चार अप्रैल 2025 को मनोज कुमार का निधन हो गया।

'यादें' में टू-व्हीलर पर एंट्री को लेकर उत्साहित हैं छवि पांडे

सोनी सब के लोकप्रिय शो 'यादें' में अभिनेत्री छवि पांडे की एंट्री होने जा रही है। शो में छवि पांडे, डॉ. प्रीति देशमुख की भूमिका निभा रही हैं, जिसकी एंट्री एक स्टाइलिश स्कूटर पर दिखाई जाएगी। निर्माताओं के अनुसार डॉ. प्रीति का किरदार आत्मविश्वासी, ऊर्जावान और बेफिक्र व्यक्तित्व वाला है, जिसकी झलक उनकी पहली एंट्री में ही देखने को मिलेगी। यह किरदार शो में डॉ. देव और डॉ. सृष्टि (गुलकी जोशी) के बीच के समीकरण को भी प्रभावित करेगा। कॉलेज रीयूनियन के दौरान फिल्माए गए इस विशेष दृश्य में डॉ. प्रीति स्कूटर पर सवार होकर प्रवेश करती हैं। हालांकि स्क्रीन पर यह दृश्य सहज दिखाई देता है, लेकिन इसके लिए कई बार रिहर्सल की गई, जिससे हर मूवमेंट और कैमरा एंगल सटीक रहे। छवि पांडे ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, हर कलाकार चाहता है कि उसकी एंट्री दर्शकों को याद रहे और मेरे लिए इससे ज्यादा मजेदार एंट्री और कुछ नहीं हो सकती थी। स्कूटर चलाने से मुझे तुरंत अपने किरदार की ऊर्जा और आत्मविश्वास का एहसास हुआ। शुरुआत में मैं थोड़ी नर्वस थी, लेकिन यह मेरे सबसे मजेदार शूट्स में से एक बन गया। उन्होंने कहा कि ऐसे छोटे-छोटे पल शूटिंग के अनुभव को खास बना देते हैं और उन्हें उम्मीद है कि दर्शक भी डॉ. प्रीति की एंट्री को उतना ही पसंद करेंगे, जितना कलाकारों और टीम ने इसे फिल्माते समय किया।

श्रेयस तलपड़े और काजल अग्रवाल ने दर्शकों से की 'द इंडिया स्टोरी' देखने की अपील की

श्रेयस तलपड़े और अभिनेत्री काजल अग्रवाल ने अपनी आगामी फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' को लेकर दर्शकों से खास अपील की है। दोनों कलाकारों ने फिल्म के जरिए कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल वाली खेती और उससे जुड़े जनस्वास्थ्य के मुद्दे पर जागरूकता फैलाने की कोशिश की है।जी स्टूडियोज और एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से प्रस्तुत इस फिल्म का निर्देशन चेतन डीके ने किया है, जबकि कहानी और निर्माण सागर बी. शिंदे ने किया है। यह फिल्म 24 जुलाई 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में हिंदी, तेलुगु और तमिल भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म की एडवांस बुकिंग 23 जुलाई से शुरू हो गई है। काजल अग्रवाल ने फिल्म के बारे में कहा कि 'द इंडिया स्टोरी' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक ऐसे विषय पर चर्चा शुरू करने का प्रयास है, जो करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करता है।

स्वतंत्र मत
जबलपुर

नगर पालिका परिषद की बैठक सम्पन्न

बैठक में 11 विषयों पर चर्चा के बाद प्रस्ताव पारित

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

गुरूवार को नगर पालिका परिषद के सभागार कक्ष में परिषद की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें नपा अध्यक्ष, मुख्य नपा अधिकारी, नगर के 24 वार्डों के पार्षदगण सभापति एवं नगर पालिका अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नगर विकास को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही परिषद की बैठक में सामग्री क्रय, निविदा आमंत्रण से लेकर आय व्यय को लेकर आपसी सहमति के बाद प्रस्तुत प्रस्तावों को पारित किया गया।

परिषद की बैठक के विषय में कुल 11 एजेण्डे शामिल किये गये थे, जिसमें नगरीय क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रमों हेतु टेंट एवं साउण्ड सामग्री के लिये निविदा आमंत्रित किये जाने, नगर के प्रमुख स्थानों पर एलईडी डिस्प्ले बोर्ड एवं फ्लेक्स लगाने के

वार्षिक निविदा आमंत्रित किये जाने हेतु, विद्युत में उपयोग किये जाने वाली सामग्री का निविदा आमंत्रित किये जाने, नपा कर्मचारियों के बकाया वेतन भुगतान के संबंध में, इंडोर स्पोर्टस काम्पलेक्स कार्य की समयावधि बढ़ाने के संबंध में, खेल मैदान एवं एएचपी निर्माण के संबंध में, वित्तीय वर्ष हेतु निकाय में आव शयकतानुसार कर्मचारियों को आउटसोर्स प्रिक्रिया के तहत लगाये जाने के संबंध में, राजेन्द्र बाबू वार्ड में टंगना पुल से मुन्नालाल मरैया इमलिया तक सीसी रोड निर्माण किये जाने के संबंध में एवं नगर से गुजरने वाले नाले एवं नालियों को एकत्रित करते हुये वॉटर ट्रीटमेंट कर शक्कर नदी में पहुंचाने के संबंध में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाये जाने हेतु न्यूनतम दर पर निविदा आमंत्रित किये जाने के संबंध में प्रकरण विचारार्थ प्रस्तुत किये गये थे। एजेंण्डे में शामिल सभी विषयों पर विस्तृत चर्चा उपरांत पार्षदों की सहमति से पारित किये गये। इसके साथ ही अध्यक्ष महोदय की अनुमति से नगर के नये बस स्टैण्ड में शेष बची दुकानों की नीलामी आदि पर भी विस्तृत चर्चा कर प्रस्ताव पारित किये।

बैठक में प्रमुख रूप से नपा अध्यक्ष पं. ष- शिवाकांत मिश्रा, मुख्य नपा अधिकारी श्रीमति रितु मेहरा, नेता प्रतिपक्ष जिनेश जैन, सभापति पार्षद आनंद दुबे, सुरेन्द्र गुर्जर, शुभम् राजपूत, चंचल कोरी, श्रीमति पूजा राधामोहन तिवारी, जितेन्द्र जायसवाल, आरती विशवकर्मा, अर्चना धानक, श्रीमति सुबी आयुष जैन, श्रीमति गीता चौकसे सहित निकाय के समस्त विभागों के प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

नशे के सौदागरों पर पुलिस का शिकंजा, 792 ट्रामाडोल टैबलेट के साथ आरोपी गिरफ्तार

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)। नगर में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वालों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। अवैध मादक पदार्थों और प्रतिबंधित दवाओं की तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना ब्यौहारी पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए स्थानीय युवक सुजीत उर्फ गोलू सोनी को 792 ट्रामाडोल टैबलेट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की इस कार्रवाई से नशे के अवैध कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मच गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में प्रतिबंधित नशीली दवाओं का अवैध कारोबार किया जा रहा है। सूचना के आधार पर 21 जुलाई को थाना ब्यौहारी पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान सुजीत उर्फ गोलू सोनी, पिता गोरेलाल सोनी, निवासी ब्यौहारी के कब्जे की तलाशी लेने पर 792 ट्रामाडोल टैबलेट बरामद हुई। ज्ञात हो ट्रामाडोल एक नियंत्रित दवा है, जिसका दुरुपयोग नशे के रूप में किया जाता है और बिना वैध अनुमति इसके अवैध भंडारण एवं बिक्री पर कानूनन प्रतिबंध है।

बाल कैबिनेट का हुआ गठन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर चटुआमार में शिक्षा सत्र 2026-27 के लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत बाल कैबिनेट का गठन किया गया। प्राचार्य श्रीमती जागृति श्रीवास्तव के निर्देशन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नवगठित बाल कैबिनेट के बाल प्रधानमंत्री - नंदिनी कुर्राम कक्षा 12वीं उप-प्रधानमंत्री सीता दहिया कक्षा 11वीं शिक्षा एवं अनुशासन मंत्री हेविना धुर्वे कक्षा 12वीं स्वास्थ्य एवं स्वच्छता मंत्री अंजली उइके कक्षा 12वीं जल एवं कृषि मंत्री रागिनी मरावी कक्षा 12वीं खेल एवं सांस्कृतिक मंत्री आयुषी पदम कक्षा 12वीं पुस्तकालय एवं विज्ञान मंत्री प्रिया मरावी कक्षा 12वीं आपदा प्रबंधन एवं पर्यावरण मंत्री हिमानी धुर्वे कक्षा 12वीं पदाधिकारियों का सम्मान किया गया तथा उन्हें अपने दायित्वों के निष्ठापूर्वक निर्वहन एवं पद की गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

बाघ संरक्षण पर सेंट्रल एकेडमी स्कूल में हुये पेंटिंग और प्रदर्शनी जा आयोजन

उमरिया (स्वतंत्रमत)

सेन्ट्रल एकेडमी इंग्लिश मीडियम स्कूल उमरिया (म.प्र.) के तत्वाधान में गुरुवार 23 जुलाई को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ओर से विद्यार्थियों में वन्यजीव संरक्षण एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से श्बाघ संरक्षणश् विषय पर पेटिंग प्रतियों गिता तथा प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अनुपम सहाय क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व उमरिया तथा विद्यालय के प्राचार्या श्रीमती सोनिया मिश्रा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समन्वयक समीर बनर्जी तथा मैनेजर हिमांशू तिवारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बाघ संरक्षण एवं वन्यजीवों के महत्व विषय पर जानकारीपूर्ण प्रदर्शनी के माध्यम से सभी कक्षाओं के छात्रों को बांघों के संरक्षण जंगलों के महत्व जैव विविधता तथा पर्यावरण संतुलन के बारे में जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को बताया कि

बाघ केवल एक वन्यजीव नहीं, बल्कि पूरे वन पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण का प्रतीक है। वही दूसरी ओर चित्रकला प्रतियोगिता के माध्यम से विद्याधियों ने बाघ, जंगल और जैव विविधता से संबंधित आकर्षक एवं रचनात्मक चित्र बनाकर अपनी प्रतिभा परिचय दिया। इस महत्वपूर्ण जानकारी को लेकर छात्रों में अति उत्साह देखा गया। इस प्रतियोगिता में कनक गुप्ता कक्षा 10वी. प्रथम वीर धनराज कक्षा 10 वी द्वितीय, और अभिमन्यु सिंह यादव कक्षा 10वी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेता छात्रा को बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व की ओर से प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के विशेषज्ञों द्वारा विद्याधियों को प्रकृति एवं वन्यजीवों के संरक्षण के लिए प्रेरित किया गया। अंत में सभी ने वन एवं वन्य जीव संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा पर्यावरण की रक्षा करने का संकल्प लिया।

लेखन सामग्री का वितरण

नरसिंहपुर। लीनेश वीरांगना क्लब की एरिया आफिसर लीनेस रुप कला कटारे के तत्वावधान में ग्राम सिमरिया प्राथमिक विद्यालय में लेखन सामग्री का वितरण किया गया शाला की प्रधानपाठिका अरुणा सोनी, शिक्षक काजल किरण साहू से सौजन्य भेंट की बच्चों से परिचय लिया ओर उनसे मानसुन विषय पर चर्चा की एवं मानसुन विषय पर वही बच्चो से ड्राइंग कॉम्पिटिशन भी कराया जिसमे प्रथम स्थान अबिका चौधरी , दुत्तीय अंशिका चौधरी तृतीय अनन्या यादव ने प्राप्त किया । बच्चो को भी सांत्वना पुरस्कार दिए। शाला के सभी बच्चों को थ्री ईन वन कापी पेन का वितरण किया।शाला परिसर का अवलोकन किया जो की वहुत जर जर अवस्था मे हे ग्राम पंचायत का ध्यान इस ओर दिलाने का आश्वासन अध्यक्ष ली.पूनम जैन ने कहा जहां लाइट पंखा किसी भी सुविधा से वंचित हे यह स्कूल पंचायत का ध्यान इस ओर होना चाहिए। इस अवसर पर एरिया आफिसर रुप कला कटारे ,अध्यक्ष पूनम जैन, माइक्रो चेयरपर्सन सविता महोविया , कोषाध्यक्ष रजनी राजोरिया, प्रीती गोस्वामी ,.रेनु नोरिया , कविता पटेल ,.माधुरी यादव एवं लीनेस क्लब को ज्वाईन करने वाली हे छाया मुड़िया मौजूद थीं।

स्वरांजलि कार्यक्रम में मुकेश को किया याद

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)

सुरों के सरताज सदाबहार गायक मुकेश जी की 103 वीं जयंती पर बुधवार की रात नगर में संगीत की महफ़िल सजाई गई । स्थानीय कलाकारों ने स्वरांजलि देकर महान गायक मुकेश जी को याद किया और उनकी यादों को गीतों के जरिए जीवंत कर दिया। अंचल तिवारी के फार्म हाउस पर आयोजित कार्यक्रम में जिले भर से जुटे संगीत प्रेमियों ने मुकेश जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्वरांजलि सभा की खास बात यह रही कि जिले के ऐसे गायक मंच पर आए जिन्हें खुद मुकेश जी के नाम से जाना जाता है वो है गायक आर एस मेहरा जिन्होंने मंच की शुरुआत ही मुकेश जी के गीतों से की। चल अकेला चल अकेला और ओ महबूबा तेरे दिल के पास ही मेरी मंजिल है की प्रस्तुति पर तालियों की गड़गड़ाहट गूंजती रही। गायक अंचल तिवारी ने आंसू भरी है ये जीवन की राह गाकर शमा बांध दिया । गजेंद्र पंड्या ने जुवा पे दर्द भरी दास्तां चली आई पेश किया तो सूरज मेहरा ने धीरे री चलो मोरी, आ लौट के आजा ओ जाने वाले और चंदन सा बदन गीतों से शमा बांधा । गायक पिंटू तिवारी ने भी अपनी आवाज से सबको मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने जाने चले जाते हैं कहा दुनिया से जाने वाले और सारंगा तेरी याद में गाकर

मुकेश जी को सच्ची श्रद्धांजलि दी। इसके बाद एक के बाद एक मुकेश जी के सदाबहार गीतों की झड़ी लगी रही । तौबा ये मतवाली चाल, चांद सी महबूबा हो मेरी , जाने कहां गए वो दिन, तेरे होंठों के दो फूल प्यारे प्यारे , ये मेरा दीवानापन है, फूल तुम्हें भेजा है खत मे, दीवानों से ये मत पूछो, झूमती चली हवा और कहीं दूर जब दिन ढल जाए जैसे गीतों ने पूरी महफिल को मुकेशमयी बना दिया था । कार्यक्रम में मौजूद संगीत प्रेमियों ने कहा कि मुकेश जी सिर्फ गायक नहीं थे, वो एक नेक दिल इंशान थे ।उनकी आवाज में दर्द, मोहब्बत और जिंदगी तीनों बसते थे। कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों ने एक साथ कभी कभी मेरे दिल में ख्याल आता है गीत गाकर स्वरांजलि कार्यक्रम का समापन किया।

सांगई के स्कूल में मनाई लोकमान्य तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद जयंती

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। गुरुवार को ग्राम सांगई की एकीकृत शासकीय नवीन माध्यमिक शाला में क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद एवं लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक की जयंती मनाई गईं। कार्यक्रम में सर्वप्रथम शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने श्री तिलक एवं श्री आजाद के चित्रों पर तिलक लगाकर एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रभारी प्रधानपाठक मधुसूदन पटैल ने महापुरुषो की जीवनी पर अपने विचार रखते हुए कहा कि लोकमान्य तिलक भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वे सूर्य थे जिन्होंने देशवासियों के मन से भय को मिटा दिया। वे जानते थे कि जब तक भारतवासी अपने अधिकार और अपनी संस्कृति को नहीं पहचानेंगे तब तक आज़ादी असंभव है। प्राथमिक शिक्षक विवेक नाईक ने कहा कि तिलक जी ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ केसरी% और मराठा% अखबारों के माध्यम से जनता में क्रांति की अलख जगाई। उन्होंने ? स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगाका नारा दिया था। इस कार्यक्रम में अतिथि शिक्षक चंद्रभूषण नामदेव ने कहा कि ?यदि तिलक जी ने विचारों की क्रांति से

स्वराज की मांग की तो चंद्रशेखर आजाद ने उस मांग में अपने प्राणों का होम करने का संकल्प लिया। उन्होंने दुश्मन की गोलियों का हम सामना करेंगे, आजाद ही रहे हैं, आजाद ही रहेंगे! का नारा दिया था। कार्यक्रम में शिक्षक देवेंद्र ठाकुर, किरणलता ठाकुर सहित छात्र छात्रायें उपस्थित रहे।

स्वर्गीय आरक्षक के पुत्र को अनुकंपा नियुक्ति

पुलिस अधीक्षक ने बाल आरक्षक पद का नियुक्ति पत्र किया प्रदान

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस विभाग अपने कर्मियों एवं उनके परिवारों के प्रति संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व का निर्वहन निरंतर करता रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा द्वारा जिला दमोह में पदस्थ रहे स्वर्गीय आरक्षक क्रमांक 739 भूपेंद्र सिंह ठाकुर के पुत्र पृथ्वीराज लोधी को बाल आरक्षक के पद पर अनुकंपा नियुक्ति प्रदान करते हुए नियुक्ति पत्र सौंपा गया। स्वर्गीय आरक्षक भूपेंद्र सिंह ठाकुर का शासकीय सेवा के दौरान एक सड़क दुर्घटना में दुखद निधन हो गया था। उनके निधन के उपरांत उनके परिवार को शासन की अनुकंपा नियुक्ति नियमों के अंतर्गत राहत प्रदान करते

हुए उनके 2 वर्ष 05 माह के पुत्र पृथ्वीराज लोधी को बाल आरक्षक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई। नियुक्ति पत्र प्राप्त होने पर परिजनों ने मध्यप्रदेश शासन एवं पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

श्री खरे केसरवानी महिला मंडल ने किया वृक्षारोपण और भुट्टा पार्टी का आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)

श्री खरे केसरवानी महिला मंडल द्वारा प्रियंका गुप्ता की अध्यक्षता में वृक्षारोपण एवं भुट्टा पार्टी का आयोजन 21 जुलाई को तेवरी में किया गया सभी महिलाओं ने पौधे लगाए एवं भुट्टे पार्टी हाउजी गेम खेल कर बारिश का आनंद लेते हुए कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें महामंत्री लता गुप्ता, कोषाध्यक्ष रोशनी गुप्ता सहित मंत्रिमंडल एवं समाज की सभी मातृ शक्तियों सरल गुप्ता, ज्योति गुप्ता, उषा गुप्ता, आरती गुप्ता, शिल्पी गुप्ता, सुशील गुप्ता, रूपा गुप्ता, रोशनी गुप्ता, मंजू गुप्ता, सरिका गुप्ता, सुषमा गुप्ता, कीर्ति गुप्ता, शिवाली गुप्ता, ममता गुप्ता की उपस्थिति रही।

चार लाख की मिली सहायता

मण्डला(स्वतंत्र मत)। नायब तहसीलदार बम्हनी द्वारा जारी आदेश के अनुसार ग्राम हिरदेनगर निवासी स्वर्गीय निखिल नंदा की सर्पदंश से हुई मृत्यु के मामले में उनके निकटतम वारिस को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। जानकारी के अनुसार 18 जून को हुई घटना के बाद राजस्व एवं न्यायालयीन प्रतिवेदन में मृत्यु का कारण सर्पदंश पाया गया। इसके आधार पर राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा जारी प्रावधानों के तहत मृतक के पिता राजकुमार नंदा को निकटतम वारिस मानते हुए प्राकृतिक आपदा राहत मद से 4 लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

रंगोली से दिया नशामुक्ति संदेश

मण्डला(स्वतंत्र मत)। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगोली और पोस्टर चित्रकला के माध्यम से समाज को नशामुक्ति का एक बेहद प्रभावी और प्रेरणादायी संदेश दिया। इस रचनात्मक गतिविधि में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 30 विद्यार्थियों को उनकी सहभागिता के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं शिक्षक अखिलेश उपाध्याय ने विद्यार्थियों को नशे के गंभीर दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर समाज से इस बुराई को मिटाना होगा। इस अवसर पर यातायात थाने से सूबेदार योगेश राजपूत ने विद्यार्थियों के इन प्रयासों को अत्यंत प्रशंसनीय बताया।

पिहरी तोड़ने गए युवक पर हमला

मण्डला/मवई (स्वतंत्रमत)

जिले के मवई विकासखंड स्थित वन ग्राम सैदा में जंगल से लौट रहे एक आदिवासी युवक पर भालू ने हमला कर दिया। इस हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार सैदा निवासी ब्रज बहादुर उईके पिहरी जंगली मशरूम तोड़ने जंगल गए थे। वापस लौटते समय अचानक एक भालू ने उन पर हमला कर दिया। हमले में उनके दाहिने हाथ की बांह पर गंभीर चोट आई। किसी तरह भालू के चंगुल से बचकर वे अपने घर पहुंचे। घायल ब्रज बहादुर ने 108 एम्बुलेंस सेवा को कॉल किया लेकिन एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंची। इसके बाद वे घटना के लगभग दो घंटे बाद बस से मवई सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल जिला अस्पताल में उनका उपचार जारी है। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के मौसम में बड़ी संख्या में लोग जंगलों में पिहरी मशरूम एकत्र करने जाते हैं। पिहरी अक्सर दीमक की बांबी के आसपास उगती है। ऐसे स्थानों पर सांपों के साथ-साथ दीमक खाने के लिए भालू भी पहुंचते हैं जिससे ग्रामीणों पर वन्यजीवों के हमले का खतरा बना रहता है।

24 घण्टे के भीतर पुलिस ने हत्या का किया खुलासा

शहडोल (स्वतंत्रमत)

थाना सीधी पुलिस ने हत्या के सनसनीखेज मामले का त्वरित खुलासा करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरियादीगुड्डू सिंह गोंडनिवासी सीधी द्वारा थाना सीधी में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसके भाई राजबहोर सिंह गोंड (35 वर्ष) की ग्राम चंदौरा खर्री टोला में जादू-टोना की शंका को लेकर भीमसेन सिंह गोंड एवं उसकी पत्नी चन्द्रकिरण सिंह द्वारा टांगी से हमला कर हत्या कर दी गई है। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर थाना सीधी मेंअपराध क्रमांक 165/2026 अंतर्गत धारा103(1),3(5) भारतीय न्याय संहिता (बीएन) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना

प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान घटनास्थल का निरीक्षण, पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की कार्यवाही पूर्ण की गई तथा आरोपियों की सरगर्मी से तलाश प्रारंभ की गई। इस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 जुलाई को दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्तटांगीएवं घटना के समय पहने हुएरक्तरंजित कपड़ेजप्त किए गए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद करेली जिला - नरसिंहपुर (म.प्र.)

Municipal Council Kareli Dist.- Narsinghpur (m.p)

(Main Road, Kareli Phone : 07793-270046 Email : cmokareli@mpurban.gov.in)

क्रमांक / 1692/ नामां / रा. शा. / 2026 — करेली,दिनांक 24/07/2026

नामान्तरण सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित भवन / भूमि का नाम परिवर्तन हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय को प्राप्त हुआ है। उक्त भूमि / भवन पर नाम परिवर्तन हेतु यदि किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के दिनांक से 15 (पंद्रह) दिवस के भीतर नगरपालिका परिषद कार्यालय में अधोहस्ताक्षरकर्ता अधिकारी के समक्ष संबंधित लिखित दस्तावेज के साथ प्रस्तुत कर सकते हैं । निर्धारित दिनांक तक आपत्ति प्रस्तुत न होने पर नाम परिवर्तन की कार्यवाही यथाविधि अमल में लाई जावेगी ।

क्र.	प्रकरण क्रं.	हस्तांरण का नाम	हस्तांतरिती कर्ता का नाम	वार्ड	भवन/भूमि	खसरा नंबर/रकबा	नाम परिवर्तन हेतु अभिलेख
1	85 / 2026-27	श्री सतेन्द पिता श्री रामदर्शन कौरव	श्री अनिल कुमार प्रमोद कुमार, माया जैन एवं अन्य	महादेव वार्ड	खुली भूमि	खसरा नंबर 348/1 (S) में से रकबा 625 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
2	86 / 2026-27	श्री अरशद एवं आशिफ पिता श्री बाबू खान	श्रीमती रीता पति श्री विजय कुमार जैन	लो.ना. जयप्रकाश वार्ड	खुली भूमि	खसरा नंबर 190/6 (S) में से रकबा 1362.5 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
3	87 / 2026-27	श्रीमती पूजा रघुवंशी एवं श्री प्रदीप रघुवंशी	श्री अमितकांत पिता श्री नर्मदा प्रसाद नगरिया	नेताजी सुभाषचंद बोस वार्ड	भवन	खसरा नंबर 148/24/1 (S) में से रकबा 2648 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
4	88 / 2026-27	श्रीमती जानकी बाई पति श्री जगदीश प्रसाद साहू	श्रीमती रामप्यारी बाई पति श्री वीरेंद्र साहू	राम वार्ड	भवन	खसरा नंबर 123/44/(S) में से रकबा 1440 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
5	89 / 2026-27	श्री राहुल कुमार पिता श्री राजेन्द्र कुमार चौधरी	मोहम्मद आरिफ पिता मो. हारून खान	नेताजी सुभाषचंद बोस वार्ड	खुली भूमि	खसरा नंबर 197/4/1/2/1/2 (S) में से रकबा 1000 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
6	90 / 2026-27	श्रीमती हेमलता पति श्री दीपचंद मालवीय	श्री कपिल पिता श्री नरोत्तमदास गुप्ता	गनेशगंज वार्ड	भवन	खसरा नंबर 95/2/ख (S) 96/2/ख में से रकबा 600 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
7	91 / 2026-27	श्री जसवीर सिंह इंद्रजीत सिंह, इकबाल सिंह परमजीत कौर, गुरप्रीत सिंह दिवंदर कौर, तेजिंदर सिंह हरप्रीत सिंह	श्री जसवीर सिंह इंद्रजीत सिंह इकबाल सिंह एवं अन्य	लो.ना. जयप्रकाश वार्ड	भवन	नरसिंहपुर जिला नजूल की भूमि की शीट क्र. 05 का प्लाट क्र. 60/7 रकबा 1500 वर्गफुट	जिला नजूल अधिकारी का राजस्व आदेश वृत-अनुवृति पत्र एवं अद्यतित नजूल नकल के आधार पर
8	92 / 2026-27	श्रीमती प्रेमवती पति श्री अरविंद रजक	श्रीमती कांति बाई पति श्री जीवनलाल झारिया	नरसिंह वार्ड	खुली भूमि	खसरा नंबर 312/6/1 (S) में से रकबा 450 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
9	93 / 2026-27	श्रीमती मीना पति श्री दिनेश जैन	श्री श्रुतायु पिता पिता अरविंद पाठक	लो.ना. जयप्रकाश वार्ड	खुली भूमि	खसरा नंबर 177/1 (S) में से 177/16 177/20 में से रकबा 1281.125 वर्गफुट	रजिस्टर्ड विक्रय पत्र के आधार पर
10	3194 / 2026-27	श्री मनीष कुमार, मुकेश महेन्द्र कुमार एवं मुक्ता आत्मज मानकलाल नेमा	श्री मानकलाल पिता श्री रामचरण नेमा	गनेशगंज वार्ड	भवन	नगर पालिका केरली गनेशगंज नजूल भूमि की शीट क्र. 03 का प्लाट क्र. 90/123 मे से रकबा 625 वर्गफुट	पंजीकृत बैनामा शपथपत्र मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर

नामांतरण शाखा प्रभारी
नगर पालिका परिषद करेली

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद करेली

शासकीय मेडिकल कॉलेज खोलने को लेकर कोई विचार नहीं : स्वास्थ्य मंत्री

विधानसभा में गूंजा कटनी शासकीय मेडिकल कॉलेज का मुद्दा

विधायक लखन घनघोरिया ने दागे सवाल

सरकार के जवाब ने फेरा जनता की उम्मीदों पर पानी- दिव्यांशु मिश्रा अंशु

कटनी (स्वतंत्र मत)। कटनी की जनता हमेशा से शासकीय मेडिकल कॉलेज की आस लगाये बैठी थी पर आम जनमानस की भावनाओं के विपरीत खुल रहे पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज का मुद्दा कांग्रेस के पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ विधायक लखन घनघोरिया ने ध्यानाकर्षण के माध्यम से विधानसभा सदन में उठाया। घनघोरिया ने आरकेडीएफ की पारिवारिक संस्था स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन से हुए अनुबंध पर भी सवाल उठाए, उन्होंने सरकार से पूंछा कि इस संस्था से जुड़ी कंपनियों पर क्या एसटीएफ ने फर्जी मार्कशीट के मुकदमे दर्ज किए है। क्या सरकार इनसे अनुबंध निरस्त पर विचार कर रही है। उन्होंने पूंछा कि ऐसी संदेहास्पद संस्था से अनुबंध से क्या जनता को कोई लाभ हो सकेगा। उन्होंने पूंछा की क्या यह संस्था शासन के पैसों से मेडिकल कॉलेज खोलकर अपने हितो को प्राथमिकता देगी। क्या कटनी जिले की जनता की माँग पीपीपी मेडिकल कॉलेज नहीं शासकीय मेडिकल कॉलेज है। उन्होंने सरकार को बताया की कटनी में इस कॉलेज खोले जाने से जनता में रोष व्याप्त है। सरकार से आए जवाब पर कांग्रेस नेता दिव्यांशु मिश्रा अंशु ने कटनी की जनता को छलने वाला एवं निराशाजनक बताया, कटनी के विभिन्न राजनातिक दल एवं कांग्रेस के छात्र संगठन एनएसयूआई दम समय समय पर जनता को साथ लेकर शासकीय मेडिकल कॉलेज खोले जाने को लेकर विभिन्न आंदोलन किए थे, क्षेत्रीय संसद वीडी शर्मा एवं मुडवारा विधायक संदीप जयस्वाल ने भी जनता से समय समय पर शासकीय मेडिकल कॉलेज खोले जाने को लेकर झूंठा वादा किया था। प्राप्त जवाब अनुसार उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ मंत्री राजेंद्र शुक्ला ने जो जवाब दिए है वह कटनी के लिए अत्यंत निराशाजनक है, उन्होंने सदन में बताया की संस्था के विरुद्ध वर्तमान में कोई भी जांच एसटीएफ में नहीं चल रही है जबकि यह सर्विदित है एसटीएफ ने भोपाल पर आरकेडीएफ पर फर्जी मार्कशीट बनाने को लेकर प्रकरण दर्ज किया है और स्वामी विवेकानंद फाउंडेशन उन्ही की पारिवारिक संस्था है, स्वस्थ मंत्री ने अपने जवाब में स्पष्ट किया है कि प्रदेश के प्राइवेट मेडिकल कॉलेज से भी जनता को लाभ मिलता है इस कारण यह शंका की यह संस्था द्वारा निर्मित शासकीय मेडिकल कॉलेज जनता का इलाज संजीदगी से नहीं करेगा यह शंका निर्मूल है। राज्य शासन ने यह निर्णय वित्तीय संसाधाओं के बेहतर उपयोग के लिए लिया है, सबसे निराशाजनक जवाब को स्वास्थ मंत्री ने दिया वह यह है की पीपीपी मोड के मेडिकल कॉलेज की जगह शासकीय मेडिकल कॉलेज पर कोई विचार नहीं है, वर्तमान में निर्माण का कार्य प्रारंभ हो चुका है। और जनता में पीपीपी मोड पर खुल रहे शासकीय मेडिकल कॉलेज को लेकर कोई आक्रोश नहीं है। दिव्यांशु मिश्रा ने कहा सरकार के इस निर्णय का कांग्रेस पुरज़ोर विरोध करती है ज़ब संस्था संदेहहास्पद नहीं थी तो मुख्यमंत्री ने अपना भूमिपूजन का कार्यक्रम क्यो निरस्त किया। क्यो क्षेत्रिय नेतृत्व ने जनता को मेडिकल कॉलेज का सपना दिखाया। जनता के तमाम आंदोलन और प्रदर्शनों को सरकार ने नकारते हुए जो जवाब दिए है उसे लेकर छात्रहितों एवं जनहित में निरंतर लड़ाई लड़ी जाएगी।

बच्चों ने एक स्वर में दोहराया नशामुक्त जीवन का संकल्प

एसपी ने विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ, हेल्पलाइन नंबरों की दी जानकारी

कटनी (स्वतंत्र मत)।

कटनी पुलिस द्वारा पुलिस मुख्यालय के निर्देशन एवं पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में संचालित नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत समाज को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने हेतु लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 23 जुलाई को आशा किरण बालगृह, झिंझरी में विशेष नशा मुक्ति जागरूकता एवं संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा ने बच्चों से संवाद करते हुए उन्हें नशे से दूर रहने, अच्छी संगति अपनाने तथा अपने परिवार और समाज में भी नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई, जिसे विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ एक स्वर में दोहराया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही आवश्यकता पड़ने पर सहायता प्राप्त करने हेतु मानस हेल्पलाइन- 1933, नेशनल सुसाइड हेल्पलाइन- 14416 एवं नशा मुक्ति हेल्पलाइन- 14446 की जानकारी भी साझा की गई।

ई-रिक्शा की मनमानी पर शिकंजा

विद्युत मंडल ने 62 चालकों पर की कार्रवाई

कटनी (स्वतंत्रमत)। शहर में ई-व्हीकल एवं विशेष रूप से ई-रिक्शा की संख्या लगातार बढ़ रही है। अधिकांश ई-रिक्शा चालक अपनी बैटरियों को चार्ज कर यात्रियों के आवागमन के लिए ई-रिक्शा का उपयोग कर रहे हैं। इसी दौरान यह भी देखा गया है कि कई ई-रिक्शा चालक अवैध रूप से बिजली का उपयोग कर बैटरियां चार्ज कर रहे हैं। अवैध विद्युत उपयोग पर अंकुश लगाने के लिए मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी (एमपीईबी) द्वारा विभागीय टीमों का गठन कर लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। पिछले तीन माह के दौरान 62 ई-रिक्शा चालकों के विरुद्ध पंचनामे तैयार कर 2.27 लाख यूनिट की बिलिंग कि गयी हैं तथा नियमानुसार जुर्माना राशि 32.85 लाख आरोपित किया गया है। विभाग द्वारा ऐसे ई-रिक्शा चालकों की जानकारी एकत्रित की जा चुकी है तथा जिन उपभोक्ताओं की विद्युत खपत संदिग्ध प्रतीत होगी, उनके विरुद्ध लगातार जांच एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। एमपीईबी ने सभी ई-रिक्शा चालकों से नियमानुसार बिजली का उपयोग करने और अवैध विद्युत उपयोग से बचने की अपील की है, ताकि अनावश्यक अवैधानिक कार्रवाई से बचा जा सके।

थाना एनकेजे पुलिस की अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

आरोपी के कब्जे से जब्त की गई अवैध देशी प्लेन

लाल मशाला एवम अंग्रेजी गोवा कुल 63 लीटर शराब

कटनी (स्वतंत्र मत)। पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा नशे से दूरी है ज़रूरी अभियान 2.0 में अवैध शराब बेचने वालो पर अंकुश लगाने हेतु निर्देशित किया गया था जिसके पालन मे अति पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य एवं उप. पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन पर थाना प्रभारी एनकेजे रूपेन्द्र राजपूत द्वारा टीम गठित कर कार्यवाही की गई। 24 जुलाई को जरिये मोबाइल के थाना एनकेजे स्टाफ को मुखबिर सूचना मिली की अग्रवाल का बाडा, मूंगाबाई कालोनी रोड मे एक व्यक्ति अवैध शराब का विक्रय करने हेतु शराब एकत्रित करके रखा है जिस की सूचना तस्दीक वास्ते मुखबिर के बताये स्थान पर पहुच ने पर एक व्यक्ति तीन बोरियो मे शराब रखे मिला जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेरा बंदी कर पकडा गया। जिसका नाम पता पूछने पर अपना नाम राज निषाद पिता स्व. रामकिशोर निषाद उम्र 37 साल निवासी बाबा घाट जिला कटनी का होना बताया जिसके कब्जे से एक प्लास्टिक की बोरी मे 161 पाव देशी लाल मसाला शराब व दूसरी बोरी 160 पाव देशी प्लेन शराब एतीसरी बोरी मे 29 पाव गोवा शराब कुल शराब 63 लीटर कीमती करीबन 34560 रुपये की रखे मिलने पर व शराब के संबंध मे वैध दस्तावेज पेश न करने पर विधिवत जप्ती कर आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत कार्यवाही की गयी। व अपराध पंजीबध्द कर विवेचना मे लिया गया।

आरोपी को गिरफ्तार कर माननीय न्यालय के समक्ष पेश कर जिला जेल कटनी भेजा गया है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में भी लगभग 10 से ज़्यादा आपराधिक रिकॉर्ड है। आरोपी- राज निषाद पिता स्व. रामकिशोर निषाद उम्र 37 साल निवासी बाबा घाट थाना एन.के.जे. जप्ती कार्यवाही- 161 पाव देशी लाल मसाला शराब, 160 पाव देशी प्लेन शराब, 29 पाव गोवा शराब कीमती करीबन 34560 रुपये।

बेखौफ बदमाश: मैगी प्वाइंट के पास युवक पर चाकू से हमला

टिकरवारा में शराब के लिए मारपीट

कटनी (स्वतंत्र मत)। जिले में आपराधिक घटनाओं पर लगाम कसने के पुलिस के दावों के बीच बेखौफ बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। माधवनगर थाना क्षेत्र के मैगी प्वाइंट बायपास पर अज्ञात हमलावर ने एक युवक पर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। वहीं कुठला थाना क्षेत्र के टिकरवारा में शराब पीने के पैसे न देने पर दो युवकों ने एक व्यक्ति के साथ मारपीट और गाली-गलौज की वारदात को अंजाम दिया है।

माधवनगर में जान से मारने की नीयत से चाकू से हमला - पहला मामला माधवनगर थाना अंतर्गत बायपास मैगी प्वाइंट के सामने का है। पीडित: नीरज श्रीवास पिता संतोष श्रीवास, उम्र 35 वर्ष, निवासी आस्था प्लाजा के सामने, बरगवां। घटनाक्रम: पीड़ित नीरज श्रीवास पर अज्ञात हमलावर ने जान से मारने की नीयत से अचानक चाकू से हमला कर दिया। हमलावर ने नीरज के पेट पर चाकू से वार किया, और जब उसने खुद का बचाव करने का प्रयास किया तो चाकू उसके हाथ की कलाई पर भी लग गया, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस कार्रवाई: माधवनगर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 109(1), 296(बी), 118(1), 351(3), 324(4) और 3(5) के तहत जानलेवा हमले हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच थाना प्रभारी निरीक्षक संजय दुबे द्वारा की जा रही है।

कुठला में शराब के पैसे न देने पर मारपीट और धमकी

दूसरी घटना कुठला थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरवारा से सामने आई है। पीड़ित: रामकिशोर पटेल पिता हरभजन पटेल, उम्र 58 वर्ष, निवासी झुकेही, थाना अमदरा मैहर। आरोपी: गुंडा कोल और गोविंदा कोल दोनों निवासी मोहन नगर, टिकरवारा। घटनाक्रम: हिंदुस्तान लाईम फैक्टरी के भट्टे के पास आरोपियों ने रामकिशोर पटेल को रोककर उनसे जबरन शराब पीने के लिए पैसे मांगे। जब पीड़ित ने पैसे देने से इनकार किया, तो दोनों आरोपियों ने एक राय होकर गंदी-गंदी गालियां दीं, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस कार्वाई:- कुठला पुलिस ने फरियादी रामकिशोर पटेल की रिपोर्ट पर दोनों नामजद आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 119(1) 115(2), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

9 अगस्त को निकलेगी भव्य विशाल पैदल कांवड़ यात्रा

नीलकंठेश्वर धाम में होगा समापन

कटनी (स्वतंत्र मत)। सावन माह के पावन अवसर पर आगामी 9 अगस्त 2026 को कटनी जिले में भव्य विशाल पैदल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा बागेश्वर धाम से प्रारंभ होकर सलेया पड़खुर्द स्थित नीलकंठेश्वर धाम में संपन्न होगी। यात्रा में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों के अनुसार, कांवड़ यात्रा के समापन उपरांत दोपहर 12 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सभी श्रद्धालुओं के लिए प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। आयोजन समिति ने क्षेत्र के शिवभक्तों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धार्मिक आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। यात्रा के दौरान बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष के साथ श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए पैदल यात्रा करेंगे। आयोजकों का कहना है कि यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और सेवा भावना का संदेश देगा।

पूरे आयोजन की कमान संभाल रहे प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं समाजसेवी बाबू ग्रोवर एवं आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अनुशासन बनाए रखने, स्वच्छता का ध्यान रखने तथा प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करने की भी अपील की है। यात्रा के सफल संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

ट्रांसपोर्ट नगर से बदलेगी शहर की तस्वीर

कटनी (स्वतंत्रमत)। नगर की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और ट्रांसपोर्ट व्यवसाय को व्यवस्थित रूप देने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम कटनी द्वारा ग्राम पुरैनी में नगर के ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों को शिफ्ट करने के किए जा रहे प्रयासों को गति प्रदान कर ट्रांसपोर्ट नगर में शेष बचे भूखंडों की नीलामी के लिए द्वितीय निविदा आमंत्रित की गई है। ट्रांसपोर्ट नगर में व्यवसायियों को एक ही परिसर में सभी सुविधाएं मिलेंगी, जिससे शहर के अंदर भारी वाहनों का दबाव कम होगा। नगर निगम प्रशासन द्वारा अचल संपत्ति अंतरण नियमों के तहत जारी प्रथम निविदा में ट्रांसपोर्ट व्यवसायियों का उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। विभिन्न आकार के भूखंडों हेतु जारी प्रथम निविदा में कुल 54 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

द्वितीय निविदा की अंतिम तिथि 6 अगस्त

ट्रांसपोर्ट नगर के शेष भूखंडों को देखते हुए निगम प्रशासन द्वारा द्वितीय निविदा आमंत्रित की जा चुकी है। ताकि अधिक से अधिक पात्र ट्रांसपोर्ट व्यवसाई इस योजना का लाभ ले सकें। इच्छुक एवं पात्र निविदाकार निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन निविदा में भाग ले सकते हैं। निविदा में सहभागिता की अंतिम तिथि 6 अगस्त 2026 है। ट्रांसपोर्ट नगर में भूखंडों के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा मौके पर भूखंड निरीक्षण हेतु नगर निगम उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी मोबाइल नंबर 9981379995 पर रोजाना दोपहर 12 बजे से 2 बजे के बीच संपर्क किया जा सकता है।

छोटी दुकान से बड़े गोदाम तक, पेट्रोल पंप-धर्मकांटा भी

पुरैनी स्थित ट्रांसपोर्ट नगर की 36 भूखंडों हेतु जारी द्वितीय निविदा में विभिन्न श्रेणियों के भूखंड उपलब्ध हैं। जिसमें 27 भूखंड- बड़े गोदाम तथा 6 भूखंड कार्यालय के लिए उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त परिसर में व्यवसायियों और ड्राइवरों की सुविधा के लिए पेट्रोल पंप, धर्मकांटा एवं ढाबा हेतु भी विशेष रूप से 3 भूखंडों का प्रावधान किया गया है। पूरे परिसर में सड़क, बिजली आदि की सुविधाएं उपलब्ध है।

महापौर सूरी, नगर निगम अध्यक्ष मनीष पाठक, निगमायुक्त तपस्या परिहार ने बताया कि नगर निगम की ट्रांसपोर्ट नगर योजना का मुख्य उद्देश्य शहर के विभिन्न हिस्सों में फैले ट्रांसपोर्ट कार्यालयों, गोदामों और भारी वाहनों की पार्किंग को एक सुनियोजित स्थान पर लाना है। इससे न केवल शहर के मुख्य मार्गों पर जाम और दुर्घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि व्यवसायियों को भी बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर मिलेगा। निगम प्रशासन ने ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़े सभी लोगों से अपील की है कि वे इस सुनहरे अवसर का लाभ उठाकर ट्रांसपोर्ट नगर योजना से जुड़ें और कटनी को व्यापार एवं यातायात के क्षेत्र में एक नई पहचान दिलाने में निगम प्रशासन का सहयोग करें।

विधायक संजय पाठक के प्रयासों के बाद कटनी नदी एवं महानदी पर बनेंगे उच्च स्तरीय पुल, संपर्क मार्ग

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश शासन द्वारा रखें गए अनुपूरक बजट में विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक के प्रयासों से विजयराघवगढ़ विधानसभा को लगभग 40 करोड़ के दो उच्च स्तरीय पुलों सहित संपर्क मार्ग की सौगात प्राप्त हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भैंसवाही, घूंसुर को कांटी क्षेत्र से जोड़ने के लिए कटनी नदी पर ग्राम घुंसुर से ग्राम मोहास के बीच उच्च स्तरीय पुल के साथ ही 3 किलोमीटर की सड़क का निर्माण के साथ ही महानदी पर ग्राम बकेली से ग्राम गुड़ेहा, पिपरा को जोड़ने के लिए उच्च स्तरीय पुल के साथ ही 8.5 किलोमीटर की सड़क निर्माण की स्वीकृति अनुपूरक बजट में प्राप्त हुई है। इन पुलों के निर्माण के बाद किसानों एवं क्षेत्र वासियों को नदी के कारण अधिक दूरी तय करने में लगने वाला समय के साथ ईंधन की बचत होगी। इस संबंध में प्राप्त जानकारी के अनुसार विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने मई माह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भेंट करते हुए पत्र के माध्यम से विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए कटनी एवं महानदी पर पुलों एवं पुलों को गांवों से जोड़ने के लिए सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव दिए थे उन सभी प्रस्ताव को डॉ. मोहन यादव ने सहर्ष स्वीकार करते हुए तत्काल स्वीकृति प्रदान की थी अनुपूरक बजट में लगभग 40 करोड़ की लागत वाले कार्यों को बजटीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। विजयराघवगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए मिली इस उपलब्धी पर विधायक संजय सत्येन्द्र पाठक ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के विकास के विजन को पूरा करने का प्रयास निरन्तर जारी है, मुख्यमंत्री से मैंने क्षेत्र विकास के लिए जो भी मांगा है वह मिला है, कुछ ही वर्षों में विधानसभा क्षेत्र में 1 लाख एकड़ भूमि को सिंचित करने वाली योजनाएं चालू होगी, इसके साथ ही गांव-गांव अतिरिक्त ट्रांसफार्मर स्थापित किए जा रहे हैं। विधानसभा क्षेत्र में सुगम सुरक्षित यातायात व्यवस्था के लिए पुलों एवं सड़कों को भी स्वीकृत कराया जा रहा है।

लाल पहाड़ी को हरित क्षेत्र बनाने की तैयारी

निगम ने की हरित क्रांति की तैयारी

भूमाफियाओं को दिया सख्त संदेश

कटनी (स्वतंत्र मत)। शहर की बहुमूल्य लाल पहाड़ी को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। वर्षा ऋतु में यहां बड़े पैमाने पर पौधारोपण की योजना पर तेजी से काम चल रहा है। गुरुवार शाम निगमायुक्त तपस्या परिहार ने स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को सुरक्षा, फिनिशिंग और पौधारोपण संबंधी सभी तैयारियां समयबद्ध तरीके से पूरी करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने पौधारोपण के लिए किए जा रहे भूमि विकास कार्य, गड्ढों की खुदाई तथा पौधों के संरक्षण की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उपयंत्री मोना करेरा ने बताया कि लगभग दो हेक्टेयर क्षेत्र में करीब नौ हजार गड्ढों की खुदाई पूरी हो चुकी है। निगमायुक्त ने शेष क्षेत्र में भी जल्द खुदाई पूरी कराने के निर्देश दिए। साथ ही पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र की फिनिशिंग कराने और फेंसिंग का विस्तृत प्राक्कलन तैयार करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। निगमायुक्त ने कहा कि पौधारोपण अभियान का उद्देश्य केवल पौधे लगाना नहीं, बल्कि उनके संरक्षण और संवर्धन की स्थायी व्यवस्था करना भी है। इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं, ताकि लगाए जाने वाले पौधों का बेहतर विकास हो सके और लाल पहाड़ी भविष्य में शहर के प्रमुख हरित क्षेत्रों में शामिल हो सके। लाल पहाड़ी में प्रस्तावित यह व्यापक पौधारोपण अभियान पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ एक और महत्वपूर्ण संदेश भी दे रहा है। शहर की इस बहुमूल्य सरकारी भूमि पर लंबे समय से भू-माफियाओं और अतिक्रमणकारियों की नजर रही है। क्षेत्र में कई स्थानों पर अवैध निर्माण भी खड़े हो चुके हैं। ऐसे में नगर निगम द्वारा बड़े स्तर पर हरित विकास, फेंसिंग और संरक्षण की तैयारियां यह संकेत देती हैं कि सार्वजनिक भूमि को सुरक्षित रखने और उस पर किसी भी तरह के अवैध कब्जे की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव, उपयंत्री मोना करेरा सहित नगर निगम के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भारत की नजर सीरीज जीतने पर

जिम्बाब्वे के लिए अस्तित्व बचाने की लड़ाई

हरारे (वार्ता)।

भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए करो या मरो वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में सात विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया

इससे पहले, भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं।

या तो जीतें या सीरीज हारें

हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ है: या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया। मेज़बान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाज़ों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

मौसम भी साफ रहने का अनुमान

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ़ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फ़ायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, ज़िम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

राष्ट्रमंडल खेलों में मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने की भारत के मार्च की अगुवाई

ग्लासगो (स्कॉटलैंड)(वार्ता)।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 की आधिकारिक शुरुआत स्कॉटलैंड के संस्कृति के जश्न के साथ हुई। इस दौरान ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहेन ने हाइड्रो एरिना में भारतीय दल की अगुवाई की। राजा चार्ल्स तृतीय ने खेलों का उद्घाटन किया। राष्ट्रमंडल खेलों के इतिहास में यह पहला मौका था जब उद्घाटन समारोह किसी इनडोर स्टेडियम के भीतर आयोजित हुआ। इस दौरान संगीत, स्कॉटलैंड के संस्कृतिक प्रदर्शन के साथ 74 देशों और क्षेत्रों के एथलीटों का स्वागत किया गया।

समारोह में भारतीय दल ने गहरे नीले रंग के ब्लेजर और ट्राउजर पहने थे, जो टीम की आधिकारिक सेरेमोनियल किट थी। इसके डिजाइन में पारंपरिक भारतीय तत्वों के साथ-साथ आधुनिकता का भी समावेश था। राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल होने वाले देशों के परेड मार्च की शुरुआत बोत्सवाना के एरिना में प्रवेश के साथ हुई, जिसके बाद अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, कैरिबियन, ओशिनिया और यूरोप के एथलीट शामिल हुए। बर्मिंघम 2022 के विपरीत, जहां हर देश का प्रतिनिधित्व दो ध्वज-वाहक करते थे, ग्लासगो 2026 में एक नया फॉर्मेट पेश किया गया। इसमें हर भाग लेने वाला कॉमनवेल्थ देश और रीजन के लिए एक ध्वज-वाहक और एक बैटन-वाहक शामिल था। समारोह की शुरुआत डॉक्टर हू से प्रेरित एक सीक्वेंस के साथ हुई, जिसमें छह बार के ओलंपिक साइकिलिंग चैंपियन सर क्रिस होय शामिल थे।

इसके बाद किंग चार्ल्स तृतीय और क्वीन कैमिला ने मशहूर टार्डिस के जरिए नाटकीय अंदाज में प्रवेश किया गया। इसके बाद एक पहले से रिकॉर्ड की गई फिल्म दिखाई गई, जिसमें टाइम मशीन स्कॉटलैंड की उथल-पुथल भरी यात्रा प्रदर्शित की जाती है। इसे होय और स्कॉटिश अभिनेता ग्रेग मैकह्यू उड़ा रहे थे, और अंत में वे शाही जोड़े के साथ हाइड्रो एरिना पहुंचे।

जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट के साथ टीम स्कॉटलैंड का स्वागत किया गया, जिसकी अगुवाई जाने-माने बाउल्स खिलाड़ी एलेक्स मार्शल ने की। इसके बाद एरिना में फ्लावर ऑफ स्कॉटलैंड गीत की भावपूर्ण प्रस्तुति गूंज उठी। समारोह का समापन कॉमनवेल्थ ध्वज को एरिना में लाने और उसे फहराने के साथ हुआ।

क्रिकेट एशियन खेल में भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश और श्रीलंका को सीधे नाकआउट राउंड में प्रवेश

नागोया (जापान) (वार्ता)। सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स 2026 की क्रिकेट प्रतियोगिता के नॉकआउट राउंड में भारत, पाकिस्तान, बंगलादेश और श्रीलंका की पुरुष टीमों को सीधे प्रवेश मिल गया है, जबकि अफगानिस्तान, हांगकांग, जापान, मलेशिया, नेपाल और ओमान की टीमें इन चार बड़ी टीमों के साथ जुड़ने के लिए पहले राउंड में मुकाबला करेंगी। एशियन खेल में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता के लिए गुरुवार को पुरुष और महिला दोनों टूर्नामेंट के लिए ड्रॉ और ग्रुप की घोषणा की गई। पुरुष टूर्नामेंट में दस टीमें हिस्सा लेंगी, जबकि महिला टूर्नामेंट में आठ टीमें खेलेंगी। महिला टूर्नामेंट की शुरुआत क्वार्टर-फ़ाइनल मैचों से होगी। भारत बनाम जापान, बंगलादेश बनाम चीन, श्रीलंका बनाम मलेशिया और पाकिस्तान बनाम थाईलैंड। यह प्रतियोगिता 17 से 22 सितंबर तक चलेगी।

पुरुष टूर्नामेंट~ 24 सितंबर से एक अक्टूबर तक चलेंगे। शुरुआती राउंड में ग्रुप ए में अफगानिस्तान, जापान और नेपाल होंगे और ग्रुप बी में हांगकांग, मलेशिया और ओमान होंगे। हर ग्रुप की टॉप दो टीमें नॉकआउट राउंड में पहुंचेंगी और सीधे क्वालिफ़ाई करने वाली टीमों का सामना करेंगी। सभी मैच जापान के नागोया में टी-20 प्रारुप में में खेले जाएंगे। उल्लेखनीय है कि भारत ने 2023 गेम्स में पुरुष और महिला दोनों वर्गों में स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष टूर्नामेंट का फाइनल मैच अफगानिस्तान के 18.2 ओवर खेलने के बाद बारिश की वजह से पूरा नहीं हो सका था और भारत को बेहतर सीडिंग वाली टीम होने के कारण स्वर्ण पदक दिया गया था। वहीं महिला वर्ग में भारत ने फ़ाइनल में श्रीलंका को 19 रनों से हराया था।

श्रीहरि नटराज ने 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में बनाई जगह

ग्लासगो (वार्ता)। भारत के स्टार तैराक श्रीहरि नटराज ने तैराकी प्रतियोगिता के पुरुष 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। श्रीहरि ने हीट्स में 25.52 सेकेंड का समय निकालकर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वह 16 क्वालीफायर में 14वें सबसे तेज तैराक रहे और अब आज ही होने वाले सेमीफाइनल में अपनी चुनौती पेश करेंगे। पैरा तैराकी: रवि बुडिग्ना और अली इमाम फाइनल में पहुंचे। भारत के रवि वीरा वेंकट बुडिग्ना और अली इमाम ने पुरुष एस13 सौ मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। बुडिग्ना ने हीट्स में 57.10 सेकेंड का समय निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। वहीं अली इमाम ने 1 मिनट 05.32 सेकेंड का समय दर्ज कर फाइनल में प्रवेश किया।

संयम ने 10मी. एयर पिस्टल में सिल्वर जीतकर भारत का मेडल खाता खोला

हांगझोऊ (वार्ता)। शुक्रवार को चीन के हांगझोऊ में चल रहे आईएसएसएफ वर्ल्ड कप 2026 में संयम ने महिलाओं की 10 मी एयर पिस्टल इवेंट में सिल्वर मेडल जीतकर भारत के लिए पहला मेडल हासिल किया। 22 साल की भारतीय शूटर ने कुल 243.4 स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया; वह गोल्ड मेडल से सिर्फ़ 0.2 पॉइंट से चूक गईं। हांगझोऊ में मिला सिल्वर मेडल संयम का दूसरा आईएसएसएफ वर्ल्ड कप मेडल था। उन्होंने दोहा, कतर में हुए 2025 आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फ़ाइनल में भी महिलाओं की 10 मी एयर पिस्टल इवेंट में सिल्वर मेडल जीता था। चीन की याओ कियानक्सुन 243.6 स्कोर के साथ पहले स्थान पर रहीं, जबकि ईरान की ओलंपियन हनिया रोस्तामियन 221.0 स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं।

कई बार आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में गोल्ड मेडल जीत चुकीं भारत की सुरुचि सिंह फ़ाइनल में कुल 137.6 स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रहीं। संयम, जिन्होंने क्वालिफिकेशन में 579-17× स्कोर करके 10वां स्थान हासिल किया था, फ़ाइनल में इसलिए पहुँच पाईं क्योंकि उनसे आगे रहने वाले दो शूटर्स – जिनमें दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट मनु भाकर भी शामिल थीं – ने सिर्फ़ रैंकिंग पॉइंट्स के लिए हिस्सा लिया था, जिससे वे फ़ाइनल के लिए अयोग्य हो गईं। मनु भाकर ने क्वालिफिकेशन में 582-123 स्कोर के साथ भारतीय दल में टॉप किया और चौथे स्थान पर रहीं, जबकि सुरुचि सिंह 579-20× स्कोर के साथ नौवें स्थान पर रहीं। ईशा सिंह (577-223) और लक्षिता (572-143) क्वालिफिकेशन में क्रमशः 13वें और 36वें स्थान पर रहीं। वहीं, पुरुषों के 25 मी रैपिड फ़ायर पिस्टल इवेंट में कोई भी भारतीय शूटर फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई नहीं कर सका। पुरुषों के 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल क्वालिफिकेशन में भावेश शेखावत भारत के सबसे अच्छे खिलाड़ी रहे; उन्होंने 577-173 स्कोर के साथ 22वां स्थान हासिल किया। ओंकार सिंह, अनीश भनवाला, प्रदीप सिंह शेखावत और आदर्श सिंह भी अगले दौर के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए। आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी साल के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगे, जो दिसंबर में रोम में होगा। हांगझोऊ शूटिंग मीट एक संयुक्त आईएसएसएफ वर्ल्ड कप है, जिसमें राइफल, पिस्टल और शॉटगन शूटर हिस्सा ले रहे हैं और यह मंगलवार को खत्म होगा।

विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

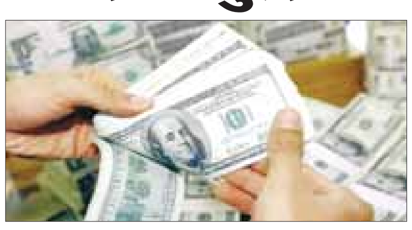

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में 1.08 अरब डॉलर बढ़कर 676.237 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह लगातार तीसरा सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा का भंडार बढ़ा है। इससे पहल 10 जुलाई को समाप्त सप्ताह में यह 96.4 करोड़ डॉलर की वृद्धि के साथ 675.157 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 17 जुलाई को समाप्त सप्ताह में जहां विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.549 अरब डॉलर बढ़ी, वहीं स्वर्ण भंडार में 3.48 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गयी है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 17 जुलाई को 551.057 अरब डॉलर पर पहुंच गयी। इसमें अमेरिकी डॉलर के साथ जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड भी शामिल हैं। उनके मूल्य का आंकलन डॉलर के मुकाबले उनकी संदर्भ दर के आधार पर होता है। स्वर्ण भंडार 3.48 अरब डॉलर घटकर 101.749 अरब डॉलर रह गया। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में 3.2 करोड़ डॉलर की गिरावट रही और यह 4.761 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। वहीं, विशेष आहरण अधिकार 4.4 करोड़ रुपये की वृद्धि के साथ 18.67 अरब डॉलर दर्ज किया गया।

होंडा ने सात नये मोटरसाइकिल और स्कूटर पेश किये

नयी दिल्ली (वार्ता)। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने शुक्रवार को भारतीय बाजार के लिए 10 नयी मोटरसाइकिलों और स्कूटरों का विस्तारित पोर्टफोलियो पेश किया जिनमें सात बिल्कुल नये मॉडल है जबकि तीन मॉडल नये रंग विकल्पों के साथ अपडेट किये गये हैं। कंपनी ने बताया कि यह लाइनअप क्रूज़िंग, एडवेंचर टूरिंग, रोडस्टर, लाइफस्टाइल राइडिंग, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और फ्लेक्स-फ्यूल तकनीक जैसे विभिन्न सेगमेंट्स को कवर करता है। इन मॉडलों का स्थानीयकरण कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे देश में उत्पाद विकास, इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमताओं को और मजबूत किया जायेगा। साथ ही, ग्राहकों को होंडा की वैश्विक तकनीकों तक अधिक पहुंच मिलेगी । नये मॉडलों में होंडा

एडीवी 160, होंडा सीबी 500, होंडा रिबेल 300, होंडा रिबेल 500, होंडा एक्सआर 300एल तथा होंडा एक्सआर 300 रैली मोटरसाइकिल और होंडा क्यूसी3 स्कूटर शामिल हैं। वहीं, होंडा सीबी350 रेंज में नये रंग विकल्पों के साथ तीन नये मॉडल पेश किया गये हैं। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी त्सुत्सुमु ओतानी ने कहा, च्भारत होंडा के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक है। यह 10-उत्पादों का पोर्टफोलियो ग्राहकों को व्यापक परिवहन समाधान प्रदान करता है। इसमें आधुनिक पेट्रोल इंजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और फ्लेक्स-फ्यूल के विकल्प शामिल हैं। साथ ही, हम मेक इन इंडिया फॉर द वर्ल्ड के अपने संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे भारत वैश्विक उत्पादन और निर्यात केंद्र के रूप में और अधिक मजबूत होगा।

बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने बीएसई मिडस्मॉल आईटी सूचकांक शुरू किया

मुंबई (वार्ता)। देश के प्रमुख शेयर बाजार बीएसई की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बीएसई इंडेक्स सर्विसेज ने शुक्रवार को एक नये सूचकांक बीएसई मिडस्मॉल आईटी इंडेक्स शुरू करने की घोषणा की। यह सूचकांक उन कंपनियों के प्रदर्शन को मापता है, जो बीएसई 500 इंडेक्स (बीएसई 100 लार्जकैप टीएमसी को छोड़कर) का हिस्सा हैं और जिन्हें वृहत आर्थिक संकेतक स्तर पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। बीएसई मिडस्मॉल आईटी इंडेक्स का आधार मूल्य 1000 है। इसकी आधार तिथि 20 जून 2005 है। इसका पुनर्गठन प्रत्येक वर्ष जून और दिसंबर में अर्धवार्षिक आधार पर किया जायेगा।

मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का आईपीओ 29 को खुलेगा

नयी दिल्ली (वार्ता)। मणिपाल हेल्थ एंटरप्राइजेज का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 29 जुलाई को निवेशकों के लिए खुलेगा और 31 जुलाई को बंद होगा। इसके लिए दो रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर का मूल्य दायरा 560 रुपये से 590 रुपये तय किया गया है। निवेशक कम से कम 25 इक्विटी शेयरों के लिए तथा उसके बाद 25-25 शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने बताया कि 24 जुलाई 2026 तक उसके कुल 1,17,97,57,321 इक्विटी शेयर हैं। आईपीओ के तहत 8,000 करोड़ रुपये तक के नये शेयर जारी किये जायेंग। इसके अलावा प्रवर्तकों में इम्पीरियस हेल्थकेयर इन्वेस्टमेंट्स और मणिपाल एजुकेशन एंड मेडिकल ग्रुप इंडिया अपने 2,16,13,834 इक्विटी शेयर बेच रही है। शेयर बेचने वाले अन्य निवेशकों में टीपीजी एसजी मैगजीन, सेवेन्टी सेकेंड इनवेस्टमेंट कंपनी, अम्मार, नोवो होल्डिंग्स इनवेस्ट एशिया और फोनिक्स बीयर इनवेस्टमेंट्स शामिल हैं। नये शेयर जारी कर प्राप्त राशि में से 5,552.8 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी की प्रमुख सहायक कंपनी मणिपुर हॉस्पिटल्स की देनदारियों के पूर्ण या आंशिक भुगतान के लिए किया जायेगा। इसके अलावा 574 करोड़ रुपये का उपयोग कंपनी की स्टेप-डाउन सब्सिडियरी (सहायक कंपनी की सहायक कंपनी) सह्याद्री हॉस्पिटल्स में अल्पांश हिस्सेदारी के अधिग्रहण के लिए होगा।

एयरलाइंस शुरू करने का कोई प्रस्ताव नहीं : अडानी

नयी दिल्ली (वार्ता)। हवाई अड्डा निर्माण और परिचालन समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाले अडानी समूह ने मीडिया में आई रिपोर्टों को सिरे से खारिज करते हुए शुक्रवार को कहा कि विमान सेवा कंपनी शुरू करने का च्कोई भी प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। समूह के एक प्रवक्ता ने शुक्रवार को जारी बयान में इन मीडिया रिपोर्टों को आधारहीन और तथ्यों से परे बताया। उल्लेखनीय है कि मौजूदा नियमों के मुताबिक देश में कोई भी हवाई अड्डा परिचालक किसी विमान सेवा कंपनी में 10 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी नहीं रख सकता है। मीडिया में पिछले दिनों खबर आई थी कि सरकार

बाजार पर एक या दो एयरलाइंस का आधिपत्य समाप्त कर प्रतिस्पर्धा बढ़ाना चाहती है और इसके लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रहा है ताकि हवाई अड्डा संचालकों को भी एयरलाइंस शुरू करने का अधिकार मिल सके। इसमें कहा गया था कि अडानी समूह और जीएमआर को इसका फायदा मिल सकता है जो देश के दो सबसे बड़े हवाई अड्डा संचालक हैं। अडानी समूह के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, हम हाल ही में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों और बाजार में चल रही उन अटकलों का स्पष्ट रूप से खंडन करते हैं, जिनमें दावा किया गया है कि अडानी एंटरप्राइजेज एक एयरलाइंस शुरू करने की योजना बना रही है।

रुपया 20 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से शुक्रवार को रुपया 20 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 96.53 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 20 पैसे टूटी थी और 96.73 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये की शुरुआत आठ पैसे की गिरावट के साथ 96.81 रुपये प्रति डॉलर पर हुई और यही इसकी दिन का निचला स्तर रहा। बीच कारोबार में एक समय यह 96.31 रुपये प्रति डॉलर तक मजबूत भी हुआ, लेकिन अंत में 96.53 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल में नरमी से रुपया मजबूत हुआ है। लंदन का ब्रेंट क्रूड वायदा आज तीन प्रतिशत उतरकर 97.7 डॉलर प्रति बैरल रह गया।

शेयर बाजारों में गिरावट जारी

एक सप्ताह में 2,091 अंक लुढ़का सेंसेक्स

मुंबई (वार्ता)। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को लगातार पांचवें दिन गिरावट रही और बीएसई का सेंसेक्स इन पांच दिनों में 2,091 अंक लुढ़क गया। सेंसेक्स दोपहर से पहले 917 अंक गिरने के बाद काफी हद तक वापसी करता हुआ अंत में 331.62 अंक (0.43 प्रतिशत) नीचे 76,059.77 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 102.15 अंक यानी 0.43 प्रतिशत टूटकर 23,767.45 अंक पर आ गया। यह दोनों सूचकांकों का 12 जून के बाद का निचला स्तर है। इस सप्ताह सभी पांच दिन बाजार में बिकवाली

हावी रही। इस दौरान सेंसेक्स 2,091.68 अंक और निफ्टी-50 566.85 अंक कमजोर हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और अमेरिका द्वारा भारत तथा अन्य देशों से आयात पर 10 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने की घोषणा के कारण निवेश धारणा प्रभावित हुई है। प्रमुख सूचकांकों की तुलना में वृहत बाजार में आज दबाव कम देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.11 प्रतिशत चढ़ा जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.32 प्रतिशत गिर गया।

आईटी, मीडिया और सार्वजनिक बैंक समूहों के सूचकांक हरे निशान में रहे। ऑटो, धातु, फार्मा, रियल्टी, स्वास्थ्य, तेल एवं गैस और सीमेंट सेक्टरों में बिकवाली हावी रही। एनएसई जिन 3,425 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 1,702 के शेयरों में तेजी और 1,595 में गिरावट रही। अन्य 128 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अंततः अपरिवर्तित रहे। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयर टूट गये। बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे अधिक 2.58 फीसदी लुढ़क गया। इटरनल में 2.34 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.10, भारती एयरटेल में 1.66, एशियन पेंट्स में 1.15 और इंफोसिस में 1.03 प्रतिशत की गिरावट रही।

संतों की वाणी से बेहतर जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है : डॉ. यादव

गुरू पूर्णिमा महोत्सव में शामिल होकर संतों का प्राप्त किया आशीर्वाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अलौकिक जगत में संतों की वाणी से बेहतर जीवन का मार्ग प्रशस्त होता है। हमारे जीवन में संस्कारों का होना भी बहुत आवश्यक है। देश के सभी तीज-त्यौहार भी सार्थक संदेश के माध्यम से मानव कल्याण का संदेश देते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शुक्रवार को पन्ना प्रवास के दौरान श्री जुगल किशोर मंदिर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव के कार्यक्रम में यह बात कही। मुख्यमंत्री ने श्रीधाम वृंदावन से पधारे संत श्री श्री 108 महंत स्वामी किशोरदास जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने विभिन्न स्थानों से आए भक्तगणों का अभिवादन कर संतों के सानिध्य में प्रेरणादायी वक्तव्य का अनुसरण करने की बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पन्ना की पावन धरा वृंदावन का लघु स्वरूप है, इसी तरह बुंदेलखंड के अयोध्या के रूप में ओरछा की

मान्यता है। उन्होंने कहा कि गौमाता की सेवा के साथ अलग-अलग धर्म के सभी पर्वों को उत्साह के साथ मनाएं।

साथ ही विक्रम सम्वत् के आयोजन तथा भगवान श्रीराम और कृष्ण से जुड़े स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित करने की बात भी कही। अब प्रदेश के सीएम राइज स्कूल सांदीपनि विद्यालय के नाम से संचालित हैं। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में गीता भवन और पुस्तकालय की स्थापना होगी। इसके अलावा प्रदेश सरकार वृंदावन ग्राम बनाने की अवधारणा पर भी तेजी से आगे बढ़ रही है। हमें धर्मार्थ से परमार्थ की राह पर आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

सभी धर्मों के लिये प्रदेश में एक कानून

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब प्रदेश में सभी धर्म के लिए एक कानून होगा। सर्वधर्म समभाव के जरिए प्रदेश तरक्की की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि पन्ना में प्रत्येक वर्ष तीन दिवसीय कथा उत्सव का आयोजन होगा तथा पन्ना में संस्कृत विद्यालय खोला जाएगा। पन्ना विधायक और पूर्व मंत्री श्री बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पन्ना में संतों का समागम सौभाग्य की बात है।

पन्ना विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का कार्य भी संचालित है। इस अवसर पर सांसद श्री विष्णुदत्त शर्मा, राजनगर विधायक श्री अरविन्द पटेरिया, सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नगरवासी एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

भगवान श्री जुगल किशोर के किए दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री जुगल किशोर मंदिर पहुंचकर भगवान श्री जुगल किशोर के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने विधिवत पूजन अर्चन कर प्रदेशवासियों के सुख एवं समृद्धि की कामना की।

तकनीक, समन्वय और प्रशिक्षित पुलिस बल के दम पर होगा सुरक्षित एवं व्यवस्थित सिंहस्थ-2028 : डीजीपी मकवाणा

303 मास्टर ट्रेनर्स पूरे प्रदेश में दे रहे हैं प्रशिक्षण

भोपाल (स्वतंत्र मत)। विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में शामिल सिंहस्थ-2028 की व्यापक तैयारियों के मद्देनजर शुक्रवार को भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में सिंहस्थ-2028 = ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स कोर्स प्रशिक्षित प्रशिक्षकों का राज्य स्तरीय सेमिनार आयोजित किया गया। सेमिनार का उद्देश्य सिंहस्थ-2028 के लिए संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की समीक्षा, जिलों में प्रशिक्षण की प्रगति का मूल्यांकन, फील्ड अनुभव साझा करना तथा प्रशिक्षण व्यवस्था में आवश्यक सुधार एवं नवाचारों को पूरे प्रदेश में लागू करने की रणनीति तैयार करना रहा। सेमिनार में प्रदेशभर से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि तथा सिंहस्थ-2028 की तैयारियों से जुड़े अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिलों में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों, प्रशिक्षण मॉड्यूल, ऑनग्राउंड अनुभव, नवाचार, फीडबैक तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने

कहा कि सिंहस्थ-2028 केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम है, जिसकी सफलता मध्यप्रदेश पुलिस की पेशेवर दक्षता, संवेदनशीलता एवं समन्वित कार्यशैली की भी परीक्षा होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस सिंहस्थ-2028 की तैयारियों पर पिछले तीन वर्षों से योजनाबद्ध एवं चरणबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। फरवरी-2026 में उज्जैन में आयोजित मंथन एवं विषय विशेषज्ञों के सेमिनारों में प्राप्त सुझावों के आधार पर प्रशिक्षण की व्यापक अवधारणा विकसित की गई। अप्रैल-2026 में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में पुलिस ड्यूटी पोर्टल, आधारित मानव संसाधन प्रबंधन, साइबर सुरक्षा योजना तथा विशेष प्रशिक्षण मॉड्यूल की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इन्हीं प्रयासों की अगली कड़ी के रूप में आयोजित इस राज्य स्तरीय सेमिनार में अब तक हुए प्रशिक्षण कार्यों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना निर्धारित की गई है।

डीजीपी श्री मकवाणा ने बताया कि सिंहस्थ-2028 के लिए आवश्यक पुलिस अधोसंरचना के विकास हेतु विस्तृत डीपीआर तैयार कर शासन को भेजी गई थी, जिसे समय पर स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा अनेक महत्वपूर्ण कार्य प्रगति पर हैं। आधुनिक तकनीक आधारित पुलिसिंग को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विभागों के बीच समन्वित कार्य प्रणाली विकसित की जा रही है।

जयंती गौरव सम्मान समारोह भव्यता के साथ संपन्न

दमोह (स्वतंत्र मत)।

चंद्रशेखर आजाद स्मृति मंच के तत्वाधान में पीजी कॉलेज ऑडिटोरियम भवन में अजेय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अमर क्रांतिकारी पंडित चंद्रशेखर आजाद की 120वीं जयंती भव्यता के साथ मनाई गई। जयंती गौरव समारोह में मुख्य अतिथि सत्येंद्र भावसिंह लोधी, सह मुख्य अतिथि गौरव रंजीता पटेल जिला पंचायत अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि मनीष पुष्पराज शर्मा हटा वंशज क्रांतिकारी अर्जुन भारद्वाज राव साहब, अति विशिष्ट अतिथि मनीष तंतुवाय जिला

पंचायत सदस्य सभापति जिला कृषि समिति उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुधीर कुमार विद्यार्थी संयोजक युवक क्रांति संगठन मध्यप्रदेश अति विशिष्ट अतिथि सहयोगी संस्था शब्दाक्षर प्रदेश अध्यक्ष कवि डॉ. राजीव खरे के सानिध्य में आयोजन समिति अध्यक्ष डॉ बबीता कृष्ण कुमार चौबे शक्ति सहित मुख्य संरक्षक दिनेश प्यासी कमलेश खरे मंचासीन रहे।

हिण्डोरिया और पटेरा के स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी ने हिण्डोरिया एवं पटेरा विकासखंड के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का निरीक्षण कर मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, एएनसी क्लीनिक, दस्तक अभियान क्रियान्वयन एवं स्वास्थ्य केंद्रों की व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया। पटेरा के आयुष्मान आरोग्य मंदिर सतरिया में व्यवस्थाएं प्रोटोकॉल के अनुरूप संचालित पाई गईं। डॉ चटर्जी ने सीएचओ नम्रता नामदेव को स्वास्थ्य केन्द्र में स्वच्छता एवं मातृ स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी से संबंधित दस्तावेज अद्यतन पाये जाने पर शाबाशी दी। यहाँ एएनसी क्लीनिक का नियमित रूप से संचालन तथा एचआरपी, ईडीडी, सप्ताह दौरान चिन्हित नवीन गर्भवती सूची सहित आवश्यक सभी रिकॉर्ड अद्यतन मिले। ओआरएस-जिंक कॉर्नर भी पूर्णतः क्रियाशील पाया गया। डॉ. चटर्जी ने स्वास्थ्य टीम की सराहना करते हुए इसी गुणवत्ता के साथ सेवाएं निरंतर बनाए रखने के निर्देश दिए।

समन्ना एवं पटेरा मे देवडोंगरा में रिकॉर्ड अद्यतन रखने के निर्देश

हिंडोरिया के समन्ना एवं पटेरा के देवडोंगरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर में एएनसी क्लीनिक एवं अभिलेखों का अवलोकन के दौरान एचआरपी, ईडीडी, सप्ताह दौरान् चिन्हित नई गर्भवती सूची सहित आवश्यक सूचियों एवं

रिकॉर्ड को नियमित रूप से अद्यतन रखने तथा ओआरएस जिंक कॉर्नर को प्रोटोकॉल अनुसार व्यवस्थित एवं सक्रिय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। जहां कमियां पाई गईं, वहां संबंधित स्वास्थ्य अमले को समयबद्ध सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

कुंडलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर इसे डिलीवरी पॉइंट के रूप में विकसित करने हेतु उपलब्ध संसाधनों एवं व्यवस्थाओं का आकलन किया गया। डॉ. चटर्जी ने निरीक्षण में चिन्हित कमियों के संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटेरा में बैठक आयोजित कर प्रसव सेवाएं शीघ्र प्रारंभ करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गर्भवती महिला को समय पर एम्बुलेंस न मिलने पर सख्त कार्रवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। जिले की जबेरा विकासखंड के ग्राम रोंड क्षेत्र में एक गर्भवती महिला के फोन करने के बावजूद समय पर एम्बुलेंस उपलब्ध नहीं कराए जाने के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने संबंधित सेवा प्रदाता जेएईएस प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड के विरुद्ध कार्रवाई का प्रस्ताव शासन को भेजा था। प्रस्ताव के परीक्षण के बाद शासन ने कंपनी को नोटिस जारी किया। लापरवाही स्वीकार किए जाने पर कंपनी पर 235931 रुपए का अर्थदंड आरोपित किया गया है। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने चेतावनी दी है कि गर्भवती माताओं एवं महिलाओं को समय पर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। यदि भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही सामने आती है तो संबंधित एजेंसी के विरुद्ध और भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी एम्बुलेंस संचालकों एवं प्रोजेक्ट हेड से सूचना मिलते ही तत्काल एम्बुलेंस उपलब्ध कराने के लिए कहा हैए ताकि गर्भवती महिलाओं को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें और उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

राशन दुकानों पर कलेक्टर प्रताप नारायण यादव की बड़ी कार्रवाई

25 दुकानों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई

782 क्विंटल खाद्यान्न की हेराफेरी उजागर

दमोह (स्वतंत्र मत)।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देश पर जिले की राशन दुकानों पर व्यापक जांच अभियान चलाया। कलेक्टर ने 125 जांच दल गठित किए जिनमें 120 दलों को राशन दुकानों की जांच के लिए तथा 5 दलों को रिजर्व रखा गया। शिकायतों के आधार पर 120 उचित मूल्य दुकानों का एक साथ सुबह 11 बजे निरीक्षण कराया गया। कलेक्टर ने कहा लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कई राशन दुकानों पर हितग्राहियों से अंगूठा लगवाकर निर्धारित मात्रा से कम खाद्यान्न दिया जा रहा है।

कई मामलों में दो माह के राशन के लिए अंगूठा लगवाकर केवल एक माह का राशन वितरित किया गया। इसके अलावा वितरण में देरी और अन्य अनियमितताओं

की भी शिकायतें प्राप्त हो रही थीं।

उन्होंने बताया अब तक 55 दुकानों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है जिनमें से 25 दुकानों में गंभीर अनियमितताएं सामने आई हैं। कई दुकानों में 172 क्विंटल तक खाद्यान्न कम या अधिक पाया गया है। जांच में अब तक 782 क्विंटल खाद्यान्न की हेराफेरी का मामला प्रतिवेदित हुआ है। इन मामलों की विस्तृत जांच कर संबंधित संचालकों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत नोटिस जारी किए जाएंगे और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर ने कहा प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शासन की योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक बिना किसी गड़बड़ी के पहुंचे। इसी उद्देश्य से यह विशेष जांच अभियान चलाया गया है और भविष्य में भी शिकायत मिलने पर राशन दुकानों की जांच जारी रहेगी। उन्होंने कहा जिले में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में राशन दुकानों का एक साथ निरीक्षण कराया गया है। प्रशासन की योजना सभी 524 उचित मूल्य दुकानों की एक साथ जांच कराने की थी लेकिन उपलब्ध स्टाफ के कारण फिलहाल 120 दुकानों की जांच कराई जा सकी। आने वाले समय में शेष शिकायतग्रस्त दुकानों का भी निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

गुणवत्ता, समयबद्धता और जवाबदेही से पूर्ण हों सभी सेतु निर्माण परियोजनाएं : राकेश सिंह

प्रदेश में सेतु निर्माण कार्यों की प्रगति की हुई समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने कहा है कि लोक निर्माण विभाग का प्रत्येक निर्माण कार्य केवल सड़क, पुल अथवा फ्लायओवर का निर्माण नहीं, बल्कि प्रदेश के विकास, जनता की सुविधा और विश्वास की मजबूत नींव है। विभाग का मूल उद्देश्य लोक निर्माण से लोक कल्याण की भावना को साकार करना है। उन्होंने कहा कि गुणवत्ता, समयबद्धता, पारदर्शिता और जवाबदेही ही विभाग की कार्यसंस्कृति का आधार हैं तथा इन्हीं मानकों के अनुरूप प्रत्येक परियोजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। मंत्री श्री सिंह शुक्रवार को वल्लभ भवन में सेतु निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री सुखवीर सिंह, विभाग के वरिष्ठ अभियंता, मुख्य अभियंता, अधीक्षण यंत्री,

कार्यपालन यंत्री, अन्य विभागीय अधिकारी तथा विभिन्न निर्माण एजेंसियों एवं ठेकेदारों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रत्येक परियोजना निर्धारित समय-सीमा में हो – मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रत्येक परियोजना निर्धारित समय-सीमा में उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ पूर्ण होना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए नियमित समीक्षा, प्रभावी फील्ड मॉनिटरिंग, तकनीकी परीक्षण तथा समयबद्ध निर्णय प्रक्रिया सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं का त्वरित समाधान कर कार्यों में गति लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्धता और तकनीकी मानकों का पूर्ण अनुपालन प्रत्येक परियोजना की अनिवार्य शर्त है। परियोजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता, अनावश्यक विलंब अथवा निर्धारित गुणवत्ता मानकों से विचलन स्वीकार्य नहीं होगा।

गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य विभाग की पहचान हैं – लोक निर्माण मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रत्येक अधिकारी, अभियंता एवं निर्माण एजेंसी अपनी जिम्मेदारी का पूर्ण निर्वहन करते हुए उत्कृष्ट कार्य संस्कृति का परिचय दें। उन्होंने कहा कि गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य विभाग की पहचान हैं और इन्हीं के आधार पर जनता का विश्वास मजबूत होता है। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को विभाग निरंतर प्रोत्साहित करेगा, वहीं जिन परियोजनाओं में अपेक्षित गुणवत्ता अथवा प्रगति में सुधार की आवश्यकता होगी, उनमें तत्काल सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी, ताकि प्रदेश में सुरक्षित, टिकाऊ एवं विश्वसनीय अधोसंरचना का निर्माण हो सके।

ठेकेदार उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ कार्य करें – मंत्री श्री राकेश सिंह ने कहा कि विभाग और निर्माण एजेंसियां विकास यात्रा के सहभागी हैं। ठेकेदार उत्कृष्ट गुणवत्ता के साथ कार्य करें, समय पर परियोजनाएं पूर्ण करें, अपनी व्यावसायिक प्रतिष्ठा को मजबूत बनाएं तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि विभाग सकारात्मक संवाद और समन्वय की भावना से कार्य करता है तथा कार्य निष्पादन के दौरान आने वाली व्यवहारिक कठिनाइयों एवं रचनात्मक सुझावों का स्वागत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज गुणवत्ता ही किसी भी निर्माण एजेंसी की सबसे बड़ी पहचान है। उत्कृष्ट कार्य केवल तकनीकी दृष्टि से ही बेहतर नहीं होता, बल्कि जनता का विश्वास भी अर्जित करता है।

मध्यप्रदेश तकनीकी नवाचारों का अग्रणी राज्य – मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश में निर्माण कार्यों को राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ मानकों तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। देश के अग्रणी राज्यों की उत्कृष्ट कार्य प्रणालियों, आधुनिक तकनीकों और सफल अनुभवों का अध्ययन कर उन्हें प्रदेश की आवश्यकताओं के अनुरूप अपनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश स्वयं भी अनेक तकनीकी नवाचारों का अग्रणी राज्य रहा है और भविष्य में भी नवाचार आधारित निर्माण कार्यों को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

टेबल फैन गिरने से करंट की चपेट में आई वृद्धा, मौत

हटा (स्वतंत्र मत)। नगर के शास्त्री वार्ड स्थित बड़ा बाजार क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक हादसे में करंट लगने से एक वृद्ध महिला की मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार रात में सोते समय टेबल फैन उनके ऊपर गिर गया जिससे वे करंट की चपेट में आ गईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

E- AUCTION NOTICE
(WATER DAMAGED CEMENT BAGS)

E-Auction forms are invited from interested buyers for disposal, strictly on "As Is Where Is" basis, for fire and water damaged salvage of Dal, Chana, Churi etc. (36,000 Quintal Approximately on "Weighment Basis" belonging to **M/S ASK AGRO,** (Case Handled By Surveyor M/s Riskalyze Insurance Surveyors and Loss Assessors Pvt Ltd) Salvage of the above materials can be inspected **KH NO. 28/2,49/2,50/2, Village Bharoli, Katni Madhya Pradesh, 483501,** between 26 July 2026 to 2 August 2026, after taking prior appointment from Mr. Dharamdas Sangtani (+91-9993558604), & Surveyor **Mr. Virender Sharma** (+91-9999600599). E-Auction to be held on 03/08/2026. For E-Auction forms, Contact Mr. Rishi Kaushik at Mob: 8882071473 of Salvage Auction Private Limited (Auctioneers) or download from website: www.salvageauction.co.in. Last date for submission of E-auction form is 03/08/2026 before 12.30 PM.

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल
भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुनीत नगर कंचनपुर जबलपुर में भवन क्रमांक HIG - 08 श्री सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. श्री हरिशंकर श्रीवास्तव के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 25.01.1996 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्री सुरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पिता स्व. श्री हरिशंकर श्रीवास्तव ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 31.03.2025 के माध्यम से श्रीमति नीतिमा जायसवाल पति श्री प्रशांत मालवीय एवं श्री प्रशांत मालवीय पिता श्री रामस्वरूप् मालवीय को विक्रय किया है। अतः श्रीमति नीतिमा जायसवाल पति श्री प्रशांत मालवीय एवं श्री प्रशांत मालवीय पिता श्री रामस्वरूप मालवीय द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज / आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी । जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, जबलपुर

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर (म.प्र.)

N.I.T. NO/PWD/e-tendering/PRO NO 415 — **प्रथम निविदा सूचना** — Dated 24/7/2026

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं ईएमडी	निविदा की अंतिम तिथि
1	PRO_415 27/7/2026 2026_UAD_523872_1	डॉ. जाकिर हुसेन वार्ड अंतर्गत गोहलपुर शा.कन्या शाला का मरम्मत कार्य बाउड्रीवॉल एवं नवीन हॉल निर्माण कार्य।	3 माह 19.21 लाख	2,000/- 14411/-	27/8/2026

नोट-निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https://www.mptenders gov.in की वेबसाइट पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री लोककर्म विभाग नगर निगम, जबलपुर

विभिन्न मांगों को लेकर बुलंद की आवाज

बीएसएनएल में जारी तीन दिवसीय धरना प्रदर्शन समाप्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बीएसएनएल एम्प्लाईज यूनियन, ए.आई.बी.डी.पी.ए. एवं सी.सी.डब्लू.एफ. के राष्ट्रीय आव्हान पर राष्ट्र व्यापी धरना जंगी प्रदर्शन के साथ समाप्त हो गया। बीएसएनएल जबलपुर मुख्यालय में भी बीएसएनएल के कर्मचारियों ने धरना दिया एवं जंगी प्रदर्शन किया। यूनियनों की मुख्य मांगों में बीएसएनएल कर्मचारियों का दिनांक 01.01.2017 से वेतन रिविजन लागू किया जाये एवं लाभा-हॉनि की शर्त को समाप्त किया जाये। बीएसएनएल से सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पेंशन रिविजन लागू किया जाये।

3.52 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण बरामद

जीआरपी के हत्थे चढ़ा शातिर चोर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रेलवे स्टेशन और चलती ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को जीआरपी ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर करीब 3 लाख 52 हजार 420 रुपए कीमत के सोने-चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। आरोपी ने पूछताछ में भुसावल-कटनी और कटनी-भुसावल पैसेंजर ट्रेनों में चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।पुलिस के अनुसार, रेल पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश के निर्देशन और रेल पुलिस उप अधीक्षक अंकिता सुल्पा के मार्गदर्शन में अपराधियों की धरपकड़ और अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

चन्द्रोत्सव में सेवा, संस्कृति और सम्मान का संगम

पूर्व मंत्री बाबू चन्द्रमोहन के 77वें जन्मोत्सव पर पौधारोपण, संगीत संध्या और निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ समाजसेवी बाबू चन्द्रमोहन के 77वें जन्मोत्सव के अवसर पर शहीद स्मारक में चन्द्रोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने उन्हें विशाल हृदय, संवेदनशील व्यक्तित्व और जनसेवा के प्रति समर्पित नेता बताते हुए उनके सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की सराहना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक नित्य निरंजन खम्परिया, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू, पूर्व न्यायाधीश मीना भट्ट, डॉ. के.के. भारद्वाज, डॉ. राजेश धीरावानी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने जीता दर्शकों का दिल

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और गणेश वंदना से हुआ। त्रिक्रिया कला अकादमी की संचालिका नीलांगी कलांत्रे के निर्देशन में आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया गया। वरिष्ठ नाट्यकर्मी लक्ष्मण सिंह चौहान के सामाजिक संदेश पर आधारित लघु नाटक को भी दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद प्रसिद्ध संगीतकार बब्लू मैथ्यूज और मुन्ना गूजर के निर्देशन में आयोजित संगीत संध्या में शहर के चुनिंदा गायक-गायिकाओं ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं। सारेगामा विजेता इशिता विश्वकर्मा ने ऑनलाइन प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में विशेष आकर्षण जोड़ा। राखी मजूमदार, रूमा बेनर्जी, सुनीता जायसवाल, विजय श्रीवास्तव, प्रेम वर्मा, मंजू इंग्ले, राजू श्रीवास्तव, मधुसूदन ने सबका मन मोहा। राजेश पाठक के संचालन में अतिथियों का स्वागत विजय जायसवाल, राजीव गुप्ता, आर. के. टेहनगुरिया, योगेन्द्र भार्गव, युवराज गढ़वाल, अरुण पवार ने किया। आभार प्रदर्शन प्रतुल श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर बब्लू मैथ्यूज और मुन्ना गूजर को किंग ऑफ रिदम अवार्ड से सम्मानित किया गया।

पौधारोपण और स्वास्थ्य सेवा का संदेश

जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में शहीद स्मारक परिसर में 11 पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। पौधारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इसके साथ ही सेम सीनियर सिटीजन क्लब, महाकोशल शहीद स्मारक ट्रस्ट-सांस्कृतिक प्रकोष्ठ एवं मेलोडियस मॉडलियन के सहयोग से हितकारिणी डेंटल कॉलेज द्वारा निःशुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श का लाभ लिया। इस मौके पर पूर्व विधायक, नित्य निरंजन खम्परिया, शेखर चौधरी, ऋषि रैकवार, डॉ. हिमांशु तिवारी, डॉ. रजनीश गर्ग, जादूगर एस. के. निगम, राजीव गुप्ता, प्रहलाद साहू, अरूण पवार, रेखा सहने, आलोक पाठक, सतीश पटेल पंडा, राज कुमारी रैकवार, प्रमोद जैन अंकिता निगम, श्रीमति प्रेम वर्मा, मंजू इंग्ले आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश पाठक ने किया तथा आभार प्रदर्शन प्रतुल श्रीवास्तव ने व्यक्त किया।

एटीएम कार्ड बदलकर हड़पी राशि

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। अधारताल थाना क्षेत्र निवासी एक महिला का एटीएम कार्ड बदलकर साढ़े 38 हजार रुपये निकाल लिये गये। जिसकी शिकायत बीती पुलिस में दर्ज करायी गई। शिकायत पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया है। पुलिस ने बताया कि महाराजपुर पटेल नगर निवासी 45 वर्षीय शिवानी शर्मा प्राइवेट शिक्षिका है। महाराजपुर स्थित एसबीआई एटीएम से अपनी सास प्रमिला शर्मा का एटीएम कार्ड लेकर पैसा निकालने गई थी। जहां से उन्होंने पंद्रह सौ रुपये निकाले, इसी बीच वहां पर एक व्यक्ति जिसकी उम्र 30-35 वर्ष होगी वहां मौजूद था। जब पीड़िता ने अपना एटीएम कार्ड वापस निकालने लगी तो उक्त युवक ने कहा कि मैडम आपका ट्रांजेक्शन सही नहीं हुआ आप पुनः एटीएम लगाकर कोड डाले तो उसने एटीएम मशीन में लगाकर कोड डाला। इसी बीच उक्त व्यक्ति ने उसका एटीएम मशीन से उसके एटीएम को निकाल वापस दिया और वह एटीएम लेकर घर आ गयी। उसके कुछ देर बाद उसकी सास के मोबाइल से पैसे कटने का मैसेज आया। जिसकी जानकारी पीड़िता ने अपने पति को दी। जिसके बाद एटीएम मशीन में जाकर कार्ड लगाया तो पिन का गलत होना लिखकर आया, एटीएम कार्ड देखा तो वह किसी सुरेन्द्र नामदेव के नाम का था।

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय द्वारा दंत परीक्षण शिविर आयोजित

370 से अधिक एनसीसी कैडेट्स हुए लाभान्वित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा शुक्रवार को जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट एक्शन एंड स्टडीज में सीएटीसी एनसीसी शिविर के दौरान एक विशेष दंत परीक्षण शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर के दौरान 370 से अधिक एनसीसी कैडेट्स एवं स्टाफ सदस्यों के दांतों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। डॉक्टरों की टीम ने उपस्थित कैडेट्स को दांतों की उचित देखभाल, ओरल हाइजीन तथा सही खान-पान की आदतों के बारे में विस्तार से समझाया। इसके साथ ही, सही तरीके से ब्रश करने की तकनीक का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया। शिविर में शामिल सभी प्रतिभागियों को निःशुल्क दंत उत्पाद वितरित किए गए और उनके सही इस्तेमाल के तरीके बताए गए।

यह आयोजन हितकारिणी दंत चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल के निदेशक डॉ. राजेश धीरावाणी एवं अधिष्ठाता डॉ. रोहित मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिविर के दौरान एनसीसी सेनानायक लेफ्टिनेंट कर्नलपंकज कुमार गिरी, शिविर आयोजक पप्पू कुमार एवं प्रभारी हवलदार सूर्यभान सिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। शिविर को सफल बनाने में हितकारिणी डेंटल कॉलेज के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. ई. श्रीकांत, डॉ. अविनाश बोस तथा अन्य डॉक्टर एवं मेडिकल टीम के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

कारगिल विजय गाथा प्रदर्शनी के लिए प्रचार वाहन रवाना

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से सेवा, सुशासन के 12 साल, कारगिल विजय गाथा और वीबी जी राम जी विषयों पर आधारित तीन दिवसीय फोटो प्रदर्शनी का आयोजन 25 से 27 जुलाई तक शासकीय महाकौशल महाविद्यालय में किया जाएगा।

इंजीनियरिंग कॉलेज के बंद पड़े हॉस्टल में मिला अज्ञात का शव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रांझी स्थित जबलपुर इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब लंबे समय से बंद पड़े पुराने हॉस्टल में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। शव कॉलेज के पुराने ओल्ड फिफ्थ हॉस्टल यानी छात्रावास क्रमांक-9 के ग्राउंड फ्लोर पर मिला। घटना की जानकारी मिलते ही कॉलेज प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद रांझी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी।

जीआई तार में उतरे करंट से ससुर और बहू की मौत

बचाने की कोशिश में पति झुलसा

सिहोरा के महगवां गांव की घटना

जबलपुर/सिहोरा (स्वतंत्र मत)

सिहोरा थाना क्षेत्र के महगवां गांव में शुक्रवार दोपहर एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। घर की परछी (गैलरी) में लगे जीआई तार में कपड़े सुखाते समय फैले करंट की चपेट में आने से ससुर और बहू की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, उन्हें बचाने की कोशिश में मृतक का पति भी झुलस गया, जिसका इलाज जारी है। इस घटना के बाद से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, महगवां निवासी मयूरी दुबे (27 वर्ष) दोपहर लगभग 3 बजे कपड़े धोने के बाद घर की परछी में बंधे जीआई वायर पर कपड़े फैलाने गई थी। इसी दौरान तार में अचानक तेज करंट आ गया और मयूरी उसकी चपेट में आकर चीख पड़ी। बहू की चीख सुनकर ससुर विष्णु प्रसाद दुबे (75 वर्ष) तुरंत उस ओर दौड़े। उन्होंने जैसे ही मयूरी को बचाने का प्रयास किया, वे भी करंट की चपेट में आ गए।

बचाने की कोशिश में पति भी झुलसा

इसी बीच, कमरे में मौजूद मयूरी का पति मुकेश दुबे (40 वर्ष) बाहर निकला। उसने अपनी पत्नी और पिता को तार में लिपटा देखा। बिना समय गंवाए जैसे ही उसने मदद के लिए हाथ बढ़ाया, वह भी करंट की चपेट में आ गया, जिससे उसका हाथ बुरी तरह झुलस गया। मुकेश ने किसी तरह खुद को संभालते हुए पड़ोसियों के घर पहुंचकर घटना की जानकारी दी।

घटना से गांव में शोक की लहर

घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण एकत्र हुए और तीनों को तत्काल निजी वाहन की मदद से सिहोरा सिविल अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, जांच के बाद डॉक्टरों ने विष्णु प्रसाद दुबे और मयूरी दुबे को मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से झुलसे मुकेश दुबे का इलाज अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने सिहोरा सिविल अस्पताल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

चार सटोरिये पुलिस के हत्थे चढ़े

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। बेलबाग पुलिस ने पांडे अस्पताल के सामने संगम चाय दुकान की आड़ में सट्टा पट्टी लिख रहे चार सटोरियों को दबोचा है। जिनके पास से पुलिस ने दस हजार 290 रुपये की नगदी व 17 सट्टा पट्टियां जब्त की है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ सट्टा एक्ट के तहत कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पांडे अस्पताल के समीप दबिश दी गई। जहां संगम चाय दुकान के पास से अच्छेलाल चौधरी उम्र 40 वर्ष निवासी सिंधी केम्प बाबा रोड हीरा पहलवान के घर के पास हनुमानताल, विजय कुमार गुप्ता उम्र 58 वर्ष निवासी सरस्वती कालोनी कोतवाली, प्रदीप कोरी उम्र 36 वर्ष बल्दीकोरी की दफाई घमापुर एवं संजय जैन उम्र 59 वर्ष निवासी शांतिनगर गोहलपुर को सट्टा पट्टी लिखते हुये रंगे हाथ पकड़ा गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से प्रथक-प्रथक क्रमशः5 नग सट्टा पट्टी तथा नगदी 3 हजार 120 रूपये, 5 नग सट्टा पट्टी एवं 2 हजार 180 रूपये, 4 नग सट्टा पट्टी एवं 2 हजार 350 रूपये तथा 3 नग सट्टा पट्टी व नगदी 2 हजार 640 रूपये जब्त किये।

तेंदुए के आतंक से ग्रामीणों में दहशत

चार माह से दहशत में जी रहे ग्राम चौथई के ग्रामीण, शाम होते ही घरों में हो जाते हैं कैद

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

बरगी क्षेत्र के ग्राम चौथई में पिछले चार माह से तेंदुए की लगातार मौजूदगी ने ग्रामीणों का जीना मुश्किल कर दिया है। तेंदुआ अब तक कई पालतू मवेशियों को अपना शिकार बना चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलते ही पूरा गांव सुनसान हो जाता है और लोग डर के कारण घरों से बाहर निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पाते। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग और स्थानीय प्रशासन को कई बार सूचना देने के बावजूद अब तक तेंदुए को पकड़ने या प्रभावी निगरानी के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। हालांकि वन विभाग का कहना है कि उसकी टीम लगातार क्षेत्र में मौजूद है और तेंदुए को पकड़ने के प्रयास जारी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए के डर से खेतों में जाना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का उनका कहना है कि वह क्या करें, कैसे खेती करें और कैसे

परिवार पालें। लगातार बढ़ते खतरे के कारण गांव में भय का माहौल बना हुआ है।

कई मवेशियों को बना चुका है शिकार

बरगी वन परिक्षेत्र की धनगवां बीट के अंतर्गत आने वाला चौथई गांव जंगल से सटा आदिवासी बहुल क्षेत्र है। ग्रामीणों के अनुसार, पिछले तीन माह में तेंदुआ बसोर सिंह की गाय के बछड़े, पर्वत सिंह के बछड़े सहित कई छोटे मवेशियों का शिकार कर चुका है। गांव के बुजुर्ग गुमान सिंह और मंगो बाई ने बताया कि उनका घर गांव से कुछ दूरी पर खेत में बना है। बीती रात तेंदुआ उनके घर तक पहुंच गया और पालतू कुत्ते को उठाकर ले जाने लगा। परिवार के लोगों के शोर मचाने पर वह कुत्ते को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की गतिविधियों की जानकारी कई बार वन विभाग के बीट प्रभारी और ग्राम पंचायत को दी गई, लेकिन न तो रेस्क्यू अभियान चलाया गया और न ही गश्त बढ़ाई गई। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो भविष्य में किसी बड़ी जनहानि से इनकार नहीं किया जा सकता। वन विभाग के अनुसार, जबलपुर जिले के बरगी, सिहोरा, पाटन, खमरिया, डुमना और मझौली क्षेत्रों में वर्तमान में 30 से अधिक तेंदुए अपने परिवार के साथ विचरण कर रहे हैं। अब तक किसी व्यक्ति पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन गांवों में उनकी बढ़ती सक्रियता से लोगों में भय का माहौल है।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**